राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

रांची में वन महोत्सव के दौरान प्रबंधन समिति के सदस्य को सम्मानित करते सीएम हेमंत सोरेन

• बोकारो, शनिवार 8 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 83 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड विस में 8399.31 करोड़ का अनुपूरक बजट सदन में पेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को सदन में एक बार फिर हंगामे की स्थिति बन गई। एक ओर विधायक प्रदीप यादव अपने स्थान पर खड़े होकर अपनी बात रखने लगे वहीं दूसरी ओर भाजपा के सभी सदस्य भी अपनी-अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध जताने लगे। सदन में लगातार शोर-शराबे के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सभी सूचनाओं को पढ़ी हुई मानी जाए। इसके बाद सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाने की कोशिश की गई लेकिन हंगामे के कारण माहौल लगातार गरमाया रहा। हंगामे के बीच वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में 8399 करोड़ 31 लाख का अनुपूरक बजट को पेश किया। भाजपा विधायकों के हंगामे के कारण स्पीकर रविंद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही 10 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्य के प्रथम अनुपूरक बजट में सबसे ज्यादा पैसा राजस्व खर्च के लिए रखा गया है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा पेश प्रथम 8399.31 करोड़ के प्रथम अनुपूरक में राजस्व खर्च के लिए 7256.25 करोड़ रुपये और पूंजीगत खर्च के लिए 1143.05 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार द्वारा पेश प्रथम अनुपूरक बजट में राजस्व खर्च के लिए निर्धारित राशि में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी ग्रामीण विकास विभाग की है। सरकार ने प्रथम अनुपूरक बजट में राजस्व खर्च के लिए निर्धारित 7256.25 करोड़ रुपये में से

4258.67 करोड़ रुपये का प्रावधान ग्रामीण विकास के लिए किया गया है। इसकी वजह केंद्र द्वारा मनरेगा के बदले जी राम जी योजना शुरू करने और राज्य पर 40 प्रतिशत खर्च का बोझ डालना बताया जाता है। सरकार द्वारा पेश अनुपूरक बजट पर 10 अगस्त को चर्चा होगी। इसके बाद इसे पारित करने की प्रक्रिया पूरी की जायेगी। सत्र के दूसरे दिन सदन में एक ऐतिहासिक पहल देखने को मिली। वित्त मंत्री ने सदन के पटल पर स्टेट लेवल बैंकर्स कमिटी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। देश में पहली बार किसी राज्य की विधानसभा में बैंकर्स कमिटी की रिपोर्ट पेश की गई। झारखंड सरकार के इस कदम को बैंकिंग व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वित्त मंत्री ने बताया कि इस पहल से अब विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं, ऋण वितरण और विभिन्न वित्तीय योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रभावी निगरानी कर सकेंगे। इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ विकास योजनाओं के बेहतर संचालन में भी मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार झारखंड का क्रेडिट-डिपॉजिट (एक) रेशियो वर्ष 2024 के 50.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2026 में 54.97 प्रतिशत (करीब 55 प्रतिशत) हो गया है। इसे राज्य में ऋण वितरण की स्थिति में सुधार का संकेत माना गया है। राज्य की वार्षिक ऋण योजना का लक्ष्य 1.73 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में बैंकों में कुल 44,979 करोड़ रुपये की जमा राशि है जबकि 22,613 करोड़ रुपये का ऋण अग्रिम दिया गया है जिससे 54.97 प्रतिशत का एक रेशियो दर्ज हुआ है। गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों से अब तक 330 लाभुकों को लगभग 27 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है।

छात्रों से बातचीत के लिए सरकार तैयार : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी उम्मीदवारों का विरोध-प्रदर्शन के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने बातचीत का एक तरीका पहले ही तय कर लिया है। हम बातचीत के लिए तैयार हैं। सरकार हर छात्र की समस्याओं को समझने के लिए उत्सुक है। अब हम छात्रों की बातों को जयपाल सिंह स्टेडियम की सीमाओं से बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य ऐसे ठोस और बड़े सुधार करना है जो छात्रों की उम्मीदों को उनकी जरूरतों के हिसाब से पूरा कर सकें। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने छात्रों को अपनी बात रखने के लिए सभी जरूरी मंच उपलब्ध करा दिए हैं। राज्य सरकार उनकी हर समस्याओं को समझना चाहती है। सरकार का दरवाजा खुला है। सीएम ने छात्रों को सरकार को सलाह देने को कहा है। यह भी कहा कि सरकार छात्रों की उम्मीदों पर खड़ा

उतरना चाहती है। हम छात्रों को आगे ले जाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उनकी जरूरतों के हिसाब से उनकी चिंताओं और उम्मीदों को पूरा करने के लिए सरकार बड़े सुधार करने की दिशा में काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि जेपीएससी-एसएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार ने उनसे बात करने के लिए मंत्रियों व अधिकारियों की समिति का गठन कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अनशन पर बैठे छात्र की बिगड़ी तबीयत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर अभ्यर्थी 13 दिन से हड़ताल पर हैं। कई छात्र अनशन पर भी बैठे हैं। इस बीच अनशन पर बैठ छात्र राहुल क्रांति की तबीयत बिगड़ गयी है। फिलहाल उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया है।

स्कूली शिक्षा सचिव को जारी किया शो कॉज नोटिस

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड हाईकोर्ट ने अवमानना के एक मामले में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद सेन की कोर्ट में हुई। दरअसल एकल पीठ में सचिव ने स्वयं उपस्थित होकर जेटेट कराने का आश्वासन दिया था। अदालत ने सचिव से पूछा है कि न्यायालय के निर्देश का अनुपालन नहीं करने के लिए उनके खिलाफ अवमानना का आरोप (चार्ज) क्यों नहीं तय किया जाए।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-20 स्थित निर्माणाधीन फुटबॉल स्टेडियम के पीछे बने तालाब में शुक्रवार सुबह 30 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हलुदकनली निवासी रवि कोल के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

टाटीझरिया में जंगली हाथियों का उत्पात

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक जारी है। खैरा, सिझुआ और महुआटांड़ सहित कई गांवों में हाथियों का झुंड लगातार विचरण कर रहा है जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। देर रात महुआटांड़ गांव में हाथियों के झुंड ने एक आदिवासी परिवार के घर को ध्वस्त कर दिया।

कानूनी जंग के बाद अखिलेश कुमार उपसचिव में प्रोन्नत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद सरकार ने अखिलेश कुमार को उपसचिव के पद पर प्रोन्नति दे दी है। कार्मिक विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि कंटेम्पट केस नंबर 45/2025 में पारित आदेश के आलोक में झारखंड सचिवालय सेवा के अखिलेश कुमार के 30.9.2022 की तिथि से उपसचिव के पद प्रोन्नत किया जाता है। साथ ही उनके वर्तमान पदस्थापित पद को उपसचिव के स्तर पर अपग्रेड किया जाता है। वह अदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय में अवर सचिव के पद पर पदस्थापित हैं।

पर्यावरण को बचाना सबकी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 77वें वन महोत्सव के अवसर पर लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन शामिल हुए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 77वें वन महोत्सव का शुक्रवार को आगाज किया। इस अवसर पर सीएम ने तेंदूपत्ता वन समितियों, जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी), ग्राम वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों तथा ''हाथी मित्रों'' को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पौधारोपण भी किया। वन महोत्सव में सीएम ने कहा कि पर्यावरण को हो रहा नुकसान अब सीधे मानव जीवन को प्रभावित करने लगा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में इसके स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं। जंगलों से निकलकर हाथी अब शहरों की ओर आ रहे हैं, क्योंकि इंसानों ने उनके प्राकृतिक आवास में हस्तक्षेप किया है। सीएम के अनुसार जब हम हाथियों के घर में घुसेंगे तो वे भी हमारे घर में आएंगे। पर्यावरण से खिलवाड़ की कीमत हर व्यक्ति को चुकानी पड़ेगी। यह मत सोचिए कि पैसा, गाड़ी या सुविधाएं आपको इससे

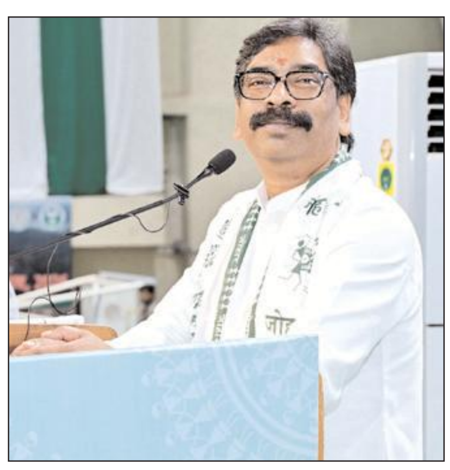

बचा लेंगी। प्रकृति का प्रभाव सभी पर समान रूप से पड़ता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपने घर या परिसर में कम से कम एक फलदार पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि पौधा लगाने के साथ उस पर आज की तारीख भी अंकित करें ताकि आने वाले वर्षों में यह याद रहे कि वन महोत्सव के दिन यह संकल्प लिया गया था। सीएम ने यह भी कहा कि मैं सत्ता में रहूं या नहीं रहूं, किसी दिन उस पेड़ को देखने जरूर आऊंगा और देखूंगा कि आपने उसे कितना संभालकर रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतीत में कई स्थानों पर ऐसे पेड़ लगाए गए जिनका इंसानों, पशुओं या पक्षियों के लिए कोई विशेष उपयोग नहीं था। अब सरकार ऐसे वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहती है, जिनका लाभ समाज और पर्यावरण दोनों को मिले। उन्होंने महुआ, जामुन, करंज सहित अन्य स्थानीय एवं फलदार पेड़ लगाने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति केवल एक-एक फलदार पौधा लगाकर उसे जीवित रखने का संकल्प लें तो यह पूरे राज्य में पर्यावरण संरक्षण की बड़ी क्रांति बन सकती है। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी योजनाओं, ठेकों और टेंडरों से पर्यावरण नहीं बचेगा बल्कि जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने तेजी से बढ़ते शहरीकरण और कंक्रीट के जंगलों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर इमारतें, अपार्टमेंट और मॉल बनाए जा रहे हैं, जिसका असर जलवायु और जैव विविधता पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई विकसित देश भी पर्यावरणीय संकट से जूझ रहे हैं और भारत को समय रहते इससे सबक लेना चाहिए।

बेहतर कोयला खनन के लिए एनटीपीसी पकरी-बरवाडीह को फाइव स्टार रेटिंग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। एनटीपीसी बड़कागांव पकरी-बरवाडीह को देशभर में बेहतर खनन के लिए फाइव स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। रेटिंग मिलने पर एनटीपीसी परिवार उत्साहित है। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में भी देश के सतत विकास में हजारीबाग का ओपन कास्ट कोयला खदान महत्वपूर्ण योगदान देगा। बड़कागांव का पकरी-बरवाडीह में देश की मिनी रत्न कंपनी एनटीपीसी कोल उत्खनन का काम कर रही है। यहां का कोयला देश के कई ऊर्जा संयंत्र तक पहुंच रहा है। पकरी-बरवाडीह ने सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल और जिम्मेदार खनन के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कोयला मंत्रालय के कोयला नियंत्रक कार्यालय (सीसीओ) की ओर से कंपनी की तीन ओपन कास्ट कोयला खदानों को फाइव स्टार रेटिंग प्रदान की है। इनमें झारखंड की पकरी-बरवाडीह, ओडिशा की दुलंगा और छत्तीसगढ़ की तलाईपल्ली कोयला खदान शामिल हैं। देशभर की फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त खदानों में झारखंड की पकरी-बरवाडीह कोयला खदान लगातार दूसरे वर्ष पहले स्थान पर रही। यह उपलब्धि सुरक्षित खनन, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक खनन प्रबंधन के क्षेत्र में एनटीपीसी माइनिंग के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है। त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड बड़कागांव के पकरी-बरवाडीह में कोयला उत्खनन का काम करती है। यहां के सीईओ संजय कुमार खटोर बताते हैं कि फाइव स्टार रेटिंग मिलना यह बताता है कि यहां कोयला उत्खनन सुरक्षित और बेहतर हो रहा है। खदानों की सुरक्षा व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण, सतत खनन, तकनीकी प्रबंधन और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आधार पर स्टार रेटिंग दी जाती है। इसका उद्देश्य खनन क्षेत्र में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बढ़ावा देना है।

बेगुनाहों को झूठे मुकदमे में नहीं फंसाए पुलिस : भाजपा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के बड़गांव में नाबालिग बच्ची के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपों के बाद हुई मॉब लिंचिंग की घटना अब राजनीतिक रंग लेने लगी है। प्रदेश में सरकार कि विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए पूरे घटनाक्रम के वास्तविक दोषियों पर कठोर कार्रवाई कि मांग की है। कहा है कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मुकदमे में फंसाया नहीं जाना चाहिये। भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक किशुन दास ने नाबालिग से दुष्कर्म जैसी जघन्य घटना के आरोपियों को किसी भी हाल में नहीं छोड़ने की मांग की है। साथ ही मॉब लिंचिंग की घटना में शामिल दोषियों पर भी कानून के तहत सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करे लेकिन पूरी कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यों के आधार पर ही हो। भाजपा जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि इस मामले में बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों को भी नामजद और अज्ञात अभियुक्त बनाया गया है। ऐसे में पुलिस को निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों की पहचान करनी चाहिए और बेगुनाह लोगों को किसी तरह की अनावश्यक कार्रवाई या उत्पीड़न से बचाना चाहिए। वहीं भाजपा नेता एवं मुखिया विजय चौबे का नाम मॉब लिंचिंग मामले में सामने आने के बाद राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई है।

हस्तकरघा आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। वीवर्स डेवलपमेंट एंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के द्वारा 13वां हस्तकरघा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिस्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। आयोजन में बंगाल, महारष्ट्र और बिहार से भी प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में इस बात पर चर्चा हुई कि आज बुनकर विद्या लुप्त हो रही है। इस विद्या को बचाने और संवारने की जरुरत है जबकि राज्य में बुनकर को लूम उपलब्ध कराने के लिए पूरी व्यवस्था है। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई बुनकरों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस उन लाखों बुनकरों के श्रम, कौशल एवं

सृजनशीलता को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने सदियों से भारत की सांस्कृतिक पहचान को अपने हाथों से बुना है। उन्होंने कहा कि हस्तकरघा केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा एवं आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस के अवसर पर यह स्मरण करना भी प्रासंगिक है कि वर्ष 1942 में प्रारम्भ हुए भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा प्रदान की थी। उस दौर में चरखा, खादी और हस्तकरघा केवल वस्त्र निर्माण के साधन नहीं थे बल्कि स्वदेशी, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रतीक बन गए थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी एवं स्वदेशी को जनांदोलन का स्वरूप देकर देशवासियों में आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव की भावना का संचार किया। झारखंड की जनजातीय एवं ग्रामीण परंपराओं में हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत विद्यमान है। राज्य का तसर रेशम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, नवाचार, डिजाइन, विपणन तथा डिजिटल माध्यमों से जोड़कर बुनकरों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि उनके मंत्री रहते राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस मनाने की पहल प्रारंभ हुई थी, जिसका उद्देश्य देश के बुनकरों के श्रम, कौशल एवं योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देना तथा हस्तकरघा क्षेत्र को नई पहचान प्रदान करना था। प्रधानमंत्री द्वारा 'वोकल फॉर लोकल' 'आत्मनिर्भर भारत' तथा पीएम विश्वकर्मा योजना जैसी अनेक पहलों के माध्यम से बुनकरों, शिल्पकारों एवं पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है।

कतरास के छाताबाद में फटी धरती, भू-धसान से मची तबाही, दर्जनों लोग घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद/कतरास। कतरास थाना क्षेत्र का छाताबाद मे अचानक चीख-पुकार और अफरा-तफरी से दहल उठा। जुम्मे की नमाज के कारण कई लोग मस्जिदों में थे, जबकि बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं घरों में आराम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज कंपन के साथ जमीन धंसने लगी। देखते ही देखते कई घर भू-धसान की चपेट में आ गए। अचानक हुए इस हादसे से लोगों में दहशत फैल गई। अपनी जान बचाने के लिए लोग घरों से बाहर भागने लगे। कई परिवारों ने किसी तरह बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में करीब एक दर्जन लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। भूधसान की भयावह घटना में दो दर्जन से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। छाताबाद का फुटबॉल मैदान और करीब 300 मीटर लंबी सड़क लगभग 10 फीट नीचे धंस गई। कई मकान तिरछे हो गए हैं, जबकि बिजली के खंभे भी झुक गए हैं। स्थिति को देखते हुए पूरे इलाके में बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। खतरे को देखते हुए प्रभावित परिवार अपने घरों को खाली कर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। लोगों के सामने अब सबसे बड़ा संकट सिर पर छत और परिवार की सुरक्षा का है। घटना की सूचना मिलते ही कतरास समेत आसपास के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रशासनिक

अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लिया। लोगों को खतरे वाले इलाके से बाहर निकाला जा रहा है। वहीं बीसीसीएल की माइंस रेस्क्यू टीम भी राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह महज प्राकृतिक घटना नहीं बल्कि लंबे समय से चली आ रही लापरवाही और मानवजनित गतिविधियों का परिणाम है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही ब्लास्टिंग, अवैध कोयला खनन और संबंधित एजेंसियों की कथित अनदेखी के कारण जमीन अंदर से खोखली होती गई। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों के तत्काल सुरक्षित पुनर्वास, उचित मुआवजा और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पार्षद ने बीसीसीएल की ब्लास्टिंग और अवैध खनन पर उठाए सवाल स्थानीय पार्षद मो. शहाबुद्दीन अंसारी ने घटना के लिए सीधे तौर पर बीसीसीएल की ब्लास्टिंग और अवैध खनन को जिम्मेदार ठहराया है। उनका दावा है कि अवैध खनन के कारण करीब 20 घर उजड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाते तो इतनी बड़ी त्रासदी को टाला जा सकता था। छाताबाद में भूधसान की घटना कोई पहली घटना नहीं है। स्थानीय लोग लंबे समय से जमीन धंसने, अवैध खनन और ब्लास्टिंग को लेकर चिंता जताते रहे हैं। हादसे के बाद सबसे बड़ी चिंता उन परिवारों की है जिनके घर पल भर में रहने लायक नहीं बचे। बच्चों की सुरक्षा, रोजमर्रा की जरूरतें और भविष्य की चिंता ने लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों की मांग है कि सभी प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर बसाया जाए, उचित मुआवजा दिया जाए और पूरे क्षेत्र का वैज्ञानिक सर्वे कराया जाए ताकि भविष्य में ऐसी भयावह घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

गुटखा और पान मसाला गोदाम को किया सील

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना क्षेत्र के बिशनपुर स्थित राजवार बस्ती में गुटखा और पान मसाला के एक गोदाम पर फूड सेफ्टी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को जांच के लिए पहुंची विभागीय टीम ने गोदाम को सील कर दिया। गोदाम संचालक सचिन चौरसिया के मौके पर नहीं पहुंचने और ताला नहीं खुलवाने के बाद टीम ने यह कार्रवाई की। दरअसल शुक्रवार की सुबह बिशनपुर इलाके में गुटखा लदे एक कंटेनर में आग लग गई थी। हादसे में कंटेनर का चालक झुलस गया। घटना की सूचना मिलने के बाद फूड सेफ्टी विभाग ने मामले की जांच शुरू की। विभागीय टीम को बिशनपुर राजवार बस्ती में एक ऐसे गोदाम की जानकारी मिली जहां पान मसाला और गुटखा रखे जाने की सूचना थी। इसके बाद फूड सेफ्टी अधिकारी ए. राजा के नेतृत्व में टीम गोदाम पर पहुंची।

संक्षिप्त समाचार

बीएसएम स्कूल में 400 बच्चों की होगी आंखों की जांच

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन एवं रोटरी क्लब गिरिडीह के संयुक्त प्रयास से बीएसएम स्कूल में दो दिवसीय मेगा आई चेकअप कैंप शुरू हुआ शिविर में करीब 400 विद्यार्थियों की निःशुल्क नेत्र जांच का लक्ष्य रखा गया है जांच रोटरी की अत्याधुनिक आई चेकअप वैन के माध्यम से की जा रही है शिविर के शुभारंभ पर विद्यालय की प्राचार्या संगीता सिंह ने इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला पीडीसी पूनम सहाय रोटरी क्लब गिरिडीह के अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता एवं सचिव मनीष कुमार बर्णवाल का स्वागत किया उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से बच्चों में आंखों से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान कर उचित परामर्श और उपचार की दिशा में कदम उठाया जा सकता है क्लब अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला ने कहा कि मोबाइल ऑनलाइन पढ़ाई और गेम्स के कारण बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है इससे कम उम्र में आंखों से जुड़ी समस्याएं सामने आ रही हैं उन्होंने कहा कि इनर व्हील क्लब आगे भी विभिन्न विद्यालयों में ऐसे जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित करता रहेगा पीडीसी पूनम सहाय ने विद्यार्थियों को आंखों की देखभाल संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने स्क्रीन टाइम कम रखने और आंखों को सुरक्षित रखने के उपाय बताए कार्यक्रम में आईपीपी कविता राजगढ़िया वाइस प्रेसिडेंट स्मृति आनंद सचिव संगीता सिन्हा सदस्य अंजू सिन्हा पूजा जमुआर एवं ससी जैन मौजूद रहीं दो दिवसीय शिविर के दौरान करीब 400 विद्यार्थियों की निःशुल्क नेत्र जांच की जाएगी।

भारतीय साहित्य के सूर्य राष्ट्र गान रचयिता कवि रवींद्रनाथ टैगोर की 85वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

खूंटी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विश्व भारती कलाकार परिषद के तत्वावधान में शहीद भगत सिंह चौक खूंटी में नोबेल पुरस्कार विजेता कविवर रवीन्द्रनाथ नाथ टैगोर को 85वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में स्थानीय कवि, लेखक, कलाकार एवं साहित्यकारों ने कवि रवींद्रनाथ नाथ टैगोर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। उपस्थित विद्वतजनों ने कहा कि कवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने भारतीय साहित्य को सिर्फ रोशन ही नहीं किया, उसे पूरी दुनिया के मंच पर पहुंचा दिया। मुख्य रूप से संबोधन में विश्व भारती कलाकार परिषद के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि कवि रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7मई 1861ई को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ था। रविन्द्र नाथ टैगोर ने बांग्ला और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा। कविता,कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, गीत सभी विधाओं में पारंगत थे।1913में उनकी रचना गीतांजलि के अंग्रेजी अनुवाद के लिए उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला।यह सम्मान पूरे भारत और एशिया का सम्मान था। गुरुदेव के कवि, लेखक और साहित्यकार डॉ डीएन तिवारी ने कहा कि कविवर रवीन्द्रनाथ टैगोर के देशभक्ति काव्य राष्ट्र गान जन गण मन के रूप में हम बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ गाते हैं, साथ ही इनकी रचना बांग्लादेश में राष्ट्र गान आमार सोनार बांग्ला गाया जाता है।दो देशों के राष्ट्र गान लिखने वाले विश्व के संभवतः एकलौते कवि हैं। कविवर टैगोर को ठाकुर भी कहा जाता है। स्कूली पढ़ाई को इन्होंने बचपन में ही छोड़ दिया, उन्हें लगता था कि शिक्षा दीवारों में नहीं प्रकृति में होती है।इसी सोच से आगे चलकर इन्होंने शांतिनिकेतन में विश्व भारती की स्थापना की।ये प्रकृति प्रेमी और ईश्वर के प्रति बहुत आस्थावान रहे।इनकी कृतियां विश्व के लिए धरोहर हैं। कार्यक्रम में ध्रुवेन्द्र भास्कर,अनुप कुमार राय, जितेन्द्र पांडे, तुलसी प्रजापति, कृष्णा भगत, राधेश्याम भगत,दुनेश्वर मुंडा, विष्णु देव चौधरी सहित अन्य साहित्य प्रेमियों अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

किसान चौक बथना में ऑटोमेटिक मखाना प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग प्लांट का हुआ शुभारंभ

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के किसान चौक में कोसी - सीमांचल के पहला ऑटोमैटिक मखाना प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग प्लांट का शुभारंभ हुआ। बिहार राज्य के पहले सहकारी संगठन द्वारा संचालित इस आधुनिक प्लांट की स्थापना अतुल्यम मल्टी स्टेट मल्टीपर्पस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के तहत की गई है। ब्रजेश कुमार निदेशक एवं बिहार प्रमुख,अतुल्यम को-ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी, लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता,भारत सरकार के पूर्व सचिव हेम पाण्डेय, विस्कोमान के अध्यक्ष विशाल सिंह, अतुल्यम के अध्यक्ष विनोद अग्निहोत्री,कटिहार नगर निगम के महापौर उषा देवी अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कटिहार सहित आसपास के जिलों के उन्नत मखाना किसान, व्यापारी एवं मखाना उद्योग से जुड़े बड़ी संख्या में लोग भी शामिल हुए। यह आधुनिक प्लांट मखाना उद्योग को नई दिशा देने के साथ किसानों को बेहतर बाजार,आधुनिक प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महासंघ की बैठक आयोजित

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के चितौरिया पंचायत के बड़ी बथना में बिहार सरकार की ओर से मान्यता प्राप्त संगठन बिहार सरकार द्वारा संचालित संगठन बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महासंघ रजिस्ट्रेशन संख्या 4152 / 12 की बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महासंघ के जिलाध्यक्ष भारती सिंह ने बताया कि विगत दिन मनसाही प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी ने प्रखंड मुख्यालय मनसाही बुलाकर मनमानी की एवं दूसरे संगठन के लोग दलबल के साथ हो हंगामा प्रखंड मुख्यालय में करने लगे। जिसे हम सभी बिहार प्रदेश ग्राम रक्षा दल इसकी घोर निंदा करते हैं। सचिवालय पटना बिहार सरकार के द्वारा जब हम रजिस्टर्ड हैं फिर प्रखंड मुख्यालय मनसाही बुलाने की क्या जरूरत थी। प्रखंड विकास पदाधिकारी के सामने दूसरे संगठन वाले हो हंगामा करना कहीं ना कहीं दूसरे संगठन के लोगों का पहले जो मनमानी कर रहे थे। वह मनमानी अब बंद हो गया हैं! इससे परेशान होकर वे लोग प्रखंड मुख्यालय मनसाही में मेरे खिलाफ विरोध कर रहे थे। जबकि सचिवालय पटना में रजिस्ट्रेशन संख्या 4152/12 रजिस्ट्रेशन हैं। इसका जिलाध्यक्ष भारती सिंह हैं। इनके ही नेतृत्व में पूरे कटिहार जिले सहित बिहार में ग्राम रक्षा दल का बैठक एवं अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

रेल एसपी आवास के समीप रेलकर्मी के क्वार्टर में चोरी

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रेल कॉलोनी में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर अज्ञात चोरों ने रेलकर्मी के क्वार्टर को निशाना बनाकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साहेबपाड़ा स्थित रेल एसपी आवास के समीप का है। जहां कटिहार रेल मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत रेलकर्मी अजय प्रसाद के रेलवे क्वार्टर संख्या 850 में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार अज्ञात चोर पीछे का दरवाजा तोड़कर किचन के रास्ते घर में घुसे। हालांकि वे कमरे तक नहीं पहुंच सके। लेकिन जाते-जाते किचन में रखे बर्तन एवं अन्य सामान समेटकर फरार हो गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 10 हजार रुपये बताई जा रही है। रेलकर्मी अजय प्रसाद ने बताया कि वे परिवार के साथ पटना गए हुए थे। लौटने पर देखा कि घर का पिछला दरवाजा टूटा हुआ है और किचन का सामान गायब है। इसके बाद उन्होंने मामले की लिखित शिकायत सहायक थाना में दर्ज कराई। इससे पहले भी रेल कॉलोनी एवं रेलवे क्वार्टरों में चोरी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही वारदातों से रेलकर्मियों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। रेलकर्मियों ने रेल परिसर और कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा नियमित पुलिस एवं आरपीएफ गश्त बढ़ाने की मांग की है।

ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था पर डीसी की पैनी नजर, मासिक निरीक्षण में दिए सख्त निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव ने शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय गिरिडीह स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा सीसीटीवी निगरानी और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया उपायुक्त ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम बीयू हॉल जनरेटर रूम विद्युत व्यवस्था अग्निशमन यंत्र तथा सुरक्षा बलों के लॉगबुक की जांच की उन्होंने सीसीटीवी और अन्य उपकरणों के रखरखाव की स्थिति भी देखी निरीक्षण के दौरान तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने दायित्वों के प्रति सचेत और सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया साथ ही वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने पर जोर दिया गया मौके पर सहायक समाहर्ता यश कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी पायल राज सहित निर्वाचन शाखा के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे

बारसोई स्टेशन से 2 करोड़ की संदिग्ध ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। रेलवे सुरक्षा बल बारसोई एवं राजकीय रेल पुलिस कुमेदपुर की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन नार्कोस के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए बारसोई रेलवे स्टेशन से करीब 2 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये मूल्य की 512 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद की है। कार्रवाई के दौरान एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार गुरुवार देर रात कुमेदपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर संयुक्त जांच अभियान के दौरान एक युवक संदिग्ध अवस्था में पीले रंग का कैरी बैग लेकर घूमता मिला। आरपीएफ बारसोई के एसआईपीएफ शुभम कुमार एवं जीआरपी कुमेदपुर की टीम ने उसे रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान कैरी बैग में रखे एनर्जी ड्रिंक के पांच टिन कैनों को विशेष रूप से काटकर उनके भीतर पारदर्शी पैकेटों में संदिग्ध ब्राउन शुगर छिपाई गई थी। बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन 512 ग्राम पाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल मालदा निवासी राहिल शेख (26) के रूप में हुई। जिसके पास से एक मोबाइल फोन एवं रेल टिकट भी बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह इस खेप को कालियागंज से कटिहार रेलवे स्टेशन के बाहर एक व्यक्ति तक पहुंचाने जा रहा था। इसके बाद जीआरपी ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत बरामद संदिग्ध ब्राउन शुगर, टिन कैन, मोबाइल फोन, कैरी बैग एवं रेल टिकट जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई बंगाल क्षेत्र होने के कारण कुमेदपुर रेल थाना में की जा रही है। इस सफल कार्रवाई से मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ रेलवे सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। रेलमंडल में आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस के निदेर्शानुसार आरपीएफ की विशेष टीम लगातार सघन चेकिंग कर रही है।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए तीन खिलाड़ी धनबाद रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। धनबाद स्थित सर्वमंगला पब्लिक स्कूल में 7 से 9 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली 26वीं सीनियर राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गिरिडीह के तीन खिलाड़ी रवाना हुए गिरिडीह जिले का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ियों में श्वेता कुमारी सुजाता कुमारी एवं कृष्णा माधव शामिल हैं प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा ऐसे में गिरिडीह के खिलाड़ियों से जिलेवासियों को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है खिलाड़ियों के रवाना होने पर गिरिडीह के खेल प्रेमियों और ताइक्वांडो परिवार में खुशी का माहौल है प्रशिक्षकों एवं खेल पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं खिलाड़ियों ने भी पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर पदक जीतने का संकल्प लिया गिरिडीह जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव अमित स्वर्णकार ने जानकारी देते हुए कहा कि तीनों खिलाड़ियों से उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद है और उनके बेहतर प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन होगा।

फर्जी ऐपक भेजकर गैस बिल अपडेट के नाम पर साइबर ठगी, दो आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ग्राम तेलोडीह के समीप मनियामारी गांव जाने वाली सड़क किनारे बैठकर साइबर ठगी करने के मामले में गिरिडीह पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है9 पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की साइबर थाना प्रभारी पुनि रामेश्वर भगत के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने संतोष मंडल 23 और छोटू कुमार मंडल 20 को गिरफ्तार किया पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी सिम का इस्तेमाल कर फर्जी व्हाट्सएप नंबरों से आम लोगों को गैस बिल अपडेट ऐपक गैस 2 एडमिन ऐपक और मंगल गैस बिल अपडेट ऐपक जैसी फर्जी ऐपक फाइल भेजते थे इसके बाद गैस बिल अपडेट कराने के नाम पर लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाया जाता था 5 मोबाइल और 5 सिम बरामद पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से 5 मोबाइल फोन और 5 सिम कार्ड बरामद किए हैं मामले में साइबर थाना कांड संख्या 24/2026 07 अगस्त 2026 दर्ज किया गया है पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी संतोष मंडल का पूर्व में भी साइबर अपराध से जुड़ा रिकॉर्ड रहा है। वह गिरिडीह साइबर थाना कांड संख्या 35/2019 एवं 15/2025 में जेल जा चुका है।

सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिक्स में उत्साह से मनाया विश्व स्तनपान दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिक्स गिरिडीह में विश्व स्तनपान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया इस वर्ष कार्यक्रम की थीम जीवन की सतत एवं स्वस्थ शुरूआत के लिए स्तनपान जो प्रभावी है उसे और मजबूत बनाएं रखी गई कार्यक्रम की शुरूआत नर्सिंग शपथ के साथ हुई इसके बाद पोस्टर प्रस्तुति भाषण और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्तनपान मातृ स्वास्थ्य और शिशु स्वास्थ्य के महत्व पर अपनी रचनात्मकता एवं जागरूकता का प्रदर्शन किया इस अवसर पर कॉलेज के फैकल्टी सदस्यों ने मां और शिशु के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व एवं इसके लाभों की जानकारी दी। साथ ही समाज में स्तनपान को लेकर जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यार्थियों शिक्षकों और आयोजकों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की

02

सुल्तानगंज से जल लेकर पैदल यात्रा के लिए रवाना हुई कांवरियों की टोली : राजू शर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सावन के पावन महीने में बाबा भोलेनाथ की भक्ति में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है इसी क्रम में राजू शर्मा सूरज राणा धीरज राणा टीम कुमारी, कोमल कुमारी शिरिष्ठी कुमारी और अंजलि कुमारी समेत कांवरियों की टोली सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर पैदल अत्रा के लिए रवाना हुई श्रद्धालु पूरे रास्ते बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे है कांवर यात्रा के दौरान भक्ति और आस्था का माहौल बना हुआ है श्रद्धालुओं का कहना है कि बाबा भोलेनाथ की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करने के उद्देश्य से वे यह पैदल यात्रा कर रहे हैं।

महीनों से खराब ट्रांसफार्मरों पर विधायक मंजू कुमारी ने सरकार से मांगा जवाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने विधानसभा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था और खराब ट्रांसफार्मरों को लेकर सरकार से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे। उन्होंने जानना चाहा कि झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रावधान के अनुसार खराब ट्रांसफार्मर शहरी क्षेत्र में 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्र में 48 घंटे के भीतर बदले जाते हैं या नहीं विधायक ने सवाल उठाया कि निर्धारित समय के भीतर खराब ट्रांसफार्मर ठीक नहीं होने पर क्या उपभोक्ताओं को 25 रुपये प्रतिदिन हजार्ना देने का प्रावधान है उन्होंने यह भी सरकार से पूछा कि गिरिडीह जिले के जमुआ विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद ग्रामीण महीनों तक अंधेरे में रहने को मजबूर हैं लेकिन उन्हें हजार्ना भी नहीं मिलता है मंजू कुमारी ने सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए पूछा कि यदि इन प्रावधानों के बावजूद ग्रामीणों को समय पर ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं हो रहा है और उन्हें हजार्ना भी नहीं मिल रहा तो सरकार समय पर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने और उपभोक्ताओं को हजार्ना राशि दिलाने की व्यवस्था कब तक सुनिश्चित करेगी विधायक के इन सवालों से जमुआ क्षेत्र की बिजली समस्या और खराब ट्रांसफार्मरों को लेकर सरकारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने हजारीबाग की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा विधानसभा में उठाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची (हजारीबाग)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने अल्पसूचित प्रश्न के माध्यम से हजारीबाग सहित पूरे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े गंभीर मुद्दों को सदन में उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग सहित राज्य के कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्पदंश के उपचार के लिए उपलब्ध एंटी वेनम की गुणवत्ता एवं उसकी पर्याप्त उपलब्धता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध एंटी वेनम की गुणवत्ता की नियमित जांच कराकर मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि सर्पदंश के मरीजों को अनावश्यक रूप से रेफर न करना पड़े। उन्होंने हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की पोस्टमार्टम व्यवस्था का मुद्दा भी सदन में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था के कारण मृतकों के परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ता है तथा रात्रि में पोस्टमार्टम की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विधायक ने सरकार से यह भी जानना चाहा कि क्या जनहित को ध्यान में रखते हुए पोस्टमार्टम सेवा को 24x7 संचालित करने तथा स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध एंटी वेनम की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने की कोई योजना है। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

'मुक्त-छंद' के प्रथम कवि और 'बिहार आंदोलन' के जनक थे बाबू महेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिन्दी काव्य-साहित्य में मुक्त-छंद के प्रथम कवि और बिहार-आंदोलन के जनक थे बाबू महेश नारायण। बिहार में हिन्दी-पत्रकारिता के भी पितामह थे महेश बाबू। बिहार को एक अलग राज्य बनाया जाए, इस हेतु प्रथम संकल्प उनके ही मन में आया था। 'बिहार टाइम्स' नामक पत्र निकालकर उन्होंने इस आंदोलन को बल प्रदान किया। उनके निधन के पश्चात इस आंदोलन को, उनके सहयोगी डा सच्चिदानन्द सिन्हा ने सफल नेतृत्व दिया और 'बिहार' राज्य का निर्माण हुआ। यह बातें गुरुवार की संध्या, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती समारोह एवं कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। महाकवि मैथिली शरण गुप्त को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा 'राष्ट्र-कवि'की उपाधि से विभूषित और भारत सरकार के पद्म-भूषण सम्मान से अलंकृत गुप्त जी, नव विकसित खड़ी बोली का नाम 'हिन्दी' के स्थान पर 'भारती' रखने के पक्षधर थे। उनका मानना था कि, क्योंकि यह 'भारत' की भाषा है, इसलिए इसका नाम 'भारती' ही होना चाहिए। गुप्त जी जीवन-पर्यन्त भारत और भारती के गीत गाते रहे और यह प्रार्थना करते रहे कि "मानस-भवन में आर्यजन जिसकी उतारें आरती/ भगवान ! भारतवर्ष में गूँजे हमारी भारती"। वे खड़ी बोली के उन्नायकों में मूर्द्धन्य और 'साकेत' खंड-काव्य के रूप में रामकथा लिखने वाले हिन्दी के प्रथम कवि हैं। डा सुलभ ने कहा कि महाकवि रामदयाल पाण्डेय स्वाभिमान, आदर्श और राष्ट्र-भक्ति की संज्ञा थे। वे एक महान स्वतंत्रता-सेनानी, ओजस्वी वक्ता, राष्ट्रीय भाव के अमर-कवि हैं। वे साहित्य सम्मेलन के सबसे बड़े सेवकों में थे। चार बार सम्मेलन के अध्यक्ष चुने गए। सम्मेलन भवन के निर्माण में अपने सिर पर ईंट-गारे ढोए और अन्य साहित्यकारों को भी इस हेतु प्रेरित किया। स्वतंत्रता-सेनानी पेंशन लेने से यह कह कर इनकार कर दिया कि, "भारत माता की सेवा पुत्र की भाँति की, किसी कर्मचारी की तरह नहीं, कि सेवा-शुल्क लूँ। डा सुलभ ने कवि-पत्रकार बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता को भी उनके ७२वें जन्म-दिवस पर अंग-वस्त्रम और पुष्प-हार से सम्मानित किया। वरिष्ठ साहित्यकार डा रत्नेश्वर सिंह, डा शशि भूषण सिंह, डा मनोज गोवर्द्धनपुरी तथा शम्भुनाथ पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंदा मिश्र की वाणी वंदना से हुआ।

एक नजर

स्कूली बच्चों ने निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली

मदनपुर (औरंगाबाद)। मदनपुर प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय सलैया मदनपुर के बच्चों द्वारा शुक्रवार को विशेष अभियान के तहत नशामुक्ति के लिए एक रैली निकाल एक संदेश दिया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजकुमार प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में विशेष अभियान के तहत नशा मुक्ति के लिए रैली का आयोजन किया गया। रैली में शामिल बच्चों ने तख्तियों, पोस्टर , बैनर और स्लोगन नारों के माध्यम से पूरे सलैया गांव में भ्रमण कर लोगों को नशा से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। प्रधानाध्यापक राजकुमार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि नशे के सेवन से कई खुशहाल परिवार बर्बाद हो रहे हैं। आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र के साथ-साथ स्वास्थ्य में भी लोगों को बहुत नुकसान हो रहा है। फिर भी नशे का सेवन नहीं रुक रहा है। प्रधानाध्यापक ने बच्चों से आग्रह किया कि वे अपने अपने गांव और टोले में अपने परिवार के साथ साथ अन्य परिवार के लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों को बताएगें ताकि समाज और देश नशा से मुक्त रहे। आज कल देखा जा रहा है कि कम उम्र के बच्चें भी इस बुरी लत से ग्रसित हो रहे हैं। ऐसे में रैली और जन जागरूकता के माध्यम से इन्हें बताना जरूरी हो गया है कि नशे के लत से शरीर ही नहीं बल्कि पूरा परिवार भी बर्बाद हो जाता है। इस अवसर पर शिक्षक धनंजय कुमार राज, सत्यानंद, शिक्षिका प्रतिभा कुमारी, रीता कुमारी, कृति कुमारी, रेखा कुमारी, जेबा , अर्शिया महरीन, मुस्कान प्रवीण, रामेश्वर भुइया ,बलिंद्र रजक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बारिश ने खोली विकास की पोल ! राजा बगीचा वार्ड-15 की सड़क बनी तालाब, लोग बेहाल

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज नगर पंचायत के राजा बगीचा वार्ड संख्या-15 में हल्की बारिश ने ही जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। कुछ ही देर की बारिश के बाद सड़क पर इतना पानी जमा हो गया कि लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बरसात में यही स्थिति बन जाती है। सड़क पर जलजमाव के कारण स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। कई जगह फिसलन होने से दुर्घटना का भी खतरा बना रहता है। वार्डवासियों का आरोप है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क हर साल तालाब का रूप ले लेती है। उन्होंने नगर पंचायत प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने तथा इस समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है, ताकि बरसात के मौसम में लोगों को राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास के दावों की असली तस्वीर बारिश के बाद सड़कों पर साफ दिखाई दे रही है। अब सभी की निगाहें नगर पंचायत प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

हसपुरा में ठप्प पड़ी नल-जल योजना

औरंगाबाद। हसपुरा प्रखंड के वार्ड संख्या छह में पिछले छह वर्षों से 'हर घर नल से जल' योजना पूरी तरह से ठप्प पड़ी है। ग्रामीणों के अनुसार छह वर्ष पूर्व जलापूर्ति के लिए पानी की टंकी और मोटर लगाई गई थी, लेकिन आपूर्ति नियमित नहीं हो सकी। तीन माह पहले ग्रामीणों की शिकायत पर मरम्मत कराई गई, परंतु मात्र चार दिन चलने के बाद आपूर्ति पुनः बंद हो गई। पानी की पाइपलाइन पूरी तरह से बेकार हो चुकी है और ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण विवेक सिंह, रामस्वरूप सिंह और जीतेंद्र यादव का कहना है कि पीएचइडी विभाग के अधिकारी समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जलापूर्ति केंद्र को अविलंब चालू करने की मांग की है।

चाल्हो पहाड़ का प्राकृतिक झरना बना आकर्षण

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड की खिरियावां पंचायत में बरियावां और गया जिले की सीमा पर स्थित चाल्हो पहाड़ का प्राकृतिक झरना अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। बरसात में पहाड़ से बहती जलधारा और हरी-भरी वादियां पर्यटकों व प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करती हैं। क्षेत्र में पक्की सड़क न होने के कारण पर्यटकों को वाहन बरियावां में छोड़कर पैदल आना पड़ता है। फिर भी यहां पिकनिक मनाने वालों की भीड़ जुटती है। स्थानीय निवासी निखिल सिंह, विवेक कुमार, अरविंद सिंह और समाजसेवी रंजीत कुमार यादव ने कहा कि इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। ग्रामीणों ने सरकार से विकास की मांग की है।

केशहर नदी का जर्जर पुल दुर्घटनाओं को न्योता

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड के शिवगंज के समीप मदाड़ (केशहर) नदी पर बना पुल पिछले एक दशक से अत्यंत जर्जर स्थिति में है। इससे शिवगंज, बड़ी एरकी और भोला बिगहा सहित आसपास के ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो रहा है। ग्रामीण प्रमोद सिंह और सुबोध सिंह ने बताया कि जर्जर पुल के कारण लोग नदी के नीचे से गुजरने को मजबूर हैं, जो बारिश के दिनों में जलजमाव के कारण जानलेवा हो जाता है। पुल से रोजाना सैकड़ों ग्रामीणों और स्कूली बच्चों का आना-जाना होता है। रात में कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुल की शीघ्र मरम्मत या नए पुल के निर्माण की मांग की है।

शहीद जयंत सिंह की याद में बनेगा 'स्मृति द्वार'

अंबा (औरंगाबाद)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बीएसएफ जवान शहीद जयंत सिंह की याद में एरका कॉलोनी के समीप मुख्य मार्ग पर 'स्मृति द्वार' बनाया जाएगा। 23 वर्षों तक सीमा सुरक्षा बल में सेवा देने वाले जयंत सिंह के अंतिम संस्कार के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने यह मांग उठाई थी। ग्रामीणों का मानना है कि यह द्वार युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करेगा। विधायक प्रतिनिधि सौरभ पाठक ने बताया कि विधायक के निर्देश पर जल्द ही जिलाधिकारी को निर्माण का आधिकारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। प्रशासनिक स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा, जो पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय होगा।

दिव्यांगजनों को उपलब्ध करवाया जाएगा सहायक उपकरण

औरंगाबाद। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निदेशनुसार शुक्रवार को उप विकास आयुक्त कुमारी अनुपम सिंह की अध्यक्षता में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राप्त आवेदनों की विस्तृत समीक्षा करते हुए समिति द्वारा कुल 29 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत आवेदनों में 09 व्हीलचेयर, 09 वैशाखी, 08 ट्राईसाइकिल, 02 श्रवण यंत्र तथा 01 फोल्डेबल वॉकर शामिल हैं। सभी स्वीकृत सहायक उपकरण निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनके दैनिक जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाया जा सके।बैठक के दौरान दिव्यांगजनों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सहायक उपकरण उपलब्ध कराने तथा पात्र लाभार्थियों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बिरसा चौक से विधानसभा घेराव मार्च के दौरान झड़प, पुलिस ने स्याही फेंकने वाले युवक को हिरासत में लिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा गड़बड़ी मामले के विरोध में आंदोलन कर रहे झारखंड के छात्रों के समर्थन में वामदलों और जनवादी संगठनों के छात्र संगठन शुक्रवार को झारखंड विधानसभा का घेराव किया।

पुलिस सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के बीच एआइएसए की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा के नेतृत्व में तमाम वामपंथी जनवादी संगठन विधानसभा की ओर बढ़े। विधानसभा मार्च के क्रम में एक युवक ने नेहा बोरा पर स्याही फेंकने की कोशिश की। स्याही फेंकने वाले युवा की आईसा के छात्रों ने पिटाई कर दी। हालांकि पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। युवक को भीड़ से निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

दरअसल, 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा गड़बड़ी मामले के विरोध में आंदोलन कर रहे झारखंड के छात्रों के समर्थन और झारखंड में क्लस्टर सिस्टम को समाप्त करने, छात्रों की लंबित छात्रवृति भुगतान की मांग को लेकर रांची के बिरसा चौक से एआइएसए, एसएफआइ, एआइएसएफ समेत दूसरे जनवादी छात्र एवं युवा संगठनों ने विधानसभा घेराव मार्च किया। हां बड़ी संख्या में पुलिस सुरक्षाकर्मियों और पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में शुरू हुआ यह मार्च जैसे ही शहीद मैदान के पास पहुंचा, भीड़ से एक युवक ने आकर मार्च का नेतृत्व कर रही एआइएसए की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा पर स्याही फेंकने की कोशिश की। इस दौरान एआइएसए और अन्य छात्र संगठनों के नेताओं ने उस युवक की जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उस युवक को बचाया और उसे अपने साथ थाने ले गई।

एनटीपीसी बड़कागांव पकरी-बरवाडीह को बेहतर कोयला खनन के लिए मिली 5 स्टार रेटिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। एनटीपीसी बड़कागांव पकरी-बरवाडीह को देशभर में बेहतर खनन के लिए 5 स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। रेटिंग मिलने पर एनटीपीसी परिवार उत्साहित है। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में भी देश के सतत विकास में हजारीबाग का ओपन कास्ट कोयला खदान महत्वपूर्ण योगदान देगा। बड़कागांव का पकरी-बरवाडीह में देश की मिनी रत्न कंपनी एनटीपीसी कोल उत्खनन का काम कर रही है। यहां का कोयला देश के कई ऊर्जा संयंत्र तक पहुंच रहा है। पकरी-बरवाडीह को सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल और जिम्मेदार खनन के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कोयला मंत्रालय के कोयला नियंत्रक कार्यालय (सीसीओ) की ओर से कंपनी की तीन ओपन कास्ट कोयला खदानों को फाइव स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। इनमें झारखंड की पकरी-बरवाडीह, ओडिशा की दुलंगा और छत्तीसगढ़ की तलाईपल्ली कोयला खदान शामिल हैं।

देशभर की फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त खदानों में झारखंड की पकरी-बरवाडीह कोयला खदान लगातार दूसरे वर्ष पहले स्थान पर रही। यह उपलब्धि सुरक्षित खनन, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक खनन प्रबंधन के क्षेत्र में एनटीपीसी माइनिंग के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्रः छात्रों के मुद्दे पर हंगामे की भेंट चढ़ा प्रश्नकाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन छात्रों के आंदोलन का मुद्दा सदन में छाया रहा। प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्ष ने जेपीएससी और दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हुए सरकार को घेरा। देखते ही देखते सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस शुरू हो गई और प्रश्नकाल हंगामे की भेंट चढ़ गया।

कोर्ट की निगरानी में सीबीआइ जांच की मांगः नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने छात्रों का मामला उठाते हुए बताया कि झारखंड में आयोजित कई प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी हुई है और छात्र सड़क पर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने सभी मामलों की कोर्ट की निगरानी में सीबीआई से जांच कराने की मांग की। विपक्षी विधायक इस मांग को लेकर वेल में पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष ने जेपीएससी पीटी परीक्षा रद्द करने और सीबीआइ जांच की मांग को लेकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। विधायकों ने रिपोर्टिंग टेबल थपथपाकर भी अपना विरोध जताया। भारी हंगामे के कारण सदन में प्रश्नकाल की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी।

गढ़वा के जंगलों में पहुंचा हाथियों का झुंड, ग्रामीणों में दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। झारखंड-छत्तीसगढ़ सड़क एनएच 343 पर इन दिनों हाथियों के झुंड को आसानी से विचरण करते हुए देखा जा सकता है। साथ ही रंका वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। खुथवाटाड़ क्षेत्र तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 343 से सटे जंगलों में लगभग 20 से 30 जंगली हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। हाथियों की गतिविधियां अब जंगलों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वे गांवों की सीमा तक पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल है।

ग्रामीणों ने खुद संभाली सुरक्षा की जिम्मेदारी

आलम यह है कि वन क्षेत्र से सटे गांवों के लोग, दिन रात दहशत के साये में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। किसान अपने खेतों में जाने से डर रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग 343 से गुजरने वाले राहगीर भी हाथियों की मौजूदगी की खबर मिलने पर सतर्क होकर यात्रा करने को मजबूर हैं।

हाथियों के लगातार बढ़ते खतरे के बीच ग्रामीणों ने अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद संभाल ली है। गांव के युवा रातभर मशाल जलाकर गांव की गलियों, खेतों और सीमावर्ती इलाकों में पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों की मानें तो हाथियों की समस्या कोई नई नहीं है। सालों से वन क्षेत्र के आसपास बसे गांव इस संकट का सामना कर रहे हैं। उनका आरोप है कि वन विभाग की ओर से केवल आश्वासन दिया जाता है लेकिन स्थाई समाधान की दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए।

बनाई गई है क्यूआरटीः जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी

इस संबंध में जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी एबिन बेनी अब्राहम ने बताया कि रंका के खुथुवा मोड़ सहित कई गांव में हाथियों के झुंड को देखा गया है, जिसे लेकर वन विभाग की क्यूआरटी बनाई गई है। इसके साथ ही ग्रामीणों से वन विभाग अपील कर रहा है कि जहां भी हाथियों का झुंड दिखे, वन विभाग को तुरंत सूचित करें और सतर्क रहें।

टाटीझरिया में मिला खजाना, घर गिरने के बाद अति प्राचीन चांदी के सिक्के

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर टाटीझरिया प्रखंड के अमनारी गांव के एक घर में खजाना मिला है। इस खजाने की चर्चा पूरे जिले में हो रही है। यह लोगों के बीच कौतूहल का विषय बन गया है कि आखिर मिट्टी के घर में इतना बड़ा खजाना कहां से आया है। वहीं मामले में गृह स्वामी का कहना है कि यह उनकी पुश्तैनी संपत्ति है। इसके पीछे कुछ मान्यताएं भी हैं। यही कारण है कि 24 घंटे से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी घर के किसी भी व्यक्ति ने चांदी के सिक्के को छुआ तक नहीं है। टाटीझरिया प्रखंड का अमनारी गांव की चर्चा हजारीबाग में सुबह से ही हो रही है। जानकारी के अनुसार लगातार बारिश के बाद गांव के एक पुराने घर की मिट्टी की दीवार ढह गई। दीवार ढहने के बाद दीवार के अंदर चुनवाकर रखा गया कलश फूट गया और उसके अंदर रखे चांदी के सिक्के मलबे के ऊपर बिखर गए। सिक्कों की चमक देखते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और खबर पूरे इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गई। अमनारी निवासी बैजू महतो का पुराना मिट्टी का मकान बारिश के चलते कमजोर होकर शुक्रवार सुबह अचानक ढह गया। बैजू महतो का परिवार फिलहाल पास में ही पक्के के मकान में रहता है। पुराना मिट्टी का घर गिरते ही दीवार के आले में रखा एक मिट्टी का कलश टूट गया और उसमें रखे लगभग 300 से अधिक चांदी के सिक्के जमीन पर बिखर गए। परिजनों को जब इसकी भनक लगी, तो वे भी अवाक रह गए। बैजू महतो के बेटे नंद किशोर प्रसाद ने बताया कि यह उनके परिवार की संपत्ति है। यह घर लगभग 200 साल पुराना है। उनके पिता की उम्र लगभग 91 वर्ष है। उन्होंने बताया कि जो घर गिरा है वह चार पीढ़ी पहले का है। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी दीवार गिरने से चांदी के सिक्के मिले थे, लेकिन इस बार भारी मात्रा में चांदी के सिक्के मिले हैं।

चतरा में छात्र ने बनाया रिमोट से संचालित हाइवा का मॉडल, हादसों को रोकने में होगा कारगर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। सड़क पर आए दिन हाइवा और भारी वाहनों की चपेट में आकर बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है। सड़क हादसों की बढ़ती घटनाओं ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इन्हीं दर्दनाक हादसों को देखते हुए चतरा जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड मुख्यालय के बैंक चौक निवासी, +2 जनता उच्च विद्यालय पत्थलगड़ा के दसवीं कक्षा के छात्र रोशन प्रसाद कुशवाहा ने अनोखी तकनीक तैयार की है। छात्र ने एक ऐसा रिमोट से संचालित हाइवा (डंप ट्रक) मॉडल तैयार किया है, जिसका उद्देश्य भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और लोगों की जान बचाना है।

दुर्घटना की आशंका होने पर मिलेगी चालक को सूचना

रोशन प्रसाद का यह मॉडल केवल एक प्रदर्शनी का खिलौना नहीं, बल्कि आधुनिक सुरक्षा तकनीकों से लैस एक प्रयोगात्मक वाहन है। इसमें दुर्घटना की आशंका होने पर चालक को पहले से चेतावनी देने, वाहन के आसपास मौजूद लोगों के होने और भविष्य में स्वतः ब्रेक लगाने जैसी तकनीकों की अवधारणा शामिल की गई है। मॉडल को देखकर क्षेत्र के सामाजिक लोगों ने भी छात्र की प्रतिभा की सराहना की। रोशन ने बताया कि चतरा में लगातार हो रहे सड़क हादसों और हाइवा की चपेट में लोगों की मौत की खबरों ने उसे झकझोर दिया। इसी कारण उसने ऐसा मॉडल तैयार करने का निर्णय लिया, जो भविष्य में वास्तविक वाहनों में लागू होकर दुर्घटनाओं को कम करने में मददगार साबित हो सके।

नशा मुक्त समाज के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएंगे रोटेरियन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नगर के पोस्टमार्टम रोड स्थित संजीवन हॉस्पिटल में रोटरी क्लब आफ नवादा और प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार की देर शाम नशा मुक्ति महाअभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। रोटरी क्लब आफ नवादा के प्रेसीडेंट नीरज कुमार लोहानी के नेतृत्व में प्रबुद्धजनों ने नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा ली। महाअभियान में ब्रह्माकुमारी बहन ज्योतिका ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में जागरूक नागरिकों की भूमिका के सहयोग की अपील की और कहा कि नशा मुक्ति समाज के निर्माण में रोटेरियन अग्रणी भूमिका निभाएं। ब्रह्माकुमारी बहन बबीता ने बताया कि प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय

विश्वविद्यालय द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 30,166 जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। करीब 3.63 करोड़ नागरिकों को इन कार्यक्रमो से लाभ मिला है और करीब 3.19 करोड़ से अधिक लोगों ने नशामुक्ति की प्रतिज्ञा ली है। वर्तमान में छह से 20 अगस्त कर नशा मुक्ति महाअभियान संचालित किया जा रहा है, जिसमें नशा मुक्त परिवार के साथ एक नशा मुक्त समाज निर्माण पर जोर है। कार्यक्रम में क्लब के सेक्रेटरी प्रह्लाद कुमार, डा. मनोज कुमार, डा. पिंकी बरनवाल, आर पी साहू, राजेन्द्र प्रसाद, नित्यानंद प्रसाद, शंभु कुमार, डा. पुष्कर चन्द्रा, रीता कुमारी, नागेन्द्र प्रसाद 'नवीन', अविनाश चन्द्रा गुप्ता, मनोज कुमार एलआईसी, आदित्य कुमार समेत अन्य रोटेरियन उपस्थित रहे।

बच्चों को महिला सुरक्षा, मानव तस्करी एवं बंधुआ मजदूरी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। औरंगाबाद पुलिस एवं दीप ज्योति कल्याण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 6 अगस्त 2026 को कासमा थाना के अन्तर्गत सरावक हाई स्कूल के बच्चों को महिला सुरक्षा, मानव तस्करी एवं बंधुआ मजदूरी के विरुद्ध विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कासमा थाना एस आई नेहा रंजन ने की उन्होंने उपस्थित बच्चों को मानव तस्करी की रोकथाम, इसके दुष्परिणाम तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया,एस आई बिट्टू कुमार ने "ऑप्रेसन विधि पालक" पुलिस दीदी टिम का गठन के उद्देश्य की जानकारी देते हुए महिलाओं की सुरक्षा, उनके कानूनी अधिकारों तथा किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में बिना डर के पुलिस से संपर्क करने की अपील की। इस अवसर पर दीप ज्योति कल्याण संस्थान की ओर से जिला समन्वयक रितेश कुमार ने बंधुआ मजदूरी के कारणों, इसके दुष्प्रभावों तथा इससे बचाव एवं सरकारी सहायता योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी, सी एस डबल्यू सरिता कुमारी एवं बिन्दु कुमार ने बताया कि शोशल मिडिया से प्रभावित होकर हमारे बच्चे दिगभ्रमित हो रहे हैं तथा बच्चों को हेल्प लाइन नंबर की जानकारी एवं गुड टच, बैड टच की जानकारी विस्तार पूर्वक दी इस कार्यक्रम में शिक्षक दिनेश्वर दास ने बताये गये उक्त बातों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की इस कार्यक्रम में सिपाही रूपा कुमारी, पुजा कुमारी , शिवकान्त कुमार एवं शिक्षक अरूण कुमार, रौशन कुमार, अंजली रंजना, प्रियंका कुमारी, संगीता कुमारी आशिष कुमार आदि शामिल रहे।

धान की फसल को कीटों से सुरक्षित रखें किसान : डॉ. आदित्य पटेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। धान बिहार की प्रमुख खाद्यान्न फसल होने के साथ राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य के लगभग सभी जिलों में इसकी खेती की जाती है। वहीं रोहतास जिले में धान की अधिक पैदावार होने के कारण इसे 'धान का कटोरा' भी कहा जाता है। धान की फसल को विभिन्न कीटों के प्रकोप से काफी नुकसान होता है। समय पर कीटों की पहचान और नियंत्रण नहीं होने पर उपज में 20 से 40 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है।

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार, सासाराम के अंतर्गत संचालित नारायण कृषि विज्ञान संस्थान के कीट विज्ञान विभाग के सहायक प्राचार्य डॉ. आदित्य पटेल ने धान में लगने वाले प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रबंधन के संबंध में किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी है। डॉ. पटेल के अनुसार धान की फसल को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों में तना छेदक शामिल है। यह कीट धान के तने में सुरंग बनाकर उसे अंदर से खोखला कर देता है। फसल की प्रारंभिक अवस्था में इसके प्रकोप से 'डेड हार्ट' तथा दाना बनने के समय 'व्हाइट हेड' की समस्या दिखाई देती है।

इसी तरह पत्ती लपेटक की सुंडियां धान की पत्तियों को लपेटकर अंदर से खाती हैं। इससे पत्तियां सूखने लगती हैं और प्रकाश संश्लेषण

की प्रक्रिया प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि रस चूसने वाले कीटों में गंधी कीट, भूरा तना फुदका एवं गंधक फुदका प्रमुख हैं। भूरा तना फुदका पौधों के तनों से रस चूसकर उन्हें कमजोर कर देता है। अधिक प्रकोप होने पर पूरा खेत झुलसा हुआ दिखाई दे सकता है। वहीं गंधी कीट धान में दूधिया दाने बनने के समय प्रकोप करता है। यह दानों का रस चूसता है, जिससे दाने अधपके और सफेद हो सकते हैं तथा खेत से दुर्गंध भी आने लगती है। डॉ. पटेल ने बताया कि इन कीटों से बचाव के लिए समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) पद्धति अपनाना सबसे प्रभावी उपाय है। किसानों को समय पर धान की बुआई करने और कीट-प्रतिरोधी किस्मों का चयन करने की सलाह दी गई है। उचित दूरी पर रोपाई करने से खेत में हवा का आवागमन बेहतर रहता है और कीटों के प्रकोप को कम करने में मदद मिलती है। खेत में खरपतवार नहीं पनपने देना चाहिए। पत्ती लपेटक और तना छेदक के अंडों को दिखाई देने पर हाथ से नष्ट किया जा सकता है। जैविक नियंत्रण के लिए ट्राइकोग्रामा जैसे परजीवी कीट का उपयोग तना छेदक के प्रबंधन में प्रभावी हो सकता है। नीम आधारित कीटनाशी अजाडिरैक्टिन का भी उपयोग किया जा सकता है।

रासायनिक नियंत्रण के संबंध में डॉ. पटेल ने बताया कि तना छेदक एवं पत्ती लपेटक के नियंत्रण के लिए फिप्रोनिल 0.3 प्रतिशत या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड जैसे अनुशंसित कीटनाशकों का उपयोग किया जा सकता है। गंधी कीट के नियंत्रण के लिए फिप्रोनिल या इमिडाक्लोप्रिड तथा भूरा तना फुदका के प्रकोप की स्थिति में इथोफेनप्रॉक्स या बुप्रोफेजिन का उपयोग किया जा सकता है। किसानों को किसी भी कीटनाशक का प्रयोग कृषि विभाग/कृषि विशेषज्ञ की अनुशंसा और उत्पाद के लेबल पर दिए निर्देशों के अनुसार ही करना चाहिए। डॉ. पटेल ने किसानों से नियमित रूप से खेत का निरीक्षण करने और कीटों की शुरुआती अवस्था में ही पहचान कर नियंत्रण के उपाय अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समेकित कीट प्रबंधन तकनीकों को अपनाकर धान की फसल को होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इससे किसानों की उपज और आय सुरक्षित रखने के साथ बिहार में खाद्यान्न उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा।

नारायण मेडिकल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जमुहार, सासाराम के शिशु रोग विभाग के तत्वावधान में विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सकों ने नवजात शिशुओं के लिए केवल मां का दूध पिलाने के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में शिशु रोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मणिकांत कुमार, प्रो. डॉ. ओपी सिंह एवं डॉ. मोनिका सिंह ने स्तनपान के महत्व पर अपने विचार रखे। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'जो काम कर रहा है, उसे मजबूत करें' रखी गई है। वक्ताओं ने इसी विषय के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/28, दिनांक : 05.08.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे के तहत वाणिज्यिक प्रचार का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी कैटलॉग का विवरण निम्नानुसार हैः **कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-28, नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 20.08.2026 को 13.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. और विवरण** निम्नानुसार हैः **एए/1:** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडीसी-ओएच-2-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), हावड़ा मंडल के क्लस्टर-II के अंतर्गत स्टेशनों (बैण्डेल स्टेशन से गरिफा स्टेशन और आदिसप्तग्राम स्टेशन से पलसिट स्टेशन तक) के आउट ऑफ होम (स्टेशन परिसर के बाहर) में वाणिज्यिक प्रचार की प्रदर्शनी के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **एबी/1,** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीएसएई-ओएसएन-21-24-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)], तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के क्लस्टर-VI के तहत स्टेशनों (बाँशबेड़िया स्टेशन से आजिमगंज स्टेशन तक) के स्टेशन परिसर के अंदर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। प्रत्याशित बोलीदाताओं को विस्तृत विवरण के लिए ई-ऑक्शन मॉड्यूल के माध्यम से आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने का अनुरोध किया जाता है। HWH-254/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सड़क हादसा के बाद फूटा लोगों का गुस्सा

☐गुस्साये लोगों ने वाहनें फूंकी ☐सीसीटीवी कैमरों को किया क्षतिग्रस्त ☐ग्रामीणों और पुलिस के बीच पत्थरबाजी ☐पूरे इलाके में माहौल तनावपूर्ण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना सिटी के बाईपास थाना क्षेत्र में सड़क हादसे के बाद शुक्रवार को स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हादसे में तकिया गांव निवासी मनीष की मौत की खबर से आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-30 पर जाम लगा दिया और सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन ने उग्र रूप ले लिया और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

आक्रोशित लोगों ने सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद उपद्रवियों ने जिला प्रशासन के करीब पांच वाहनों में आग लगा दी, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। वाहनों से उठता धुआं और सड़क पर जमा भीड़ के कारण पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाकर सड़क जाम हटाने का प्रयास किया। इसी दौरान कुछ लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस और उपद्रवियों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। हालात को काबू करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य माध्यमों से जांच की जा रही है।

फिलहाल, एनएच-30 पर यातायात व्यवस्था को सामान्य कराने और स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद है।

अलग-अलग वज्रपात से दंपत्ति सहित चार की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में लगातार हो रही बारिश के बीच आकाशीय बिजली लोगों पर कहर बनकर टूट रही है। गुरुवार को हजारीबाग और चतरा जिले में वज्रपात की अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटनाओं के बाद प्रभावित परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव में धान के खेत में काम कर रहे दंपती पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में 51 वर्षीय बसुदेव महतो और उनकी 48 वर्षीय पत्नी दुलिया देवी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों की जान जा चुकी थी।

इसी जिले के बरकठा थाना क्षेत्र के चौथा गांव में भी वज्रपात की चपेट में आने से 50 वर्षीय बसवा देवी की मौत हो गई। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

चतरा जिले के पिपरवार थाना क्षेत्र में भी आकाशीय बिजली गिरने से 25 वर्षीय पवन कुमार महतो की मौत हो गई। वह कल्याणपुर बाजार से अपने गांव हफुआ लौट रहे थे, तभी रास्ते में वज्रपात की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, खेत और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की अपील की है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों का हंगामा

बांका। लकड़ीकोला स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में कथित रूप से हिडन कैमरा लगाए जाने और छात्राओं के निजी वीडियो प्रसारित होने की सूचना के बाद गुरुवार को पूरे कैंपस में हड़कंप मच गया। घटना के बाद छात्राओं और छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और देर रात 12 बजे तक कॉलेज परिसर में जोरदार हंगामा होता रहा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देर रात ही एसडीओ राजकुमार, अंचलाधिकारी (सीओ) प्रत्यक्ष झा और टाउन थानाध्यक्ष सुधीर कुमार भारी पुलिस बल के साथ कॉलेज पहुंचे और आंदोलित विद्यार्थियों से बातचीत कर जांच का आश्वासन दिया। गर्ल्स हॉस्टल के बाथरूम में हिडन कैमरा लगाकर आपत्तिजनक वीडियो बनाने और उसे शेयर करने की चर्चा के बाद कॉलेज प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने अब तक वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। प्राचार्य ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए 9 सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। इसके साथ ही प्राथमिक संलिप्तता के आधार पर एक छात्र और एक छात्रा को हॉस्टल से निष्कासित कर दिया गया है।

दो अखाड़ों के बीच चले लाठी-डंडे

पुलिस ने भी चटकायीं लाठियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। चेहल्लुम का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद अंतिम पड़ाव पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। जुलूस में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अखाड़ों को सम्मानित किए जाने के दौरान मुर्गियाचक और हजरतगंज अखाड़ा समिति के सदस्यों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई और दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर लाठियां बरसाने लगे।

घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हालात बिगड़ते देख मौके पर तैनात पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठियां भांजीं, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर किया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झड़प में दोनों पक्षों के कुछ लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए शहर के निजी क्लीनिकों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक घायलों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि नहीं की गई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दो दिन पुराना है, जिसमें दोनों पक्षों के लोगों को लाठियों से एक-दूसरे पर हमला करते और पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करते देखा जा सकता है।

खाद विक्रेताओं पर प्रशासन की रहेगी नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा (नालंदा)। खरीफ मौसम में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने को लेकर शुक्रवार को नगरनौसा प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड क्षेत्र में खाद की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए बीएओ पंकज कुमार भारती ने बताया कि प्रखंड में किसानों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कोई उर्वरक विक्रेता खाद की कालाबाजारी करता है, कृत्रिम संकट उत्पन्न करता है या निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलता है, तो उसके विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने किसानों से अपील की कि खाद खरीदते समय निर्धारित मूल्य की जानकारी अवश्य लें तथा प्रत्येक खरीद पर रसीद प्राप्त करें। यदि कोई दुकानदार निर्धारित दर से अधिक राशि की मांग करता है या किसी प्रकार की अनियमितता करता है, तो उसकी लिखित शिकायत संबंधित पंचायत के किसान समन्वयक को दें, ताकि जांच कर दोषी विक्रेता के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा सके।बैठक में किसानों के हितों की रक्षा, उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने तथा कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए समिति के सदस्यों ने भी अपने सुझाव दिए। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक किसान को समय पर और उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध हो तथा किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीपीओ को हॉकी एवं लाठी-डंडों से धूना

हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सनदियां-रतनपुर ओवरब्रिज के समीप चार पहिया गाड़ी पर सवार हमलावरों ने शिक्षा विभाग के डीपीओ (जिला कार्यक्रम पदाधिकारी) एवं दो अन्य कर्मियों पर जानलेवा हमला कर दिया। हॉकी एवं लाठी-डंडे से किए गए हमले में डीपीओ समेत तीनों को चोटें आई हैं। हमलावरों ने उनकी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई।

कार को भी किया क्षतिग्रस्त

पुलिस अजीमाबाद थाना के ताराचक निवासी शिक्षक राजीवर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि प्रमाण पत्र जांच को लेकर विवाद की बात सामने आई है।

घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। जानकारी के अनुसार, सर्व शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राहुल कुमार दो अन्य कर्मियों के साथ कार्यालय से कार पर सवार होकर आरा-सलेमपुर रोड के रास्ते जा रहे थे।

इसी दौरान सनदिया-रतनपुर ओवरब्रिज के समीप एक कार सवार चार-पांच लोगों ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया। इसके बाद आधा दर्जन से अधिक लोगों ने अचानक हॉकी, लाठी-डंडे से हमला कर दिया।

हमले में डीपीओ समेत तीनों लोग घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख हमलावर कार से फरार हो गए। घटना में घायल प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के एक कर्मी को गंभीर चोटें आने पर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल कर्मियों ने बताया कि हमलावरों ने जान मारने की नीयत से हमला किया था। अचानक हुए हमले से वे लोग संभल भी नहीं पाए। स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह उनकी जान बची।

घटना के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के कर्मी समेत अन्य अधिकारी मुफस्सिल थाना पहुंच गए। कर्मियों ने घटना में शामिल हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी मानवेंद्र कुमार राय भी थाना पहुंचे। उन्होंने बताया कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राहुल कुमार अपने दो अन्य कर्मियों के साथ कार्यालय से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उन पर जानलेवा हमला किया गया। हमले में डीपीओ समेत तीनों को चोटें आई हैं और उनका इलाज कराया जा रहा है।

सड़क पर धान रोपकर जताया जलभराव का विरोध

सड़कों और गलियों में घुटनों तक पानी जमा

नवबिहार टाइम्स संवादाता

मोकामा। पटना जिले के मोकामा नगर परिषद अंतर्गत वार्ड संख्या 1 और 2 के पाठक गाछी जाने वाली मुख्य सड़क और मोहल्ले की गलियों की मौजूदा बदहाल स्थिति के विरोध का अनोखा तरीका है। यहां जलजमाव की समस्या से दोनों वार्डों के लगभग 50 घरों के लोग परेशान हैं। सड़कों पर पानी भर जाने से स्थानीय लोगों का रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो गया है, मरीजों को घर से बाहर ले जाना कठिन हो गया है और लोगों को हर दिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कों और गलियों में घुटनों तक पानी जमा है। आवागमन की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने पर स्थानीय लोगों ने लकड़ी और बांस से अस्थायी 'चचरी पुल' बनाकर आने-जाने की व्यवस्था की है।पानी में जहरीले कीड़े-मकोड़ों, करंट लगने के खतरे के साथ-साथ डेंगू और डायरिया जैसी बीमारियों का भी डर लोगों को सता रहा है। बताया जा रहा है कि पूरे नगर परिषद क्षेत्र में बुडको द्वारा लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से नाला निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन लगभग हर वार्ड में काम अधूरा छोड़ दिए जाने से जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गिरोह के नौ गिरफ्तार

9 लैपटॉप और 40 से 50 एटीएम कार्ड बरामद

अमेरिकी ग्राहकों को सबसे अधिक बनाते थे निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गयाजी शहर में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। रामपुर थाना क्षेत्र के मुक्ति मुनि अपार्टमेंट में कथित तौर पर संचालित इस गिरोह का नेटवर्क अमेरिका समेत कई देशों और भारत के अलग-अलग राज्यों तक फैला हुआ था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों का डेटा हासिल कर उन्हें साइबर ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस को आशंका है कि गिरोह अब तक करोड़ों रुपये की ठगी कर चुका है।

वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस को साइबर ठगी गिरोह के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर रामपुर थाना क्षेत्र के व्हाइट हाउस कंपाउंड, रोड नंबर-6 स्थित मुक्ति मुनि अपार्टमेंट में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान नौ संदिग्ध साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरोह फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से खरीदारी करने वाले ग्राहकों का डेटा हासिल करता था।

इसके बाद इसी डेटा के आधार पर ग्राहकों को निशाना बनाकर ठगी की जाती थी। गिरोह के सबसे बड़े निशाने पर अमेरिका के ग्राहक रहते थे, जबकि भारत के कई राज्यों में भी इसका नेटवर्क सक्रिय था।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपितों के पास से नौ लैपटॉप, करीब 40 से 50 एटीएम कार्ड, कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। बरामद डिजिटल उपकरणों और अन्य सामान की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस का मानना है कि जब्त किए गए लैपटॉप और डिजिटल उपकरणों की जांच से साइबर ठगी के कई मामलों और गिरोह के नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि गिरोह के सदस्य गयाजी को अपनी साइबर गतिविधियों के लिए सुरक्षित ठिकाने के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। आरोपित यहीं से बैठकर देश-विदेश में ऑनलाइन ठगी की गतिविधियों को संचालित करते थे।

पुलिस के अनुसार, यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय हो सकता है। प्रारंभिक जांच के आधार पर अनुमान है कि गिरोह ने करोड़ों रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दिया है। हालांकि, ठगी की वास्तविक रकम और नेटवर्क की पूरी जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नवेद अनवर, अफजल हुसैन, ओसामा परवेज, सदाशिव भान, इजमाम आलम, मो. सलमान, अदनान अहमद, जमील हुसैन और मो. शाहिद के रूप में हुई है। पुलिस सभी आरोपितों से लगातार पूछताछ कर रही है।

हटिया पहला स्टेशन हुआ एफआरएस से लैश

⇨गुमशुदा और भटके बच्चों की तलाश में करेगा मदद
⇨सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों पर रखेगी नजर
⇨कर्मियों को दिया जा रहा तकनीक का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हटिया। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अब तकनीक का इस्तेमाल और बढ़ाया जा रहा है। सामान्य सीसीटीवी कैमरों के साथ फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने में मदद करेगा।

रांची रेल मंडल में हटिया स्टेशन पहला स्टेशन है, जहां एफआरएस की सुविधा स्थापित की गई है। यहां छह एफआरएस कैमरे लगाए गए हैं। फिलहाल इन कैमरों से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद कुछ दिनों में इसकी सेवा शुरू होने की उम्मीद है।

एफआरएस शुरू होने के बाद सुरक्षा कर्मियों को स्टेशन परिसर से गुजरने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने में अतिरिक्त तकनीकी सहायता मिलेगी। इसके लिए सुरक्षा एजेंसियों के पास उपलब्ध संदिग्ध या आपराधिक तत्वों की तस्वीरों को सिस्टम में अपलोड किया जा सकता है।

कैमरे के सामने आने वाले चेहरे का उपलब्ध तस्वीरों से संभावित मिलान होने पर सुरक्षा कर्मियों को इसकी जानकारी मिल सकेगी। इसके बाद आरपीएफ आवश्यक जांच और सत्यापन के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

रेलवे स्टेशनों पर गुमशुदा और भटके हुए बच्चों की तलाश में सीसीटीवी पहले से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई मामलों में स्टेशन के कैमरों की रिकार्डिंग से बच्चों के आने-जाने की दिशा और उनके साथ मौजूद लोगों की पहचान में मदद मिलती है।

एफआरएस जैसी तकनीक इस निगरानी को और तकनीकी आधार दे सकती है। रांची रेल मंडल के स्टेशनों पर लगे सामान्य सीसीटीवी कैमरों की मदद से गुमशुदा बच्चों की तलाश, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और प्रतिबंधित या अवैध सामान की बरामदगी से जुड़े मामलों में आरपीएफ को सहायता मिलती रही है।

शराब और अन्य प्रतिबंधित सामान की तस्करी के मामलों में भी स्टेशन परिसर की निगरानी और सीसीटीवी फुटेज जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं।

रांची रेल मंडल में हटिया स्टेशन पर छह एफआरएस कैमरे लगाए जा चुके हैं। फिलहाल इन कैमरों और उससे जुड़ी प्रणाली के संचालन को लेकर संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण पूरा होने और तकनीकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुछ दिनों में एफआरएस सेवा शुरू किए जाने की तैयारी है।

एफआरएस के संचालन के बाद आरपीएफ को स्टेशन परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और निगरानी में अतिरिक्त मदद मिलेगी। खासकर पहले से उपलब्ध तस्वीरों वाले संदिग्ध या आपराधिक तत्व यदि कैमरे की निगरानी में आते हैं तो संभावित चेहरे के मिलान से सुरक्षा कर्मियों को आगे की जांच के लिए सुराग मिल सकता है।

फिलहाल रांची रेलवे स्टेशन पर एफआरएस की सुविधा नहीं लगाई जा रही है। रांची रेल मंडल में इसकी शुरूआत हटिया स्टेशन से हुई है। भविष्य में जरूरत और योजना के अनुसार मंडल के अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर भी इस तकनीक का विस्तार किया जा सकता है।

रांची स्टेशन पर सामान्य सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था पहले से मौजूद है। इसके माध्यम से स्टेशन परिसर की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ किसी घटना के बाद फुटेज की जांच की जाती है। एफआरएस के विस्तार के बाद इस व्यवस्था में चेहरे की पहचान से जुड़ी अतिरिक्त तकनीकी क्षमता जुड़ सकती है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सौंपा सात सूत्री मांग पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजी नगर। प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर शुक्रवार को शिवाजी नगर प्रखंड कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सात सूत्री मांग पत्र प्रखंड कार्यालय में सौंपा। प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रधान लिपिक की अनुपस्थिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में मांग पत्र जमा कराया।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बताया कि पार्टी की ओर से प्रत्येक माह प्रखंड कार्यालय में जनहित से जुड़ी मांगों को लेकर मांग पत्र सौंपा जाता है। इसी क्रम में शुक्रवार को भी सात सूत्री मांग पत्र कार्यालय में दिया गया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि क्षेत्र की जनता को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा आम लोगों की समस्याओं का समाधान कराने को लेकर कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रही है कार्यकताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि इन समस्याओं को प्रशासन के समक्ष उठाकर उनके शीघ्र समाधान की मांग की जा रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी हमेशा जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देती है और आम लोगों की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रखंड कार्यालय में मांग पत्र सौंपते हुए सातों मांगों पर प्रशासन से गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मामलों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को सकारात्मक पहल करनी चाहिए, ताकि ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सके मौके पर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, राधाकांत कुमार, बाबू साहेब कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने कहा कि आने वाले दिनों में भी जनता की समस्याओं को लेकर पार्टी की ओर से नियमित रूप से आवाज उठाई जाएगी।

चालक समुदाय की पहल बनी मानवता की मिसाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। कौआकोल थाना क्षेत्र के मधुरापुर गांव निवासी ट्रक चालक रामलखन यादव उर्फ पुरैल यादव की एक जुलाई को दिल्ली में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया।

चालक की वेवा को किया आर्थिक सहयोग

घटना के बाद वाहन चालकों ने एकजुटता का परिचय देते हुए मृतक के परिवार के लिए 17,79,384 रुपये की सहायता राशि जुटाई। यह राशि करीब 800 वाहन चालकों के सहयोग से एकत्र की गई।

जय बजरंगबली ड्राइवर व्हाट्सएप ग्रुप के मीडिया प्रभारी मुंद्रिका मुसाफिर ने बताया कि सहयोग राशि ऑनलाइन माध्यम से मृतक की पत्नी और अन्य स्वजन के बैंक खाते में भेज दी गई।इस सहायता अभियान को सफल बनाने में गोपाल कुमार, मुकेश कुमार यादव, रामबालक यादव, अजय यादव, जयपाल यादव, उमेश यादव और कौशल कुमार उर्फ छोटू सहित कई वाहन चालकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। नवादा, जमुई और शेखपुरा के चालकों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

स्व. यादव अपने पीछे पत्नी भगिया देवी, दो पुत्र और दो पुत्रियों सहित चार बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं। वे परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे, जिसके कारण उनकी मृत्यु के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था।

वाहन चालकों की इस सामूहिक पहल की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि जरूरत की घड़ी में इस तरह का सहयोग सामाजिक एकजुटता, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं का प्रेरणादायक उदाहरण है।

वर्षों से अधिग्रहित जमीन पर स्टेडियम का निर्माण शुरू हो : कांग्रेस

वर्षों पूर्व हुआ था 13 एकड़ जमीन का अधिग्रहण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। अति प्राचीन, अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपना स्थान रखने वाला गयाजी शहर में वर्षों से प्रस्तावित एवं भूसनडा पशु मेला मैदान में स्टेडियम सह एथिलेटिक्स कॉम्प्लेक्स हेतु अधिग्रहित 13 एकड़ जमीन में अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से छात्र, युवा एवं आमजनों में भारी निराशा है।

बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, इंटक के जिला महासचिव टिंकू गिरी, बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, रंजीत सिंह, चंदन कुमार कुशवाहा, अमर सिंह सिरमौर आदि ने कहा कि बिहार की राजधानी पटना के बाद सूबे के सबसे महत्त्वपूर्ण गया जिला मुख्यालय में अभी कोई भी बेहतर स्टेडियम नहीं है। पहले से निर्मित हरिहर सुब्रमण्यम स्टेडियम गांधी मैदान पूरी तरह जर्जर हो गया है। इसके जर्जर होने के कारण ही 2015 में मानपूर के भूसनडा पशु मेला में 13 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होने के बाद तत्कालीन जिलाधिकारी अभिषेक सिंह के समय में इसमें काम लगाने हेतु 05 लाख अग्रिम भी दिया गया था, परंतु आज तक इसका निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। इस सम्बंध में स्थानीय सांसद, विधायक भी कोई कारगर प्रयास नहीं कर रहे हैं । नेताओं ने कहा कि गयाजी के मानपूर में स्टेडियम बनने से यहां के छात्र, युवा एवं आमजनों को काफी सहूलियत होगी।

लंबित कंडिकाओं के त्वरित निष्पादन के लिए वित्त विभाग बनेगा नोडल विभाग

लोक लेखा समिति की बैठक में अहम फैसला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में लोक लेखा समिति की उच्चस्तरीय बैठक में वित्तीय अनुशासन और जवाबदेह प्रशासन को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया गया। लंबे समय से विभिन्न विभागों में लंबित कंडिकाओं और नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट में दर्ज आपत्तियों के शीघ्र निष्पादन के लिए वित्त विभाग को नोडल विभाग बनाने का फैसला किया गया। मुख्य भवन स्थित वाचनालय में आयोजित बैठक में स्पष्ट किया गया कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नियमित समीक्षा के माध्यम से लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में शिक्षा, उच्च शिक्षा, वाणिज्य-कर, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, परिवहन, नगर विकास एवं आवास, ग्रामीण विकास तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित लंबित कंडिकाओं और उपयोगिता प्रमाण-पत्रों पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट में उठाई गई आपत्तियों का समयबद्ध निष्पादन वित्तीय पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और सुशासन की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लंबित मामलों के कारणों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में तय किया गया कि वित्त विभाग सभी संबंधित विभागों और महालेखाकार कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित कर विभागवार समीक्षा करेगा तथा प्रभावी कार्ययोजना तैयार करेगा। लोक लेखा समिति की प्रत्येक बैठक से पहले वित्त विभाग संबंधित विभागों और महालेखाकार कार्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करेगा, ताकि लंबित आपत्तियों और कंडिकाओं का परीक्षण कर उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही निर्णय लिया गया कि बैठक में शामिल सभी नौ विभाग इसी महीने के अंत तक वित्त विभाग और महालेखाकार कार्यालय के साथ बैठक कर लंबित मामलों के समाधान की प्रक्रिया आगे बढ़ाएंगे। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने बताया कि लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्रों के संबंध में मुख्य सचिव स्तर पर लगातार समीक्षा बैठकें हो रही हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने विश्वास जताया कि इस नई व्यवस्था से वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों के समाधान में तेजी आएगी तथा सरकारी धन के उपयोग में जवाबदेही और वित्तीय अनुशासन और अधिक मजबूत होगा। बैठक में लोक लेखा समिति के सदस्य राणा रणधीर, उमेश सिंह कुशवाहा, मनोज कुमार, रत्नेश कुमार, विजय कुमार खेमका, डॉ. कुमार पुष्पंजय और सर्वेश कुमार, प्रधान महालेखाकार डॉ. संदीप राय, अपर मुख्य सचिव एच. आर. श्रीनिवास, प्रधान सचिव पंकज कुमार, प्रधान सचिव विनय कुमार, राज्य कर विशेष आयुक्त सत्येंद्र कुमार सिन्हा, सचिव सीमा त्रिपाठी, सचिव रचना पाटिल तथा विभिन्न विभागों और सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया खादी मॉल, पटना का भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज खादी मॉल, पटना का भ्रमण किया। इस अवसर पर बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह निदेशक, हस्तकरघा एवं रेशम, डॉ. विद्यानंद सिंह तथा पटना के जिलाधिकारी कुन्दन कुमार भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने खादी मॉल में प्रदर्शित बिहार के बुनकरों एवं कारीगरों द्वारा निर्मित खादी वस्त्र, हस्तशिल्प एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न उत्पादों की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया एवं स्थानीय शिल्पकारों के कार्यों की सराहना करते हुए खादी एवं हस्तकरघा उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार और उपयोग पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खादी और हस्तकरघा केवल वस्त्र नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आत्मनिर्भरता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। इनके संवर्धन से स्थानीय बुनकरों, कारीगरों एवं ग्रामीण उद्यमियों को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे तथा बिहार की पारंपरिक कला एवं शिल्प को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। इस अवसर पर बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह निदेशक, हस्तकरघा एवं रेशम, डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हमें अपने बुनकरों और कारीगरों के अथक परिश्रम एवं योगदान का सम्मान करने का अवसर प्रदान करता है। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड राज्य के खादी एवं हस्तकरघा क्षेत्र को आधुनिक बाजार, डिजिटलीकरण एवं बेहतर विपणन सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पटना एवं मुजफ्फरपुर स्थित खादी मॉल के माध्यम से बुनकरों, कतिनों, कारीगरों तथा ग्रामोद्योग से जुड़े उद्यमियों को अपने उत्पादों के विपणन के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध हो रहा है। वहीं पूर्णिया, दरभंगा एवं झंझारपुर में निर्माणाधीन खादी मॉल के प्रारंभ होने के बाद राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बुनकरों, कतिनों एवं शिल्पकारों को भी अपने उत्पादों की बिक्री के लिए व्यापक मंच उपलब्ध होगा। इससे उन्हें बेहतर मूल्य, अधिक रोजगार के अवसर तथा आर्थिक सशक्तिकरण प्राप्त होगा। साथ ही बिहार के खादी एवं हस्तकरघा उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने खादी मॉल में उपलब्ध विभिन्न उत्पादों की जानकारी प्राप्त की तथा बोर्ड द्वारा संचालित गतिविधियों एवं योजनाओं की भी समीक्षा की।

एसबीआई दिया ने रेलवे सैलरी पैकेज के अंतर्गत चार करोड़ 20 लाख का पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस क्लेम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व मध्य रेल द्वारा आयोजित विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में भारतीय स्टेट बैंक की ओर से रेलवे सैलरी पैकेज के अंतर्गत पांच लाभार्थियों को कुल 4 करोड़ 20 लाख की क्लेम राशि प्रदान की गई। दिवंगत खाताधारकों के नामांकित सदस्यों में सुनीता देवी, टुन्नी देवी, धनेश्वरी देवी तथा नीलमती देवी को एक-एक करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त खाताधारक आकाश कुमार को स्थायी आंशिक विकलांगता के अंतर्गत 20 लाख का पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस क्लेम प्रदान किया गया। क्लेम राशि का वितरण भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, पटना के उप महाप्रबंधक आलोक कुमार तथा पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। रेलवे सैलरी पैकेज भारत सरकार के रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने हेतु एसबीआई की एक महत्वपूर्ण एवं भरोसेमंद योजना है। आकस्मिक परिस्थितियों में यह योजना प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान कर कठिन समय में सहायता उपलब्ध कराती है।

एलआइसी की पहली तिमाही में दमदार प्रदर्शन, 22.81 प्रतिशत बढ़ा मुनाफा

नए व्यवसाय के मूल्य में 61.32 प्रतिशत की ऐतिहासिक छलांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर देश के जीवन बीमा क्षेत्र में अपनी निर्विवाद अग्रणी स्थिति साबित की है। बढ़ते प्रतिस्पर्धी माहौल के बावजूद निगम ने कर पश्चात लाभ, नए व्यवसाय के मूल्य, प्रीमियम आय, वार्षिकीकृत प्रीमियम समतुल्य और प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों सहित लगभग सभी प्रमुख वित्तीय संकेतकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। विशेष रूप से नए व्यवसाय के मूल्य में 61.32 प्रतिशत और कर पश्चात लाभ में 22.81 प्रतिशत की वृद्धि ने निगम की विकास रणनीति को नई मजबूती प्रदान की है। एलआईसी के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। इस अवधि में निगम का कर पश्चात लाभ बढ़कर 13,492 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 10,986 करोड़ रुपये था। कुल प्रीमियम आय 6.75 प्रतिशत बढ़कर 1,27,250 करोड़ रुपये पहुंच गई। व्यक्तिगत व्यवसाय की प्रीमियम आय 75,416 करोड़ रुपये तथा समूह व्यवसाय की प्रीमियम आय 51,834 करोड़ रुपये रही। प्रथम वर्ष प्रीमियम आय के आधार पर एलआईसी ने जीवन बीमा उद्योग में 60.10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अपना नेतृत्व कायम रखा। व्यक्तिगत व्यवसाय में उसकी बाजार हिस्सेदारी 38.89 प्रतिशत तथा समूह व्यवसाय में 70.90 प्रतिशत रही। पहली तिमाही में व्यक्तिगत व्यवसाय के अंतर्गत 31,02,281 पॉलिसियों का विक्रय किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.06 प्रतिशत अधिक है। वार्षिकीकृत प्रीमियम समतुल्य 8.22 प्रतिशत बढ़कर 13,692 करोड़ रुपये हो गया। इसमें व्यक्तिगत व्यवसाय का योगदान 7,532 करोड़ रुपये तथा समूह व्यवसाय का 6,160 करोड़ रुपये रहा। व्यक्तिगत व्यवसाय के अंतर्गत नॉन-पार उत्पादों का वार्षिकीकृत प्रीमियम समतुल्य 14.24 प्रतिशत बढ़कर 2,447 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि इसकी हिस्सेदारी बढ़कर 32.49 प्रतिशत हो गई। नए व्यवसाय का मूल्य 1,944 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,136 करोड़ रुपये हो गया, जो 61.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं शुद्ध नए व्यवसाय का मार्जिन 15.4 प्रतिशत से बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गया, जिसमें 750 आधार अंकों का सुधार दर्ज किया गया। सॉल्वेंसी अनुपात भी 2.17 से बढ़कर 2.42 हो गया, जबकि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां 4.10 प्रतिशत बढ़कर 59,39,384 करोड़ रुपये पहुंच गईं। एलआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरैस्वामि ने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद निगम ने व्यक्तिगत और समूह दोनों व्यवसायों में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी है। उन्होंने कहा कि नए व्यवसाय के मूल्य और मार्जिन में उल्लेखनीय वृद्धि उत्पाद विविधीकरण तथा वितरण रणनीति का परिणाम है। उन्होंने ग्राहकों, वितरकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा ऑफर फॉर सेल के माध्यम से 6.5 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी के विनिवेश को बाजार से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने नए और वर्तमान शेयरधारकों का स्वागत करते हुए कहा कि 1 सितंबर, 2026 को एलआईसी अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूरे करेगी और भविष्य में भी अभिनव उत्पादों तथा ग्राहकोन्मुखी पहलों के माध्यम से देशवासियों का विश्वास मजबूत करती रहेगी।

बी.डी. कॉलेज में राष्ट्रीय रसायन दिवस का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना के रसायन विभाग द्वारा राष्ट्रीय रसायन दिवस 2026 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय रसायन शास्त्र के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती के उपलक्ष्य में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिवाकर प्रसाद के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य पी.सी. राय को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात डॉ. वी.के. वर्मा (पूर्व कुलपति, मुंगेर विश्वविद्यालय) एवं डॉ. धरमवीर प्रसाद ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने आचार्य राय के विज्ञान, शिक्षा, उद्यमिता एवं राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया तथा रसायन विज्ञान की भूमिका को वैज्ञानिक नवाचार, सतत विकास और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण बताया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिवाकर प्रसाद ने वैज्ञानिक शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए आचार्य राय की विरासत को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आचार्य राय न केवल एक महान वैज्ञानिक और दूरदर्शी शिक्षक थे, बल्कि बंगाल केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स के संस्थापक के रूप में भारतीय उद्योग जगत को भी नई दिशा प्रदान की। इस अवसर पर संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. सुजन दत्ता एवं विशाल विजय (रसायन विभाग) द्वारा किया गया। अंत में डॉ. रवि रंजन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी विशिष्ट अतिथियों, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और रसायन शिक्षा एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। यह संकल्प आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के आदर्शों एवं दृष्टि से प्रेरित रहा।

प्लैटिनम आरएक्स से 10 लाख से ज्यादा मरीजों ने उठाया फायदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बेंगलुरु की कंपनी प्लैटिनम आरएक्स भरोसेमंद ब्रांडेड जेनेरिक दवाएं देकर भारतीय घरों का दवाओं का खर्च कम कर रही है। अब तक इस प्लेटफॉर्म से देशभर के दस लाख से ज्यादा मरीजों ने फायदा उठाया है और परिवारों के दवाओं के खर्च में 137 करोड़ रुपए की बचत हुई है। पटना के पियूष ने बड़ी और भरोसेमंद दवा कंपनियों से सीधे जुड़कर, बीच के लोगों को हटाकर और हर दवा के लिए सिर्फ एक भरोसेमंद विकल्प देने की सोच के साथ प्लैटिनमआरएक्स की शुरुआत की। पियूष कहते हैं हमारी शुरुआत एक सीधी सोच से हुई थी कि अच्छी दवा कोई ऐशो-आराम की चीज नहीं होनी चाहिए। तीन साल में प्लैटिनमआरएक्स करीब दस लाख परिवारों तक पहुंच गया है।

बिहार टॉक अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मान समारोह में कई हस्तियां सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। इवेंटजिक मीडिया ग्रुप की ओर से होटल मौर्य में 'बिहार टॉक सीजन-6 : अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 25 से अधिक लोगों को सम्मानित किया गया। समारोह का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्त्ता सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह, अति विशिष्ट के रूप में बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, जनता दल (यू) के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा, परबत्ता के विधायक बाबूलाल शौर्य, बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया, इवेंटजिक मीडिया ग्रुप के प्रबंध निदेशक चंदन राज, जदयू के महासचिव रंजीत झा, समाजसेवी किशोर तथा डॉ. कुमार राजेश रंजन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि बिहार की धरती महापुरुषों की भूमि रही है और यहां के युवा बेहद प्रतिभाशाली हैं। पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बिहार सरकार रोजगार सृजन और पर्यटन विकास के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह ने बिहार टॉक को युवाओं की प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रेरित करने का सशक्त मंच बताते हुए सम्मानित सभी प्रतिभाओं को शुभकामनाएं दीं।

चार नए अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय तैयार, 17 अगस्त से शुरू होंगी कक्षाएं: मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के चार नए अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में इसी शैक्षणिक सत्र से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। जमुई, नालंदा, कैमूर और मुजफ्फरपुर में विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इन विद्यालयों में 17 अगस्त से शैक्षणिक गतिविधियां प्रारंभ कर दी जाएगी। यह जानकारी अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री मो. जमा खान ने शुक्रवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संवाद कक्ष में आयोजित विभागीय प्रेस वार्ता में दी। मंत्री ने बताया कि विभाग ने राज्य के प्रत्येक जिले में एक अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में दरभंगा, किशनगंज, पूर्णिया, मधुबनी, गया, जमुई, नालंदा, कैमूर, कटिहार, बेगूसराय, पश्चिम चंपारण (बेतिया), सुपौल, मुजफ्फरपुर, मधेपुरा, पटना, सहरसा, मुंगेर, सीवान, पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), भागलपुर, अररिया, गोपालगंज, रोहतास एवं बक्सर सहित 24 जिलों में विद्यालय निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें दरभंगा और किशनगंज में स्थित विद्यालय पहले से संचालित हैं, जबकि जमुई, नालंदा, कैमूर और मुजफ्फरपुर में निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद 17 अगस्त से पढ़ाई शुरू की जाएगी। जमुई और कैमूर में प्रारंभिक चरण में क्रमश नालंदा एवं कैमूर कैंपस के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियां संचालित होंगी।

होटल प्रबंधन संस्थान हाजीपुर में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था होटल प्रबंधन संस्थान, हाजीपुर में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, हाजीपुर के सहयोग से विद्यार्थियों के बीच नशा मुक्ति एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन ब्रह्माकुमारी हाजीपुर की बी.के. रूबी एवं होटल प्रबंधन संस्थान के प्राचार्य पुलक मंडल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे के विभिन्न प्रकारों तथा इसके सेवन से होने वाले नुकसान की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक विकास, शिक्षा, पारिवारिक जीवन और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करती है। कार्यक्रम में ऑडियो-वीडियो माध्यम से नशे के विभिन्न रूपों और इसके दुष्परिणामों से संबंधित जागरूकता सामग्री प्रस्तुत की गई। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान और उससे बचाव के उपायों को सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महाप्रबंधक ने 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' से किया पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा, पटना में आयोजित समारोह में महाप्रबंधक ने वर्ष 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया। समारोह का उद्घाटन महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह एवं अन्य उपस्थित गणमाण्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार व अन्य अधिकारियों द्वारा रेल सप्ताह समारोह पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव सहित मुख्यालय के उच्चाधिकारीगण एवं पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित थे। समारोह के दौरान मुख्यालय एवं पांचों मंडलों के कल्चर टीम द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सराहा गया। आज के इस समारोह में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा वर्ष 2026 में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के लिये कुल 95 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु विभागों/मण्डलों के मध्य 56 दक्षता एवं सर्वांगीण दक्षता शील्ड भी प्रदान किया गया।

विद्यार्थियों को जीवन में कठिन परिश्रम, अनुशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए किया प्रेरित : प्रो. रत्ना अमृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ए.एन. कॉलेज, पटना के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय रसायन दिवस का ला आयोजन किया गया जिसमें रसायन विज्ञान विभाग सहित महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 186 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में विभागाध्यक्ष प्रो. तृप्ति गंगवार ने राष्ट्रीय रसायन दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने विद्यार्थियों को जीवन में कठिन परिश्रम, अनुशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों से प्रयोगशाला में नियमित रूप से कार्य करने तथा अपनी प्रयोगशाला को सदैव स्वच्छ, सुव्यवस्थित और कार्यशील बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर आईआईटी पटना के रसायन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्नेहाशीस दास चक्रवर्ती ने आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने बहुमूल्य विचार साझा किए तथा उनमें वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवोन्मेषी सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उनका व्याख्यान ल्लसूक्ष्मजीव जीवित रहने के लिए रसायन विज्ञान कैसे करते हैं विषय पर आधारित था। राष्ट्रीय रसायन दिवस के अंतर्गत मॉडल प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति और टेक टॉक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

ज्ञान भवन में इंडिया ग्लोबल ग्रैंड ट्रेड फेयर का शुभारंभ, देश-विदेश के उत्पादों से सजा व्यापार मेला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी के ज्ञान भवन में इंडिया ग्लोबल ग्रैंड ट्रेड फेयर का भव्य शुभारंभ हुआ। भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स और सीसीजी मार्केटिंग एंड सर्विसेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 17 अप्रैल तक चलेगा। मेले में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ कई देशों के कारोबारी और प्रदर्शक अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। मेले में थाईलैंड, मलेशिया, दुबई, अफगानिस्तान, ईरान और तुर्की सहित विभिन्न देशों की भागीदारी है। वहीं महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और गुजरात समेत कई राज्यों के प्रदर्शक भी अपने उत्पाद लेकर पहुंचे हैं।

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती मनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गंगा देवी महिला महाविद्यालय में 'नेशनल केमिस्ट्री डे' के अवसर पर रसायनशास्त्र विभाग के आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती, जो आधुनिक रसायनशास्त्र के जनक माने जाते हैं, को श्रद्धांजलि देकर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 श्यामा राय ने की। मुख्य अतिथि प्रो0 प्रमिला शर्मा थी। रसायनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डा0 प्रीति ने आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की जीवनी एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए हमारे जीवन में रसायनशास्त्र की भूमिका से अवगत कराया। मुख्य वक्ता प्रो0 प्रमिला ने भी आचार्य प्रफुल्ल के रसायन विज्ञान के क्षेत्र में योगदानों पर प्रकाश डाला। प्रफुल्ल चन्द्र राय ने 'बंगाल केमिकल्स' की नींव डाली जो स्वदेशी उद्योग के रूप में मील का पत्थर साबित हुआ। डा0 बिधु बाला, कुलानुशासक एवं भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डा0 तथागत अवतार तुलसी ने भी अपने विचारों को साझा किया। कार्यक्रम को प्राचार्या प्रो0 (डा0) श्यामा राय ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए रसायनशास्त्र की विशेषता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन अर्थशास्त्र विभाग की डा0 अनिता श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

संपादकीय

क्या देश में हवाई सफर की सुरक्षा हादसों के बाद ही याद आती है?

हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। देश में हवाई यात्रा की सुविधा का दायरा बढ़ाने के लिए विमान सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। लोगों की पहुंच को आसान बनाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों के निर्माण में प्रगति हुई है। इसके साथ ही विमान किराये में भी आए दिन बेलगाम तरीके से बढ़ोतरी होती रहती है। मगर इसी तर्ज पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। कभी तकनीकी खराबी, सतर्कता की कमी, तो कभी मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां विमान हादसों का कारण बनती हैं।ऐसी ही एक घटना बीते मंगलवार को हुई, जब थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रहा एअर इंडिया का एक विमान वायुमंडलीय अस्थिरता यानी टर्बुलेंस के कारण हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक लगभग तीन सौ फुट नीचे आ गया, जिससे सत्रह यात्री घायल हो गए। हालांकि, बाद में इस विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। सवाल है कि देश भर में होने वाले विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?यह सच है कि हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की जरूरत के मुताबिक तैनाती नहीं हो पाने से संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ रहा है और इससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी अक्सर बनी रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, करीब पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारण होती है। एअर इंडिया का जो विमान वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण असंतुलित हुआ, उसमें 137 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। अगर पायलट के समझने में थोड़ी सी भी चूक होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। फिर क्या वजह है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तकनीकी रूप से मानक संचालन प्रक्रिया में सुधार नहीं हो पाया है?सवाल यह भी है कि इस घटना के दौरान खराब मौसम की स्थिति में संभावित वायुमंडलीय अस्थिरता के बारे में चालक दल की ओर से यात्रियों को पहले से सचेत करने की सामान्य मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं? अगर यात्रियों को समय रहते सतर्क कर दिया जाए, तो विमान में मौजूद सुरक्षात्मक उपायों के इस्तेमाल से उनके हताहत होने की संभावना कम होती है।

उन्नत बचपन की पहली शर्त-स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

(ललित गर्ग)

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी। सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है। महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेज रफ्तार जिंदगी में क्यों सबसे बड़ी ताकत बन गया है सब्र? हर दिन देता है इसका जवाब

(महिमा सामंत)

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। घर से निकलते ही यातायात जाम, दिन भर इंतजार और हर कदम पर अधीरता। आज की जिंदगी जैसे सब्र की लगातार परीक्षा बन गई है। तेज रफ्तार के इस दौर में हम हर चीज तुरंत चाहते हैं। तुरंत जवाब, तुरंत सफलता, तुरंत समाधान। ऐसे समय में 'सब्र' शब्द भले पुराना लगे, पर सच यही है कि आज इसकी जरूरत पहले से कहीं अधिक है।

दरअसल, सब्र का अर्थ केवल इंतजार करना नहीं है। यह उस इंतजार के दौरान अपने मन को संतुलित रखना है। यह वह समझ है, जो हमें जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से रोकती है। जहां अधीरता क्षणिक राहत देती है, वहीं सब्र स्थायी सुकून देता है। यह हमें सिखाता है कि हर चीज का एक समय होता है और उस समय से पहले घबराना केवल हमारी ऊर्जा को नष्ट करता है।

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। जब हम किसी जरूरी काम के लिए निकलते हैं और रास्ते में लंबा जाम मिल जाता है, तो मन बेचैन हो उठता है। हम बार-बार घड़ी देखते हैं, हॉर्न की आवाजें हमें और चिड़चिड़ा बना देती हैं। मगर सच यही है कि उस जाम को हम तुरंत खत्म नहीं कर सकते। ऐसे में जो व्यक्ति खुद को शांत रखता है, कोई साक्षात्कार सुन लेता है या बस गहरी सांस लेकर खुद को संभालता है, वही मानसिक रूप से संतुलित रह पाता है।

इसी तरह लंबी कतार में खड़े रहना, चाहे वह बैंक हो, अस्पताल हो या किसी दुकान की लाइन। कुछ लोग अधीर होकर आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं, बार-बार शिकायत करते हैं। वहीं कुछ लोग चुपचाप अपनी बारी का इंतजार करते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि दूसरे व्यक्ति ने स्थिति को स्वीकार कर लिया है। यही स्वीकार करना ही सब्र की शुरुआत है।

एक और साधारण लेकिन गहरा उदाहरण है 'ट्रैफिक सिग्नल' पर रुकना। लाल बत्ती होते ही कुछ लोग बेचैन हो जाते हैं। वे गाड़ी को थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ाते हैं, जैसे कुछ पल पहले निकल जाना बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देगा। वहीं कुछ लोग उस रुकने को सहजता से स्वीकार करते हैं। सच यह है कि वह लाल बत्ती केवल सड़क का नियम नहीं, जीवन का संकेत भी है कि हर समय आगे बढ़ना ही जरूरी नहीं। कभी-कभी रुकना भी उतना ही आवश्यक होता है। जो व्यक्ति इस छोटे ठहराव को समझ लेता है, वह जीवन के बड़े ठहरावों को भी सहजता से पार कर लेता है।

आज के डिजिटल युग में भी सब्र की परीक्षा कम नहीं है। जब इंटरनेट धीमा हो जाता है या कोई फाइल डाउनलोड होने में समय लेती है, तो हम बार-बार स्क्रीन देखते हैं। छोटी-सी देरी भी हमें असहज कर देती है। मगर हम उसी समय को किसी और उपयोगी काम में लगा दें, जैसे कुछ पढ़ना या अपनी योजना बनाना, तो वही प्रतीक्षा सार्थक बन सकती है।

एक और आम स्थिति है - किसी के जवाब का इंतजार। हमने संदेश भेजा, फोन किया, लेकिन सामने से जवाब नहीं आया। मन तुरंत कई तरह के अनुमान लगाने लगता है। यही वह क्षण है, जहां सब्र की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। अगर हम खुद को रोक लें और यह समझें कि हर व्यक्ति अपनी परिस्थितियों में व्यस्त हो सकता है, तो हम अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं।

घर-परिवार में भी सब्र का महत्त्व बहुत बड़ा है। जब कोई बुजुर्ग किसी बात को बार-बार पूछते हैं या धीरे-धीरे काम करते हैं, तो हम अक्सर अधीर हो जाते हैं। अगर हम थोड़ा ठहरकर सोचें, तो समझ आएगा कि उन्हें हमारी जल्दी नहीं, हमारे साथ की जरूरत है। ऐसे समय में दिखाया गया सब्र रिश्तों को गहराई देता है।

बच्चों के साथ व्यवहार भी सब्र का सबसे सच्चा आईना है। एक बच्चा जब नया कुछ सीखता है, तो वह बार-बार गलती करता है। अगर हम हर गलती पर गुस्सा करें, तो उसका आत्मविश्वास टूट जाएगा, लेकिन अगर हम सब्र के साथ उसे समझाएं, तो वही बच्चा धीरे-धीरे बेहतर बनता है।

वैवाहिक जीवन में भी सब्र की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण होती है। दो अलग-अलग स्वभाव, आदतें और सोच जब एक साथ आती हैं, तो मतभेद स्वाभाविक हैं। हर छोटी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना या अपनी बात मनवाने की जिद करना रिश्तों को कमजोर करता है। वहीं, अगर दोनों पक्ष थोड़ा ठहरकर एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें, तो वही मतभेद समझ में बदल सकते हैं। कई बार चुप रहना हार नहीं, बल्कि रिश्ते को बचाने की समझदारी होती है। विवाह में सब्र केवल सहने का नाम नहीं, बल्कि साथ निभाने की कला है।

पढ़ाई और करिअर के संदर्भ में देखें, तो आज हर कोई जल्दी परिणाम चाहता है।

शिक्षा सुधार के दावे बहुत, बुनियादी बदलाव अब भी अधूरा-ऐसे नहीं बनेगा ज्ञान महाशक्ति भारत

(सुरेश सेठ)

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी।

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे। भारत शिक्षा के मामले में सदियों से अग्रणी रहा। हमारी पुरानी शिक्षा व्यवस्था दुनिया को राह दिखाती थी। बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां पढ़ने के लिए आते थे। यहां गुरुकुल से कई ऐसे विद्यार्थी निकले, जिन्होंने दुनिया को राह दिखाई। मगर समय बदलने के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली में अनेक बदलाव हुए। भारत, जो कभी ज्ञान और नवजागरण के क्षेत्र में अग्रणी था, वह पिछड़ता चला गया।

हम पश्चिमी शिक्षा की नकल करने लगे। हमारी शिक्षा व्यवस्था ने शोध और अन्वेषण को कम कर दिया। कला संकाय का महत्त्व कम होता चला गया। शिक्षा पर बाजार हावी होने लगा। नए रास्ते पर चलने की हमारी ललक खत्म हो गई। दुनिया डिजिटल होती गई और इंटरनेट उसकी आधारभूमि बन गया। आज भारत कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल कर दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल होना चाहता है।

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे।

पिछले डेढ़ दशक में डिजिटल तकनीक को अपनाने और इस दिशा में आगे बढ़ने के कई दावे किए गए हैं। भारत कृत्रिम मेधा का अगुआ बनने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन एक कमी रह गई। यह कमी है संकल्प की। हम बेहतरीन शिक्षक तैयार नहीं कर पा रहे हैं। विद्वता बढ़ाने पर भी कोई जोर नहीं दिखता। इच्छा और आकांक्षा जरूर थी, लेकिन अध्यापकों की प्रतिबद्धता में बदलाव नहीं आया। विद्यार्थी उपलब्धियां हासिल करने को ही लक्ष्य मान बैठे। नतीजा यह कि मेहनत और अन्वेषण कर आगे जाने का उत्साह कम पड़ता चला गया। यही कारण है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था धीरे-धीरे पिछड़ती चली गई।

बच्चों को पढ़ाने में शिक्षक भी इसलिए पिछड़े, क्योंकि उन्होंने खुद को अद्यतन नहीं किया। नतीजा यह कि हमारे विद्यार्थी समय के साथ आगे नहीं बढ़े। डिजिटल में सहज होने के क्रम में हम कागज-कलम से दूर हो गए। इसी के साथ हम अपनी पुस्तक संस्कृति भी भूल गए। मोबाइल फोन पर ही कक्षाएं लगने लगीं। बच्चे भी वहीं पढ़ने लगे। किताबें कोने में धरी रह गईं। डिग्रियां पाने और सार्वजनिक प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने की होड़ शुरू हो गई। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा का असली उद्देश्य पीछे रह गया।

प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ी कोई नई बात नहीं है। यह काफी समय से हो रही है। मगर जब बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बाहर आने लगे, तब इस समस्या को गंभीरता से लिया गया और यह मुद्दा बनने लगा। प्रश्नपत्र लीक को कुछ गिरोहों ने अपना धंधा बना लिया और वे लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खेलने लगे। वर्ष 2024 और 2026 में बड़े पैमाने पर प्रश्नपत्र लीक हुए। निराशा में डूबे कुछ विद्यार्थियों ने खुदकुशी की। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों आंदोलन किया। युवा पीढ़ी का असंतोष आक्रोश में बदल गया। नतीजा, शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा। हालांकि, इससे शिक्षा व्यवस्था में कोई बदलाव होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं।

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी। सरकार इस विधेयक को काफी महत्त्व दे रही है, मगर इसमें गंभीर चिंतन नहीं दिखता है। इस पर संसद में व्यापक बहस भी नहीं हो पाई। कड़े दंड के प्रावधानों वाला यह विधेयक बहुमत के बल पर पारित तो हो गया, लेकिन परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा में सुधार के लिए यह काफी नहीं है।

पिछला अनुभव बताता है कि दोषियों को सजा देने के कानून तो पहले भी थे। चाहे उनमें सजा इतनी सख्त नहीं थी, लेकिन फिर भी पिछले पच्चीस वर्षों में देश भर के अलग-अलग हिस्सों से जो प्रश्नपत्र लीक हुए और माफिया ने जो कारगुजारी की, उस हिसाब से बड़े पैमाने पर धर-पकड़ नहीं हुई।

फिलहाल सरकार ने एक बड़ी पहल की है। उसने त्वरित अदालतें बनाई हैं। तीन महीने में फैसला देकर अपराधियों को कड़ी सजा देने की घोषणा भी की गई है, लेकिन पिछले दिनों एक मामले में वकील के हाजिर न होने से अगली तारीख दे दी गई। दंड प्रक्रिया को चुस्त कर प्रवेश परीक्षाओं को शुचितापूर्ण तो बनाया जा सकता है, लेकिन सवाल है कि यह पूरी तरह दोषरहित कैसे होगी? हालांकि, सरकार इसको लेकर गंभीर दिख रही है। उसने छह सदस्यीय उच्चस्तरीय कार्यबल बना दिया है, जो राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के काम की समीक्षा करेगा और प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए अपनी सिफारिशें देगा। इससे परीक्षा प्रणाली में सुधार की उम्मीद है।

देश की शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। नीति-निर्माताओं को यह बात ध्यान में रखनी होगी कि शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया आज कितने आगे बढ़ चुकी है और हम अभी नारे ही गढ़ रहे हैं। हम नारे लगाते हैं डिजिटल भारत के। हम बताते हैं कि भारत में मोबाइल क्रांति हो गई है और जल्द ही कृत्रिम मेधा को भी साध लिया जाएगा। इस दिशा में प्रगति निस्संदेह प्रशंसनीय है, मगर सवाल यह है कि क्या हम युवा पीढ़ी को नए रोजगार के काबिल बना रहे हैं? आज भी न तो अध्यापक और न ही छात्र नई राहों के अन्वेषी हैं। वे कोई नया शोध करना नहीं चाहते। वे बस डिग्रियां चाहते हैं। आज भी पाठ्यक्रमों में बड़ा बदलाव नहीं होता। बरसों तक उन्हें वहीं पढ़ाया जाता है।

भारत की साठ फीसद आबादी गांवों में बसती है। मगर वहां पुस्तकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है, मोबाइल नेटवर्क या तो है ही नहीं या फिर बहुत कमजोर है और यहां चर्चा होती है कि नीट सहित सारी प्रतियोगी परीक्षाएं कंप्यूटर से ली जानी चाहिए। सुधार कैसे होगा, जबकि स्कूलों में पढ़ाई का तरीका वही पुराना है? सरकार कहती है कि ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने लगे हैं, लेकिन सच यह है कि दसवीं तक पहुंचने के बाद उनमें से कई बच्चे स्कूल से निकल जाते हैं।

उच्च स्तर पर शिक्षा में बदलाव का आधार स्कूली शिक्षा होनी चाहिए। बदलाव करना है, तो प्राथमिक स्तर से हो। शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जाए, लेकिन यह सब रोजगार की गारंटी के बिना संभव नहीं होगा। जो विद्यार्थी पढ़ने के लिए आता है, वह आश्वस्त हो कि उसकी मेहनत और डिग्री के मुताबिक उसे रोजगार अवश्य मिलेगा। इससे छात्रों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण अपने आप बदल जाएगा। अध्यापकों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। नए माहौल के मुताबिक जब तक वे स्वयं को अद्यतन नहीं करेंगे, तब तक बात नहीं बनेगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

मखाना खेत में 15 दिन बाद मिला लापता सत्यम का शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। प्रखंड के रौतारा थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय बालक सत्यम की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। बहरखाल पंचायत अंतर्गत रमेली गांव निवासी सत्यम 24 जुलाई को अचानक लापता हो गया था। परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए थे। लेकिन 15 दिनों तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसी बीच शुक्रवार को गांव के ही एक मखाना के खेत से उसका शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर उमड़ पड़ी। पूरे गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हृदय विदारक घटना ने ग्रामीणों को स्तब्ध कर दिया है। मृतक के पिता मंगल महतो ने गांव के ही रहने वाले कृष्णा महतो पर अपने बेटे की हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है।उनका कहना है कि यह घटना सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दी गई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। परिजनों के अनुसार, घटना के पीछे पुराना विवाद भी सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले सत्यम ने अपनी मां का पायल घर से चुराकर गांव के ही एक लड़के के साथ बहरखाल स्थित एक सोना - चांदी की दुकान में बेच दिया था। इस बात को लेकर कृष्णा महतो और उनके परिवार के साथ विवाद हुआ था। मृतक के पिता का आरोप है कि इसी विवाद के कारण उनके बेटे को पहले धमकियां भी दी गई थीं। परिजनों ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब सत्यम लापता हुआ था, तब उन्होंने बहरखाल पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विजय सिंह कुशवाहा से संपर्क किया था। लेकिन उन्हें थाना में आवेदन देने या उचित कार्रवाई कराने में कोई सहयोग नहीं मिला। परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन को सूचना देकर सक्रियता दिखाई जाती तो शायद सत्यम की जान बचाई जा सकती थी। वहीं इस पूरे मामले को लेकर जब मुखिया प्रतिनिधि विजय सिंह कुशवाहा से सवाल किया गया तो उन्होंने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश है और कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने घटना को दुखद बताते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की मांग की है। यह घटना न केवल एक परिवार के लिए असहनीय दुख का कारण बनी है, बल्कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अब सभी की निगाहें पुलिस प्रशासन की जांच पर टिकी हैं कि आखिर इस मासूम की मौत के पीछे का सच कब सामने आता है।

श्रावणी मेला में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंगाघाट व बाजार में निकला फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। श्रावणी मेला के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह एवं थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा के नेतृत्व में गंगाघाट सहित मुख्य बाजार क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान एसडीएम ने गंगाघाट जाने वाले कांवरिया मार्गों को पूरी तरह अतिक्रमणमुक्त रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा किसी भी प्रकार की असहज स्थिति उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। गंगा किनारे दुकान लगाने वाले सभी दुकानदारों को अपनी-अपनी दुकान के सामने दुकान एवं दुकानदार का नाम-पट्ट नेम प्लेट अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश दिया गया। एसडीएम ने बताया कि हाल ही में गंगा स्नान के लिए आए श्रद्धालुओं के साथ एक स्थानीय दुकानदार द्वारा मारपीट की घटना के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गंगा किनारे अतिक्रमण कर श्रद्धालुओं को परेशानी में डालने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान नगर मुख्य पार्षद लाखो यादव ने गंगा घाट पर सावन माह में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। वहीं थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने कहा कि सावन में आने वाले शिवभक्तों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च में बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

तीन माह से मानदेय नहीं मिलने पर शिक्षा सेवकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार संविदा कर्मी शिक्षा सेवक, तालीमी मरकज संघ की जिला इकाई ने लगातार तीन माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी हैं। जिला कोषाध्यक्ष कटिहार प्रमोद कुमार रजक ने कहा कि जिले में कार्यरत सभी शिक्षा सेवकों एवं तालीमी मरकज कर्मियों को पिछले तीन माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया हैं। इससे सभी संविदा कर्मी आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर शिक्षा विभाग नियमित

शिक्षकों को समय पर वेतन का भुगतान कर रहा हैं।जबकि दूसरी ओर जन शिक्षा निदेशालय,पटना एवं बिहार सरकार के वित्त विभाग द्वारा शिक्षा सेवक,तालीमी मरकज कर्मियों के मानदेय के लिए समय पर आवंटन जारी नहीं किया जा रहा हैं । इसका प्रभाव केवल कटिहार ही नहीं,बल्कि बिहार के सभी 38 जिलों में कार्यरत शिक्षा सेवकों पर पड़ रहा हैं । उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों के साथ भेदभाव किया जा रहा हैं। पूर्व में मानदेय भुगतान में इतनी लंबी देरी कभी नहीं हुई थी। उन्होंने सरकार से अविलंब लंबित मानदेय का भुगतान करने की मांग की। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो जिले के सभी शिक्षा सेवक एवं तालीमी मरकज कर्मी कटिहार स्थित इंदिरा गांधी पार्क समाहरणालय के सामने में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर अपने अधिकारों की मांग करेंगे।

जूट के बेहतर रेशा उत्पादन को लेकर होगी विशेष तैयारी

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले में जूट किसानों की आमदनी बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण रेशा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। इसी कड़ी में संयुक्त कृषि भवन में जिला कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें जूट उत्पादक प्रखंडों के कृषि पदाधिकारी, जूट अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक,भारतीय पटसन निगम लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक एवं किसान शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि आइसीएआर -एन आइएनएफइटी कोलकाता द्वारा कटिहार जिले को डिकॉर्टिकेटर

मशीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसके माध्यम से किसानों को जूट से उच्च गुणवत्ता का रेशा निकालने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रथम चरण में कटिहार, डंडखोरा, प्राणपुर, कोढ़ा, बरारी, कदवा, मनिहारी, मनसाही और अमदाबाद प्रखंडों का चयन किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 से 13 अगस्त तक आयोजित होगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि डिकॉर्टिकेटर मशीन से 1000 से 1200 किलोग्राम जूट फसल का प्रसंस्करण किया जा सकता है। वैज्ञानिक विधि से तैयार रेशा अधिक गुणवत्तापूर्ण होता है। जिससे किसानों को बाजार में बेहतर कीमत मिलने की संभावना बढ़ेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों के साथ विस्तृत रणनीति पर भी चर्चा की गई। परियोजना उप निदेशक आत्मा शशिकांत झा ने आत्मा द्वारा जूट उत्पादन को लेकर कृषको को दी जा रही प्रशिक्षण की जानकारी के संबंध मे बताया।

पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था से घबराएं नहीं

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्य सरकार की ओर से निबंधन कार्यालयों में पेपरलेस व्यवस्था लागू किए जाने के बाद मनिहारी अवर निबंधन कार्यालय में शुरूआती दिनों में रजिस्ट्री की संख्या में कमी देखी जा रही है। नई व्यवस्था को लेकर लोगों में जानकारी के अभाव और भ्रम की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को कार्यालय में आम दिनों की तुलना में कम भीड़ रही। जबकि अधिकारी और कर्मचारी नियमित रूप से कार्यरत मिले। अवर निबंधन पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि पेपरलेस व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी और आधुनिक तकनीक पर आधारित है। इसमें आधार आधारित सत्यापन और ओटीपी प्रमाणीकरण के माध्यम से निबंधन की प्रक्रिया पूरी की जाती है। उन्होंने कहा कि केवल दस्तावेजों के संचालन का तरीका बदला है। जबकि सभी कानूनी प्रक्रियाएं पहले की तरह ही लागू हैं। अधिकृत मुंशियों को ऑनलाइन दस्तावेज तैयार करने के लिए आवश्यक कोड भी उपलब्ध करा दिए गए हैं। अवर निबंधन पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा, "पेपरलेस व्यवस्था से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। यह पूरी तरह सुरक्षित और सरकार द्वारा प्रमाणित प्रणाली है। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और निःसंकोच होकर अपनी जमीन की रजिस्ट्री कराएं।" उन्होंने लोगों से नई व्यवस्था को समझने और डिजिटल निबंधन प्रक्रिया को अपनाने की अपील की। ताकि पारदर्शी और सुगम सेवाओं का लाभ सभी को मिल सके।

रेलवे स्टेशन पर जीआरपी की बड़ी कार्रवाई

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रेल थाना कटिहार पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई करते हुए चोरी एवं छिनतई के दो अलग-अलग मामलों का सफल उद्भेदन किया है। रेल थाना अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई में एक ओर जहां महिला से चेन छीनकर भाग रहे आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी ओर चोरी के 11 मोबाइल फोन के साथ तीन आरोपितों को दबोचने में सफलता मिली है। जानकारी के अनुसार कटिहार रेलवे स्टेशन की सीढ़ियों पर एक महिला से चेन छीनकर भाग रहे कटिहार जिला निवासी राहुल कुमार यादव को तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में पीड़ित शैलेंद्र कुमार के लिखित आवेदन पर रेल थाना में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। इससे पूर्व जीआरपी कटिहार ने प्लेटफॉर्म संख्या-4 स्थित केबिन ओवरब्रिज के नीचे पोल संख्या 604/5 के पास विशेष जांच अभियान के दौरान तीन आरोपितों को चोरी के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में बारिश कुमार यादव साहिबगंज झारखंड के पास से 5, पीयूष चौहान आसनसोल के पास से 4 तथा मोहम्मद एजाज उर्फ मोनू कटिहार के पास से 2 , कुल 11 यात्री के चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। इस मामले में रेल थाना में सभी के विरुद्ध मामला दर्ज कर रेल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में रेल थाना अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि रेलवे स्टेशन एवं रेल परिसरों में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेल पुलिस द्वारा रेल एसपी के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डीएम ने किया सरस्वती विद्या निकेतन का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने आजमनगर प्रखंड के दौरे के दौरान आरके उच्च विद्यालय में संचालित सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता, मूलभूत सुविधाएं एवं शैक्षणिक माहौल को लेकर सभी पहलुओं जायजा लिया।तो वहीं शिक्षक बनकर वर्ग कक्ष में बच्चों को पढाया भी। जिलाधिकारी ने कक्षा 1 से 8 तक की कक्षाओं में जाकर बच्चों से बातचीत की। उन्होंने छात्रों से पाठ्यक्रम से जुड़े विज्ञान, गणित एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे तथा बच्चों के

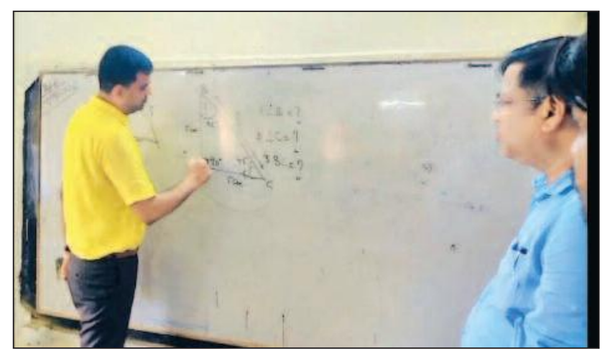

आत्मविश्वास एवं बोलने की क्षमता की सराहना की। पुस्तकालय अवलोकन कर उन्होंने बच्चों से प्रतिदिन 30 मिनट का समय पुस्तकों के पढने के लिए निर्धारित करने को कहा।तो वहीं शिक्षकों को बच्चों को कहानी, कविता एवं प्रेरक पुस्तकें पढ़कर सुनाने का निर्देश दिया। ताकि उनमें पढ़ने की रुचि बढ़े। उन्होंने पाठ्यक्रम पूर्ण करने एवं कमजोर बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षा लगाने का भी निर्देश दिया। स्कूल परिसर का निरीक्षण कर उन्होंने साफ-सफाई एवं हरियाली की सराहना की। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों से कहा कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए मॉडल स्कूल की जिम्मेदारी है कि वह आसपास के विद्यालयों के लिए प्रेरणा बने। प्रत्येक बच्चे की प्रगति की मासिक रिपोर्ट तैयार करे। अभिभावकों से नियमित संपर्क कर बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करना सुनिश्चित करेंगे। प्रधानाचार्य ने निर्देशों के अक्षरशः पालन होने को लेकर आश्वस्त किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचलाधिकारी, शिक्षा विभाग के पदाधिकारी, विद्यालय के शिक्षक,अन्य कर्मी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वरीय अधिवक्ता प्रदीप दत्ता के आकस्मिक निधन पर अधिवक्ताओं में शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट । जिला व्यवहार न्यायालय के वरीय अधिवक्ता प्रदीप दत्ता का आकस्मिक हृदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया। उनके निधन की सूचना पर न्यायालय प्रांगण में शोक की लहर दौड़ गई। अधिवक्ता संघ के सचिव विजय कुमार झा ने तत्काल अधिवक्ताओं की एक अहम बैठक बलाई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी अधिवक्ता शोक मनाते हुए खुद को न्यायिक कार्य से अलग रखने का निर्णय के अनुसार सभी अधिवक्ता ने शोक फलस्वरूप 2 मिनट का मौन रखते हुए खुद को न्यायिक कार्य से अलग रखा। सचिव विजय कुमार झा ने बताया कि दिवंगत अधिवक्ता प्रदीप

दत्ता अपने दिनचर्या के मुताबिक न्यायालय आए थे और अपना काम सुचारू रूप से कर रहे थे । वही लगभग तीन बजे के दौरान वे अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय के न्यायालय में कार्य हेतु गए किंतु न्यायालय के गेट पर ही उनका स्वास्थ्य अचानक काफी बिगड़ गया। अधिवक्ताओं द्वारा अविलंब उन्हें एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाया गया । जहां चिकित्सक द्वारा उनके मौत होने की पुष्टि की गई।

सैनिकों के लिए खुला विधिक सहायता केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट । जिला व्यवहार न्यायालय के एडीआर भवन में सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रित परिवारों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार के आदेशानुसार 'नालसा वीर परिवार सहायता योजना - 2025' के तहत जिला सैनिक कल्याण बोर्ड कटिहार परिसर में विधिक सहायता केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस विशेष विधिक सहायता केंद्र का उद्घाटन सिविल न्यायाधीश-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार कमलेश कुमार सिंह

देऊ तथा जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल संजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कर्नल संजय कुमार ने कहा कि इस केंद्र के संचालन से कटिहार सहित चार जिलों के सैनिकों, पूर्व सैनिकों, शहीदों के आश्रितों एवं वीर परिवारों को नालसा की वीर परिवार सहायता योजना-2025 का सीधा लाभ मिलेगा। अब जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क विधिक परामर्श, न्यायालयी सहायता तथा अन्य कानूनी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। वही योजना के प्रभावी संचालन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा पारा विधिक स्वयंसेवक पवन कुमार को प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्होंने उपस्थित सैनिक परिवारों को योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इसका लाभ उठाने की अपील की। साथ ही डीएलएसए द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, कानूनी परामर्श एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।कार्यक्रम के दौरान 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी विस्तार से बताया गया तथा लोगों से अपने लंबित मामलों के त्वरित, सरल एवं आपसी सहमति से निपटारे के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने का आह्वान किया गया।

15 अगस्त की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ने किया राजेन्द्र स्टेडियम का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। आगामी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए राजेन्द्र स्टेडियम का नगर आयुक्त संतोष कुमार ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त श्री कुमार ने स्टेडियम परिसर की साफ-सफाई,मंच व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को समयबद्ध तरीके से सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिये । नगर आयुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव का पर्व है और इसके आयोजन में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। ताकि समारोह गरिमापूर्ण, व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। इस अवसर पर नगर निगम के जेई अजय कुमार सिंह, स्वच्छता पदाधिकारी मो. नुर अली खान सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

परीक्षार्थियों के लिए रामपुर बाजार-टाटानगर तक चलाई गई स्पेशल ट्रेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। रेलवे में प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने बड़ी पहल करते हुए रामपुर बाजार से टाटानगर के बीच परीक्षार्थी स्पेशल ट्रेन के परिचालन का निर्णय लिया है। इस विशेष ट्रेन का संचालन 10 फेरों तक किया जाएगा। जिससे बिहार एवं आसपास के क्षेत्रों के हजारों परीक्षार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी।कटिहार रेल मंडल के सीनियर मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षार्थियों की बढ़ती भीड़ और यात्रा की आवश्यकता को देखते हुए यह विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे यात्रियों को सुरक्षित,सुगम और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की कि यात्रा के दौरान केवल वैध टिकट के साथ सफर करें, रेलवे परिसर में स्वच्छता बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी सहायता या जानकारी के लिए रेलवे हेल्पलाइन का उपयोग करें और रेलवे कर्मचारियों का सहयोग करें।

एनजीओ की ओर से दिये जा रहे एमडीएम का खाना से प्रधानाध्यापक को किया जाए मुक्त : मिथिलेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के फुलहारा पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय लहसा में फुलहारा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मिथलेश कुमार सिंह एवं ग्रामीणों के द्वारा विद्यालय में दिए जा रहे एनजीओ के द्वारा एमडीएम के खाना का निरीक्षण किया। इस दौरान एनजीओ के द्वारा एमडीएम का घटिया खाना देकर बच्चों के सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा हैं। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य मिथलेश कुमार सिंह ने कहा कि एनजीओ के द्वारा दिए जा रहे एमडीएम का खाना से प्रधानाध्यापक को मुक्त किया जाय । ताकि विद्यालय में पढ़ने वालें छात्र एवं छात्राओं के सेहत ठीक रहे एवं विद्यालय में रसोईया के द्वारा तैयार गर्म पका हुआ खाना बच्चे को मिले। अगर ऐसा नहीं होता हैं तो क्षेत्र के सभी विद्यालय के बच्चों के साथ प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करेंगे। बता दे कि विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र - छात्राओं की संख्या कक्षा एक से आठ तक में कुल 425 हैं जबकि मध्यान भोजन खाने के समय 70% बच्चे अपने घर भोजन खाने के लिए चले जाते हैं। साथ ही 10% बच्चे घर से लाए टिफिन का खाना खाते हैं। शेष 15 से 20% बच्चे ही एमडीएम का खाना खाते हैं जो खाना खाने योग्य नहीं हैं। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य मिथलेश कुमार सिंह ने बताया कि वह शिक्षा विभाग एवं जिला पदाधिकारी से अपील किए कि एनजीओ के द्वारा तैयार घटिया खाना विद्यालय को नहीं भेजे और विद्यालय में ही रसोईया द्वारा तैयार गर्म पका हुआ खाना बच्चों को मिले। मौके पर पंचायत समिति सदस्य फुलहरा मिथलेश कुमार सिंह, ग्रामीण जितेंद्र उरांव, अविनाश सिंह, केशव कुमार, कुणाल यादव, अंकित सिंह, वकील उरांव, वसीम अख्तर, संजय भगत, विक्रम यादव, अजिजेर आलम, जाकिर हुसैन आदि ग्रामीण उपस्थित रहे ।

प्रधानमंत्री मुफ्त सूर्यघर योजना के तहत सोलर मेला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार) । प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रखंड परिसर में सोलर मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले का शुभारंभ पूर्वाह्न 11.30 एसडीएम त्रिलोकी नाथ एवं बिजली विभाग के सहायक अभियंता अमिताभ कुमार ,नगर मुख्य पार्षद लाखो यादव ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया । विद्युत आपूर्ति प्रमंडल कटिहार द्वारा योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु शिविर का आयोजन की जा रही है। जानकारी दी कि मेले में घरेलू उपभोक्ताओं से पीएम सूर्यघर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। आवेदन के बाद उपभोक्ताओं को पोर्टल के माध्यम से बैंक ऋण लेने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। योजना के तहत सरकार सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने पर आकर्षक अनुदान भी प्रदान कर रही है। एक किलोवाट क्षमता पर 30 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 60 हजार रुपये तथा तीन किलोवाट क्षमता पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। नगर मुख्य पार्षद लाखो यादब ने लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। बीडीओ सनत कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर संयंत्र लगाने के लिए बैंकों से 5.75 से 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर आसान ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं को सस्ती एवं स्वच्छ बिजली मिलेगी।साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। विद्युत कनीय अभियंता अभिजीत कुमार ने अधिक से अधिक उपभोक्ताओं से सोलर मेले में पहुंचकर योजना की जानकारी लेने और आवेदन कर लाभ उठाने की अपील की है। इस मौके पर अमदाबाद विद्युत कनीय अभियंता कौशल कुमार ने भी जानकारी दी। इस मौके पर नगर स्वच्छता पदाधिकारी आरुष कुमार, मुखिया धोनी, प्रतिनिधि सुभाष मंडल,वार्ड पार्षद ओम गुप्ता,श्रवण कुमार, गुलाब चौधरी, बालेश्वर सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे ।

अधिकारियों ने दी योजनाओं की जानकारी

संक्षिप्त समाचार

केंद्र सरकार ने अमेरिका से इथेनॉल आयात की खबरों को खारिज किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि

भारत पेट्रोल में मिलाने के लिए अमेरिका से बड़ी मात्रा में इथेनॉल आयात कर रहा है या ऐसा करने की तैयारी में है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने इन रिपोर्ट्स को बेबुनियाद और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम (पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की प्रक्रिया) के तहत पेट्रोल में मिलाए जाने वाला इथेनॉल पूरी तरह घरेलू उत्पादकों से खरीदा जाता है। सरकार ने कहा कि ईंधन में मिलाने के लिए अमेरिका से इथेनॉल का कोई आयात नहीं हो रहा है। देश की इथेनॉल ब्लेंडिंग योजना अभी भी घरेलू उत्पादन और खरीद पर ही निर्भर है। सरकार ने उन दावों को भी गलत बताया है, जिनमें कहा गया था कि भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता में इथेनॉल आयात को लेकर भारत ने अमेरिका को कोई रियायत दी है। मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिका से फ्यूल इथेनॉल आयात करने को लेकर भारत ने न तो कोई प्रतिबद्धता जताई है और न ही कोई रियायत दी है। सरकार ने कहा कि अमेरिका से बड़े पैमाने पर फ्यूल इथेनॉल आयात की अनुमति देने के लिए नीति में बदलाव किए जाने की बात भ्रामक है। मंत्रालय के अनुसार, भारत में पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की योजना और इथेनॉल की खरीद से जुड़े फैसले पूरी तरह देश की घरेलू नीति और जरूरतों के आधार पर लिए जाते हैं। भारत अपनी खपत का लगभग 88.5 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव और वैश्विक आपूर्ति झटकों का जोखिम बना रहता है। भारतीय गन्ना, मक्का और चावल जैसे कृषि उत्पादों से तैयार होने वाला इथेनॉल घरेलू संसाधनों का उपयोग करके इस निर्भरता और आर्थिक जोखिम को कम करने का एक प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है।

सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदेगी ईएमएस कंपनी वाइटल इलेक्ट्रॉनिक्स को

मुंबई, एजेंसी। स्वदेश में ही इंटीग्रेटेड सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बना रही कंपनी आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की

तरफ से बड़ी खबर आई है। कंपनी ने बताया है कि उसने प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज कंपनी, वाइटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के रणनीतिक अधिग्रहण के लिए एक एमओयू और टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने यहां जारी एक बयान में बताया कि यह अधिग्रहण भारत में एक एकीकृत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाने के आरआरपी के विजन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कंपनी ने हालांकि, इस सौदे के बारे में कोई फाइनेंशियल डिटेल डिस्क्लोज नहीं किया है। इस समझौते के तहत, आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स ने चार चरणों में वाइटल इलेक्ट्रॉनिक्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने की योजना बनाई है। अगले साल मार्च तक उसमें 50 फीसदी स्वामित्व का लक्ष्य है। इसके बाद, मार्च 2028 तक पूरी तरह से उस कंपनी का अधिग्रहण हो जाएगा। अधिग्रहण से पहले नियामक अनुमति भी ली जाएगी। आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स ने आरआरपी डिफेंस के साथ मिल कर इसी साल मार्च में डिफेंस पीएसयू भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है। इसके मुताबिक दोनों कंपनी मिल कर सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और अनमैन्ड सिस्टम डेवलप करेंगे। माना जा रहा है कि इस सिस्टम के डेवलप होने से डिफेंस एक्सपोर्ट को भी बढ़ावा मिलेगा।

बिहार में लगेंगे बड़े उद्योग, 51600 करोड़ रूपये के एमओयू साइन

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार को पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में कई औद्योगिक समूहों के साथ 51,600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को लेकर समझौता ज्ञापन साइन किए गए। इन निवेशों से स्टील, न्यूक्लियर एनर्जी, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग और फार्मास्युटिकल सेक्टर को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव ग्लोबल रिन्यूएबल एडवांस्ड क्लीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आया है। कंपनी ने न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर में 22,500 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए एमओयू साइन किया है। सरकार का कहना है कि इस निवेश से बिहार में ऊर्जा ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा। इन उद्योगों से प्रदेश में करीब 27 हजार नौकरियां पैदा होंगी। मुख्यमंत्री ने आगामी बिहार बिजनेस कनेक्ट 2026 की तैयारियों की भी समीक्षा की।

स्टील सेक्टर में भी बड़े निवेश

स्टील सेक्टर में कुल 6 एमओयू साइन किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य इन निवेशों के जरिए बिहार को देश के प्रमुख स्टील हब के रूप में विकसित करना है। इनमें प्रमुख निवेश प्रस्ताव इस प्रकार हैं: 6,000 करोड़ रुपये श्री लंगटा बाबा मेटल्स एंड पावर लिमिटेड: 5,500 करोड़ रुपये श्याम स्टील: 500 करोड़ रुपये शाकंभरी इस्पात: 500 करोड़ रुपये

रोजगार और इंडस्ट्री पर फोकस

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य निवेश प्रस्तावों को जल्द से जल्द जमीन पर उतारकर औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल और अपैरल सेक्टर बिहार के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये क्षेत्र बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार दे सकते हैं। इसके अलावा फूड प्रोसेसिंग और फार्मास्युटिकल सेक्टर पर भी सरकार का विशेष ध्यान रहेगा।

लेने के देने पड़ गए...ट्रंप सरकार ने लौटाए टैरिफ के 9.5 लाख करोड़, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बड़ा रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने करीब 100 अरब डॉलर यानी लगभग 9.5 लाख करोड़ रुपये के टैरिफ का पैसा वापस कर दिया है। यह रकम उन आयातकों को लौटाई गई है, जिन्होंने ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए टैरिफ का भुगतान किया था। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह रिफंड किया गया है। ट्रंप ने अमेरिका के व्यापारिक साझेदार देशों से आने वाले सामान पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने के लिए इंटरनेशनल इमरजेंसी इकनॉमिक पावर्स एक्ट का इस्तेमाल किया था। हालांकि, फरवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि इस कानून के तहत राष्ट्रपति को अपनी मर्जी से इतने बड़े स्तर पर टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। इसके बाद प्रशासन को इस कानून के तहत वसूली गई रकम वापस करनी पड़ी। अमेरिकी कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में दाखिल दस्तावेज के अनुसार, 31 जुलाई तक करीब 166 अरब डॉलर के टैरिफ की वसूली हुई थी। इसमें से लगभग 60 फीसदी यानी करीब 100 अरब डॉलर वापस किए जा चुके हैं। इस रिफंड में ब्याज की रकम भी शामिल है। पैसा उन अमेरिकी आयातकों को लौटाया गया है, जिन्होंने शुरुआत में टैरिफ का भुगतान किया था। अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के एक अधिकारी के मुताबिक, 31 जुलाई तक करीब 128.68 अरब डॉलर के संभावित और प्रमाणित रिफंड को प्रोसेसिंग के लिए मंजूरी मिल चुकी थी। इनमें से करीब 100 अरब डॉलर का रिफंड पूरा हो चुका है और रकम अमेरिकी ट्रेजरी विभाग को भुगतान के लिए भेजी जा चुकी है। यह रिफंड सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं को नहीं दिया जा रहा है। रकम उन अमेरिकी आयातकों को वापस मिल रही है, जिन्होंने टैरिफ का भुगतान किया था। आलोचकों का कहना है कि अमेरिकी कंपनियां इस पैसे का फायदा आम लोगों तक कम कीमतों के रूप में पहुंचाएंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

जहां 90 प्रतिशत बिजनेस हो जाते हैं बंद, वहां चाय बेचकर खड़ी कर दी करोड़ों की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में फूड एंड बेवरेज बिजनेस को काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि इस सेक्टर में करीब 90 प्रतिशत ब्रांड दो साल के भीतर बंद हो जाते हैं। लेकिन चेन्नई के जहाबर सादिक ने इस चुनौती के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। आईटी की नौकरी छोड़कर उन्होंने साल 2016 में चाय किंग्स की शुरुआत की और आज यह चाय चेन तेजी से आगे बढ़ रही है। कंपनी का लक्ष्य मौजूदा वित्तीय वर्ष में करीब 90 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करना है।

चाय किंग्स के बिजनेस मॉडल में सही कीमत तय करना बेहद अहम है। जहाबर के मुताबिक कीमत बहुत ज्यादा या बहुत कम रखने से ग्राहक की उम्मीद और कंपनी की कमाई, दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दुकान का डिजाइन और इंटीरियर भी प्रोडक्ट की कीमत के हिसाब से होना चाहिए। अगर कोई 30 रुपये की चाय बेच रहा है, तो स्टोर को लग्जरी शो रूम जैसा बनाने का कोई मतलब नहीं है। कंपनी का फोकस ऐसा माहौल बनाने पर है, जहां ग्राहक आराम से चाय पी सकें और करीब 15 से 20 मिनट में निकल जाएं।

आईटी जाब छोड़ शुरू किया चाय का बिजनेस

जहाबर सादिक ने नौकरी छोड़कर फूड और बेवरेज सेक्टर में कदम रखा। उन्होंने साल 2016 में इसकी शुरुआत अपने दोस्त बालाजी सदागोपन के साथ मिलकर की थी। जहाबर का कहना है कि चाय का बिजनेस बाहर से जितना आसान दिखता है, असल में उतना ही मुश्किल है। उनके मुताबिक बिजनेस में मार्जिन काफी कम होता है। सैलरी, दुकान का किराया, चीनी और दूध जैसी चीजों की बढ़ती कीमतें कारोबार की लागत बढ़ाती हैं।

कर्मचारियों को रोकना बड़ी चुनौती

जहाबर के अनुसार रिटेल इंडस्ट्री में कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रखना बड़ी चुनौती है। कई बार कर्मचारी सिर्फ 1000 से 2000 रुपये ज्यादा सैलरी के लिए नौकरी बदल लेते हैं। इसके अलावा सप्लाई चेन में आने वाली दिक्कतें और मांग में बदलाव भी कारोबार को प्रभावित करते हैं। वहीं, कंपनियों के लिए बार-बार कीमत बढ़ाना भी आसान नहीं होता। आमतौर पर मेन्यू की कीमत साल में एक बार या कई बार दो साल में बदलनी पड़ती है। ग्राहकों की पसंद लगातार बदलती रहती है, लेकिन चाय के कुछ लोकप्रिय स्वादों की मांग स्थिर रहती है। जहाबर का मानना है कि कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए ग्राहकों की बदलती पसंद और हेल्थ ट्रेंड्स पर भी नजर रखना जरूरी है।

किस्त नहीं चुकाई तो लॉक हो जाएगा फोन, टैबलेट और लैपटॉप, आरबीआई ने नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। लोन पर स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप खरीदने वालों के लिए जरूरी खबर है। अगर उन्होंने लोन की किस्त नहीं चुकाई तो उनके डिवाइस पूरी तरह लॉक किए जा सकते हैं। आरबीआई ने लोन पर खरीदे गए डिवाइस को डिसेबल करने के अपने प्रस्तावित नियमों में ढील दी है। पहले 90 दिन तक की देरी तक डिवाइस लॉक नहीं किया जा

सकता था लेकिन अब इसे घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने साथ ही इंडस्ट्री से मिले फीडबैक के बाद रिकवरी एजेंट के लिए जानकारी देने की शर्तों को आसान बनाया है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने रेगुलेटेड संस्थाओं के कामकाज और रिकवरी एजेंट को काम पर रखने के बारे में अपने निर्देशों में संशोधित किया है। इसके मुताबिक आरबीआई ने लेंडर्स को श्रस्ब्ध पर फाइनेंस किए गए मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप को धीरे-धीरे लॉक करने की इजाजत दे दी है। लोन पेमेंट में 30 से 60 दिन की देरी पर धीरे-धीरे डेवाइस पर पाबंदियां लगा सकता है। पुराने प्रस्ताव में लोन पेमेंट में 90 दिन की देरी होने तक ऐसी कार्रवाई पर रोक थी।

कैसे-कैसे लगेंगी पाबंदियां?

फाइनल नियमों के अनुसार, लेंडर्स तब तक कोई पाबंदी नहीं लगा सकते जब तक लोन की पेमेंट में कम से कम 30 दिन की देरी न हो जाए। साथ ही बैंकों को इस बारे में डिफॉल्टर को औपचारिक नोटिस भी भेजना होगा। पेमेंट में 30 से 60 दिन की देरी होने पर बैंक डिवाइस को लॉक करने की दिशा में धीरे-धीरे आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि इस दौरान आउटगोइंग कॉल ब्लॉक नहीं की जा सकतीं। कॉन्ट्रैक्ट के तहत पूरी पाबंदियां तभी लागू की जा सकती हैं जब लोन की पेमेंट में 60 दिन से ज्यादा की देरी हो जाए। साथ ही लोन लेने वालों के लिए भी सुरक्षा उपाय बनाए रखे हैं। इनकमिंग कॉल, और इमरजेंसी फीचर्स ब्लॉक नहीं किए जा सकते। आरबीआई का कहना है कि डेवाइस पर पाबंदियों के कारण डिफॉल्टर्स को काम या रोजगार से जुड़ी गतिविधियां करने से नहीं रोका जाना चाहिए।

बिना आईटीआर मिलेगा रिफंड दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आपकी इनकम पर कट जाता है, लेकिन आपकी कोई टैक्स देनदारी नहीं बनती, तो भविष्य में बिना आईटीआर दाखिल किए भी रिफंड मिल सकता है। इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें ऐसे लोगों के लिए ऑटोमेटिक टीडीएस रिफंड सिस्टम लागू करने की मांग की गई है। पीटीआई की खबर के मुताबिक याचिका में आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 433 को चुनौती दी गई है। इस धारा के तहत आईटीआर रिफंड पाने के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना जरूरी है। याचिकाकर्ता का कहना है कि जिन लोगों की कोई टैक्स देनदारी नहीं बनती और जिन्हें आईटीआर भरने की बाध्यता भी नहीं है, उन्हें केवल रिफंड लेने के लिए रिटर्न दाखिल करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस

जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर 2026 को होगी।

याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की है कि पात्र लोगों को बिना आईटीआर दाखिल किए टीडीएस रिफंड मिले। केंद्र सरकार और सीबीडीटी ऑटोमेटिक टीडीएस रिफंड सिस्टम लागू करें। जिन लोगों को आईटीआर भरने से छूट है, उनसे केवल रिफंड के लिए रिटर्न न मांगा जाए।याचिका में कहा गया है कि सरकार के पास पहले से ही पैन, आधार, फार्म और रिकॉर्ड मौजूद है।

किन लोगों को होगा फायदा?

याचिका के अनुसार मौजूदा व्यवस्था का सबसे ज्यादा असर सीनियर सिटिजन, कम आय वाले कर्मचारी, ब्लू-कॉलर वर्कर्स जैसे लोगों पर पड़ता है। ऐसे लोग जिनकी टैक्स देनदारी शून्य है लेकिन कट चुका है, उनपर भी बड़ा असर पड़ता है। इनमें से कई लोग केवल कुछ हजार रुपये का रिफंड लेने के लिए आईटीआर दाखिल नहीं कर पाते।

मौसम, मृत्यु, शेयर बाजार और महिलाओं के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज शेयर बाजार निवेशक और कारोबारी राकेश झुनझुनवाला को 'दलाल स्ट्रीट का बिग बुल' और ' भारत का वॉरेन बफे ' के नाम से जाना जाता था। उन्होंने अपनी समझ और लंबी अवधि के निवेश के दम पर शेयर बाजार में बड़ी संपत्ति बनाई। उनकी निवेश रणनीति में लंबी अवधि के लिए अच्छी कंपनियों के शेयर खरीदना और उनमें भरोसा बनाए रखना शामिल था। इसी वजह से उन्हें भारत के सबसे सफल निवेशकों में गिना गया। राकेश झुनझुनवाला का जन्म 5 जुलाई 1960 को हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही शेयर बाजार में निवेश शुरू कर दिया था। साल 1985 में उन्होंने महज 5000 रुपये से शेयर बाजार में कदम रखा। आगे चलकर यही छोटी रकम अरबों रुपये के पोर्टफोलियो में बदल गई। 14 अगस्त 2022 को 62 साल की उम्र में मुंबई में उनका निधन हो गया। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक होने के बावजूद झुनझुनवाला ने अपने जीवन के आखिरी दौर में एक बिल्कुल अलग क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने अकासा एयर की सह-स्थापना की। कम लागत वाली इस एयरलाइन ने अगस्त 2022 में अपनी पहली उड़ान शुरू की। फोर्ब्स के मुताबिक निधन के समय राकेश झुनझुनवाला की संपत्ति करीब 5.5 अरब डॉलर थी। वहीं, कुछ अनुमानों में उनकी नेटवर्थ करीब 5.8 अरब डॉलर बताई गई। उनका एक चर्चित विचार था कि भारत का भविष्य सूरज से भी ज्यादा चमकदार है। सफल निवेशक वही होते हैं जो सही मौके का फायदा उठाते हैं और हमेशा आशावादी रहते हैं। विकास अक्सर मुश्किल और

अस्थिर परिस्थितियों से ही निकलता है। विकास के लिए जो चीजें चाहिए, जैसे कौशल, जनसांख्यिकी आबादी, प्राकृतिक संसाधन, लोकतंत्र और उद्यमिता, वे भारत के पास प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। कोशिश करके असफल होना, कोशिश ही न करने से बेहतर है। मौसम, मृत्यु, शेयर बाजार और महिलाओं के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता। जिस तरह किसी महिला को पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता, उसी तरह शेयर बाजार को भी अपने नियंत्रण में नहीं रखा जा सकता। हमेशा भीड़ के उलट चलने की कोशिश करें। जब दूसरे लोग बेच रहे हों, तब खरीदें और जब दूसरे लोग खरीद रहे हों, तब बेचें। शेयर बाजार का सम्मान करें।

और खुले दिमाग से निवेश करें। यह समझें कि कितना पैसा लगाना है और कब नुकसान स्वीकार करके बाहर निकलना है। निवेश में जिम्मेदारी बेहद जरूरी है। मैंने कई गलतियां की हैं, लेकिन मेरी सफलताओं को मेरी असफलताओं की तुलना में कहीं ज्यादा प्रचार मिला। कभी भी जरूरत से ज्यादा महंगे मूल्यांकन पर निवेश न करें।

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर किसे देना होगा चार्ज? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कर दिया साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट से बैंकों और फाइनैंशल टेक्नॉलजी कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर में ज्यादा निवेश करने में मदद मिलेगी और इस निवेश के फायदे का उपयोग करने वाले सभी लोगों को मिलेंगे। उन्होंने संसद में पेश किए गए एक संशोधन विधेयक का जिक्र करते हुए यह बात कही, जिसको लेकर विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ऐसा अमेरिकी दबाव में किया गया।

लोकसभा ने गुरुवार को टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) बिल 2026 पास किया, जिसमें पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट 2007 के सेक्शन 10 में बदलाव करने का प्रस्ताव है। यह बिल सरकार को यूपीआई और रूपे कार्ड से होने वाले ट्रांजैक्शंस पर जीरो-एमडीआर की व्यवस्था में बदलाव करने का कानूनी आधार देता है। अभी बैंक

और पेमेंट सर्विस देने वाली कंपनियां और रूपे डेबिट कार्ड के जरिए पेमेंट के लिए यूजर्स से कोई चार्ज नहीं ले सकती हैं। वहीं, राज्यसभा ने गुरुवार को विनियोग विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसके तहत सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 में व्यय हुए अतिरिक्त खर्च के लिए संसद से मंजूरी मांगी थी। लोकसभा में गुरुवार को टैक्सेशन एंड अदर लॉ (अमेंडमेंट) बिल, 2026 पास हो गया। इस बिल में एक बदलाव ऐसा है जो सीधे तौर पर बिजनेस ट्रस्ट से जुड़ा है। पहले का नियम यह था कि अगर किसी ट्रस्ट ने ओल्ड टैक्स रीजीम चुनी थी, तो उसके यूनिट-होल्डर्स (निवेशकों) को डिविडेंड पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता था।

लेकिन, अगर ट्रस्ट न्यू टैक्स रीजीम चुन लेता था, तो निवेशकों को मिलने वाली टैक्स की यह छूट खत्म हो जाती थी। अब न्यू टैक्स रीजीम में भी है, तब भी निवेशकों को मिलने वाला डिविडेंड टैक्स-फ्री होगा। वहीं, सेबी के गुरुवार को जारी प्रस्ताव के तहत और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट को अब निर्माणाधीन संपत्तियों में छोटी हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति मिल सकती है।

अभी नहीं हुआ है फैसला

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस पर कहा, यह विधेयक एमडीआर लगाने का रास्ता खोलता है, जिसे भविष्य में आसानी से सभी प्रकार के डिजिटल भुगतान पर लागू किया जा सकता है। इसका बोझ आम लोगों पर पड़ेगा। सीतारमण ने कांग्रेस नेता के बयान पर कहा, 'अफवाह फैलाने से पहले इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। एमडीआर केवल मर्चेंट्स पर लागू होता है, यूजर्स या कंस्यूमर्स पर नहीं। अभी एनपीसीआई कीर अगुवाई वाली यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमिटी ने फैसला भी नहीं किया है। संसद से संशोधन विधेयक पास होने के बाद ही इस बारे में कोई फैसला होगा।'

जेल भरो अभियान की तैयारी तेज

कतरास-पंचगढ़ी में जन जागरण पदयात्रा □लगाए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करो के नारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, संयुक्त किसान मोर्चा तथा स्वतंत्र फेडरेशनों एवं यूनियनों के संयुक्त मंच के आह्वान पर 10 अगस्त को होने वाले विशाल विरोध प्रदर्शन एवं देशव्यापी जेल भरो अभियान की तैयारी को झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन एवं सेंट्रल ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन जिला कमेटी धनबाद के संयुक्त तत्वावधान में कतरास एवं पंचगढ़ी बाजार क्षेत्र में जन जागरण पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू सक्रिय रूप से शामिल हुए। पदयात्रा में अर्जुन मुखिया, कंचन महतो, रौनक सिन्हा, रियाजदीन अंसारी, उमेश ऋषी, ऋत्विक सिंह, पंकज दिनकर, मन्नू चौहान, मिन्हाज अंसारी, परवेज आलम सहित सैकड़ों की संख्या में श्रमिक, मजदूर, किसान, छात्र,

बुद्धिजीवी एवं आम नागरिक शामिल हुए। हाथों में बैनर और लाल झंडे लिए पदयात्रियों ने मजदूर-किसान एकता जिंदाबाद, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करो के नारे लगाए। पदयात्रा के दौरान विभिन्न चौक-चौराहों एवं बाजार क्षेत्रों में नुक्कड़ सभा कर लोगों को 10 अगस्त के अभियान के उद्देश्य से अवगत कराया गया। इस अवसर पर रतिलाल टुडू ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक अधिकारों, संविधान और संघीय ढांचे पर लगातार हमले हो रहे हैं। महंगाई, बेरोजगारी, श्रमिकों के अधिकारों के हनन तथा कॉरपोरेट हितों को बढ़ावा देने जैसे मूल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। दमनकारी कानूनों के माध्यम से विरोध और हड़ताल जैसे लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि गरीबों, वंचितों, किसानों, मजदूरों एवं प्रवासी श्रमिकों के नागरिक और मतदान संबंधी अधिकारों के प्रयोग में भी लगातार बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं। ऐसे समय में एकजुट होकर सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ने की जरूरत है। सीटू मजदूर नेता राजेन्द्र प्रसाद राजा ने कहा कि संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए सभी वर्गों का एकजुट होना समय की आवश्यकता है।

पदयात्रा के अंत में वक्ताओं ने लोगों से 10 अगस्त को आयोजित विरोध प्रदर्शन एवं देशव्यापी जेल भरो अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर लोकतंत्र, संविधान और जनहित की रक्षा के इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील की। कार्यक्रम का समापन मजदूर-किसान एकता और सामाजिक न्याय के संकल्प के साथ हुआ।

बंद घर से करोड़ों के जेवरात की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसमार। कसमार थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। दांतु बाजारटांड़ स्थित दुर्गा मड़ई मंदिर के समीप एक बंद मकान को चोरों ने फिर निशाना बनाते हुए करीब दो करोड़ रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घर में एक साल पहले भी चोरी हुई थी। बेखौफ चोर ताला तोड़कर करीब 10 किलोग्राम चांदी (कीमत करीब 24 लाख रुपये), एक किलोग्राम सोने के जेवरात (कीमत करीब 1.45 करोड़ रुपये), 54,260 रुपये नकद, सीसीटीवी के उपकरण समेत तांबे-पीतल के बर्तन लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

गृहस्वामी कैलाश कुमार नायक ने घटना के संबंध मे कसमार थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता ने बताया है कि वे बीते पांच अगस्त को चिनिया गढ़ा (पतकी) स्थित अपनी दीदी के घर गए हुए थे। मूसलाधार बारिश के कारण वे रात में वापस नहीं लौट सके। छह अगस्त की सुबह जब उन्होंने अपने मोबाइल से घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की लाइव फीड चेक की, तो सभी कैमरे आफलाइन दिखे। इसके बाद वह लौटे।

बोकारो आदिवासी महोत्सव की तैयारियों की डीडीसी ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने आगामी 09 अगस्त को शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) सभागार विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले बोकारो आदिवासी महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में महोत्सव से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की श्रेणीवार समीक्षा की गई। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंच एवं पंडाल व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा, पार्किंग, अतिथि सत्कार, प्रचार-प्रसार तथा अन्य

9 अगस्त को आदिवासी लोक गीत के साथ गूंजेगा मांदर एवं नगाड़े की थाप

आवश्यक व्यवस्थाओं की प्रगति का विस्तार से संबंधित पदाधिकारियों से जायजा लिया।

डीडीसी ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला, परंपरा एवं जीवन शैली को व्यापक मंच प्रदान करना है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि उन्हें सौंपे गए दायित्वों का ससमय एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करें तथा सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। साथ ही विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए आयोजन को भव्य, आकर्षक एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया।

बैठक में महोत्सव के मुख्य आकर्षणों की भी समीक्षा की गई। इनमें मांदर एवं नगाड़े की थाप पर पारंपरिक आदिवासी लोकनृत्य, पारंपरिक हस्तशिल्प प्रदर्शनी, आदिवासी परिधान फैशन शो, पारंपरिक जनजातीय खान-पान, आदिवासी लोक चित्रकला प्रदर्शनी तथा आदिवासी विचार-दर्शन पर परिचर्चा प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बैठक में आयोजन से जुड़े विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

अगले माह कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

आसनसोल मंडल में चल रहा विकास कार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में विकास कार्य के कारण सितंबर में कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। इसका सीधा असर रांची और हटिया से चलने वाली कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों पर भी पड़ेगा।

रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार रांची-गोड्डा एक्सप्रेस, रांची-गोरखपुर एक्सप्रेस और हटिया-बर्द्धमान एक्सप्रेस के परिचालन में बदलाव किया गया है। वहीं कई अन्य ट्रेनों को भी अलग-अलग तिथियों में रद किया गया है।

ट्रेन संख्या 18603 रांची-गोड्डा एक्सप्रेस 24 और 26 सितंबर को रद रहेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 18604 गोड्डा-रांची एक्सप्रेस 25 और 27 सितंबर को रद रहेगी। इससे इन तिथियों में रांची और गोड्डा के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है।

ट्रेन संख्या 18629 रांची-गोरखपुर एक्सप्रेस 25 सितंबर को रद रहेगी। वहीं ट्रेन संख्या 18630 गोरखपुर-रांची एक्सप्रेस 26 सितंबर को रद रहेगी। इन दोनों ट्रेनों के यात्रियों को संबंधित तिथि में यात्रा के लिए वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था करनी होगी।

ट्रेन संख्या 13503 बर्द्धमान-हटिया एक्सप्रेस 24, 25, 26 और 27 सितंबर को आसनसोल तक ही चलेगी। इन तिथियों में ट्रेन का परिचालन आसनसोल में ही समाप्त कर दिया जाएगा।

वापसी में ट्रेन संख्या 13504 हटिया-बर्द्धमान एक्सप्रेस निर्धारित तिथियों में हटिया से नहीं, बल्कि आसनसोल से ही खुलेगी। यानी यात्रियों को हटिया और आसनसोल के बीच की यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी।

ट्रेन संख्या 18105 राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस 24 और 26 सितंबर को रद रहेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 18106 जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस 25 और 27 सितंबर को रद रहेगी। ट्रेन संख्या 18119 टाटानगर-जयनगर एक्सप्रेस 25 सितंबर को तथा ट्रेन संख्या 18120 जयनगर-टाटानगर एक्सप्रेस 26 सितंबर को रद रहेगी।

महिला से छीनतई

जमशेदपुर। मानगो के ओलीडीह थाना क्षेत्र में अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देर रात शंकोसाई में तीन अपराधियों ने एक महिला को सुनसान रास्ते से जंगल की ओर घसीटकर उसकी सोने की चेन और कान की बाली लूट ली। विरोध करने पर बदमाशों ने महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसके नाक और मुंह में चोट का इलाज चल रहा है।

मंजू देवी ने बताया कि वह शंकोसाई से दवा खरीदकर तुरियाबेड़ा की ओर पैदल लौट रही थीं। इसी दौरान तीन अपराधियों ने उन्हें रोक लिया और जबरन जंगल की ओर घसीट ले गए। वहां जमीन पर पटककर गले से सोने की चेन और कान की एक बाली लूट ली।

विरोध करने पर बदमाशों ने उनकी पिटाई कर दी और अलग-अलग दिशाओं में फरार हो गए। घटना के बाद महिला के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

अंचल नाजिर को निगरानी ने दबोचा

बेटी की डूबने से हुई थी मौत, मुआवजे हेतु मांगा था चार हजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (निगरानी विभाग) की टीम ने आज बेगूसराय में बड़ी कार्रवाई करते हुए सदर अंचल कार्यालय के लिपिक और प्रभारी नाजिर सोनू कुमार को चार हजार रुपया रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

नीमा चांदपुरा की रहने वाली दौलती देवी के बेटी की डूबने से हुई मौत का मुआवजा मिलना था। सोनू कुमार ने इसके लिए पहले 8000 मांगा था। नहीं देने पर मुआवजा राशि का भुगतान नहीं कर रहा था। काफी गुहार लगाए जाने के बाद भी जब उसने कुछ नहीं सुना तो परेशान होकर दौलती देवी ने निगरानी विभाग में शिकायत की।

सत्यापन में मामला सही पाए जाने के बाद आज निगरानी विभाग के डीएसपी श्याम बाबू प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने सदर अंचल कार्यालय पहुंचकर घेराबंदी कर दिया। पीड़िता दौलती देवी ने ज्यों ही सोनू कुमार के हाथ में 4000 रुपया दिया कि उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में पीड़िता दौलती देवी ने बताया कि 3 अक्टूबर 2025 (छठ का नहाए खाय) को मेरी बेटी रानी कुमारी की बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से मौत हो गई थी। जिसके लिए 400000 का मुआवजा राशि मिलना था। लगातार कार्यालय जा रहे थे, लेकिन पैसा नहीं मिल रहा था।

हमने सोनू कुमार से संपर्क किया तो उसने 8000 हजार रुपया मांगा। हम बहुत गरीब थे, देने के लिए तैयार नहीं हुए तो 5000 मांगा और अंत में 4000 में मुआवजा भुगतान नहीं कराने की बात कही। 15 दिन से लगातार पैसा मांग रहा था। जब वह कुछ सुनाने के लिए तैयार नहीं हुआ तो मजबूर होकर पटना में जाकर शिकायत किए। आज पैसा लेते ही उसे पकड़ा गया है।

निगरानी विभाग के डीएसपी श्याम बाबू प्रसाद ने बताया कि चांदपुरा गांव की रहने वाली दौलती देवी की बेटी रानी कुमारी की 2025 में डूबने से मौत हो गई थी। उसमें सरकार द्वारा मिलने वाली मुआवजा राशि 400000 रुपया मिलना था। लेकिन सदर अंचल के क्लर्क सोनू कुमार 4000 रुपये लिए बगैर भुगतान नहीं कराने की बात कही।

लाखों के गहने और नकदी लेकर पत्नी लापता

बक्सर। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव से विवाहिता के लापता होने और उसके साथ घर में रखी नकदी तथा लाखों रुपये मूल्य के आभूषण गायब होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पति की शिकायत पर कृष्णाब्रह्म थाना में प्राथमिकी की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस को दिए आवेदन में पति ने बताया है कि वह गुजरात के सूरत स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत है और रोजगार के कारण बाहर रहता है। घर पर उसकी मां और पत्नी रहती थीं। आरोप है कि एक अगस्त की सुबह उसकी मां बहू के कमरे में पहुंचीं तो वह वहां नहीं मिली। आसपास और रिश्तेदारी में काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।परिजनों का आरोप है कि इसके बाद अलमारी की जांच करने पर उसमें रखे 50 हजार रुपये नकद तथा करीब सात लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण भी गायब मिले। पहले परिवार ने अपने स्तर पर विवाहिता की खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर घटना की सूचना पति को दी गई। सूचना मिलते ही वह सूरत से घर पहुंचा और पूरे मामले की जानकारी लेने के बाद कृष्णाब्रह्म थाना में आवेदन देकर पत्नी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई।कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मतदाता सूची में त्रुटियों के सुधार का कार्य शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। जिला प्रशासन ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और त्रुटियों के सुधार के लिए बूथवार पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। प्रशासन की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, योग्य मतदाता संबंधित पदाधिकारियों के समक्ष आवेदन देकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने या आवश्यक संशोधन कराने के लिए दावा-आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र संख्या 80 के अंतर्गत बूथ संख्या 73 से 120 तथा 195 से 216 तक के लिए गढ़वा अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बूथ संख्या 216 से 253 और 330 से 362 तक के लिए चिनियां के बीडीओ सुबोध कुमार को नामित किया गया है।

इसी प्रकार बूथ संख्या 121 से 194 तक के लिए अंचल अधिकारी गढ़वा (सीओ) ओम प्रियदर्शी गुप्ता, बूथ संख्या 363 से 433 तक के लिए रंका बीडीओ शुभम बेला टोप्पो, बूथ संख्या 259 से 329 तक के लिए डंडा बीडीओ प्रताप मिंज तथा बूथ संख्या एक से 72 तक के लिए मेराल बीडीओ यशवंत नायक को जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार बूथ नंबर 254 से 258 एवं 434 से 488 के लिए बीडीओ रमकंडा संजय कुमार कोंगरी के पास दावा आपत्ति कर सकते हैं । प्रशासन की ओर से भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र संख्या 81 के लिए भी अलग-अलग पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। संबंधित क्षेत्रों के मतदाता निर्धारित पदाधिकारियों के समक्ष अपना दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अवधि पांच अगस्त से चार सितंबर तक निर्धारित की गई है। इस दौरान प्राप्त सभी आवेदनों की जांच कर उनका निपटारा किया जाएगा। जिला प्रशासन ने बताया कि सात अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

स्तनपान के गुण बतला रही महिलाएं

हाजीपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत बिदुलिया गांव में आयोजित जागरूकता बैठक में ग्रामीण समाज की बदलती सोच की सकारात्मक तस्वीर सामने आई। सीएचओ लीड रोगी हितधारक मंच की पहल पर आयोजित बैठक में बुजुर्ग महिलाओं ने स्वयं आगे बढ़कर बहुओं को स्तनपान के लाभ बताए और शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने पर जोर दिया। बैठक में समुदाय के विभिन्न वर्गों की मौजूदगी में खुशबू कुमारी, कोमल कुमारी और प्रियंका ने स्तनपान से जुड़े मिथकों, सही आदतों और मातृ-पोषण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों ने शिशु को जन्म के बाद छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। परिचर्चा में शामिल शकुंतला देवी ने कहा कि अब परिवारों में सास की भूमिका सकारात्मक रूप से बदल रही है। वे पुरानी मान्यताओं और भ्रांतियों से आगे बढ़कर स्तनपान के वैज्ञानिक लाभों को समझ रही हैं तथा बहुओं को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं।

मॉब लिचिंग मामले में दो दारोगा समेत चार निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। टंडवा थाना क्षेत्र के बड़गांव में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर युवक मो. इमरोज की हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए दो दारोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दुष्कर्म के आरोप पर भीड़ उग्र थी।घटना के दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर मो. इमरोज और उसके पिता सुल्तान मियां को उग्र भीड़ से बचाने के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टंडवा थाना के अवर निरीक्षक सुनील सिंह एवं दुलारी पूर्ति तथा आरक्षी दशरथ महतो और प्रदीप कुमार को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में चारों का मुख्यालय पुलिस केंद्र, चतरा निर्धारित किया गया है तथा इनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू करने का भी आदेश दिया गया है। एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि बड़गांव में नाबालिग लड़की के अपहरण एवं दुष्कर्म के आरोप को लेकर उग्र ग्रामीणों ने पिता-पुत्र के साथ मारपीट की थी।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर त्वरित कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों से मिली शिकायत के बाद पूरे मामले की जांच के लिए टंडवा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जांच का दायित्व सौंपा गया था।

जांच रिपोर्ट की समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ कि मौके पर तैनात पुलिस पदाधिकारी एवं जवान भीड़ से दोनों को सुरक्षित निकालने के लिए अपेक्षित एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सके। मारपीट में गंभीर रूप से घायल मो. इमरोज और उनके पिता को अस्पताल भेजा गया था।

बाद में इमरोज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे शेख भिखारी मेडिकल किलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस की छवि को धूमिल करने वाली किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

छात्रों ने रंगोली से दिया स्वच्छता का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा (नालंदा)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को नगरनौसा प्रखंड परिसर में स्वच्छता के प्रति समर्पित छात्र-छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का आकर्षक लोगो एवं टैगलाइन ₹एक कदम स्वच्छता की ओर₹ की सुंदर आकृति तैयार की। रंग-बिरंगी रंगोली ने न केवल परिसर की शोभा बढ़ाई, बल्कि वहां आने वाले लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक होने का प्रेरक संदेश भी दिया।रंगोली का निर्माण छात्र-छात्राओं नसुहानी कुमारी, स्वीटी कुमारी, मधु कुमारी, चांदनी कुमारी, सोनी कुमारी एवं चंद्रजीत कुमार ने सामूहिक रूप से किया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रतीक चश्मा और मिशन की टैगलाइन को बेहद आकर्षक ढंग से उकेरा, जिसकी सभी ने सराहना की।स्वच्छता पर्यवेक्षक पवन कुमार ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत लोगों

में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इस रंगोली का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। ऐसे रचनात्मक कार्यक्रमों से लोगों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की प्रेरणा मिलती है।बीडीओ ओमप्रकाश कुमार ने रंगोली का अवलोकन कर छात्र-छात्राओं के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने में युवाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास भी कराते हैं।इस अवसर पर प्रखंड समन्वयक आलोक आनंद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया।

स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मां के दूध को बताया नवजात का पहला टीका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शुक्रवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर टाटा मेन हॉस्पिटल में स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. कोमल सिंह, डॉ. अभिषेक, डॉ. अभिजीत मंडल एवं डॉ. अर्पण ने उपस्थित माताओं, परिजनों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को स्तनपान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने कहा कि मां का दूध नवजात शिशु के लिए सबसे सुरक्षित, संपूर्ण और प्राकृतिक आहार है। जन्म के पहले घंटे के भीतर मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) बच्चे को अवश्य पिलाना चाहिए। इसे नवजात शिशु का ₹पहला टीका (फर्स्ट वैक्सीन)₹ माना जाता है, जो संक्रमण, पीलिया और कई गंभीर बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉक्टरों ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सिफारिश के अनुसार जन्म से लेकर पहले छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस दौरान पानी, शहद, घुट्टी या अन्य किसी प्रकार के आहार की आवश्यकता नहीं होती। छह माह के बाद मां के दूध के साथ-साथ पूरक आहार शुरू किया जाना चाहिए।

डॉ. कोमल सिंह ने कहा कि स्तनपान से शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है तथा उसका शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है। वहीं डॉ. अभिजीत मंडल ने बताया कि स्तनपान कराने से भविष्य में मोटापा, मधुमेह और निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

डॉ. अभिषेक ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु के लिए ही नहीं, बल्कि मां के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इससे प्रसव के बाद

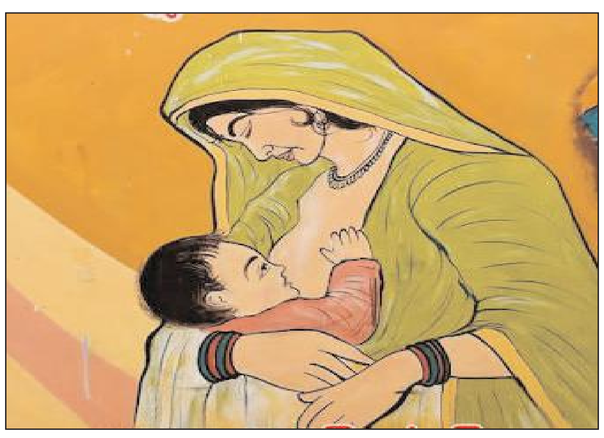

शरीर जल्दी स्वस्थ होता है तथा स्तन कैंसर, ओवेरियन कैंसर और प्रसवोत्तर अवसाद (पोस्टपार्टम डिप्रेशन) का जोखिम कम होता है। डॉ. अर्पण ने कहा कि स्तनपान मां और शिशु के बीच भावनात्मक संबंध को भी मजबूत बनाता है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि स्तनपान केवल मां की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

परिवार के सदस्यों को स्तनपान कराने वाली माताओं को उचित पोषण, सहयोग और मानसिक समर्थन देना चाहिए। साथ ही कार्यस्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर भी स्तनपान के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है।कार्यक्रम के अंत में सभी विशेषज्ञों ने लोगों से स्तनपान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने तथा अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने की अपील की।

हाटिंग बस्ती के 300 परिवारों के समक्ष पानी का संकट

लोगों ने की पेयजल संकट के स्थायी समाधान की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला के किरीबुरू थाना क्षेत्र की गाड़ा हाटिंग बस्ती में इन दिनों पेयजल संकट गंभीर होता जा रहा है।

करीब 300 परिवारों की आबादी वाली इस बस्ती में पेयजल आपूर्ति के लिए सेल प्रबंधन की ओर से केवल एक पाइपलाइन की व्यवस्था है।

इसी पाइपलाइन से प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक मात्र दो घंटे पानी की आपूर्ति की जाती है, जिससे सभी परिवारों की जरूरत पूरी नहीं हो पा रही है।

जलापूर्ति शुरू होते ही पाइपलाइन के पास पानी भरने के लिए लोगों की लंबी कतार लग जाती है। सीमित समय में पर्याप्त पानी नहीं मिल पाने के कारण कई परिवारों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर महिलाओं को घरेलू जरूरतों के लिए पानी संग्रह करने में काफी कठिनाई होती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि गाड़ा हाटिंग में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई है। बस्ती की बढ़ती आबादी के बावजूद अब तक दूसरी पाइपलाइन या वैकल्पिक जलापूर्ति की व्यवस्था नहीं की गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार सेल प्रबंधन और प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी की मांग और बढ़ जाती है। ऐसे में केवल दो घंटे की जलापूर्ति पूरे दिन की जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने सेल प्रबंधन एवं जिला प्रशासन से बस्ती में अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाने, जलापूर्ति का समय बढ़ाने तथा पेयजल संकट के स्थायी समाधान की मांग की है।

इंस्पेक्टर की पत्नी ने मचायी उत्पात

भागलपुर। सैंडिस कंपाउंड स्थित जिम सेंटर में गुरुवार को बांका के रजौन थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर महेश कुमार की पत्नी स्नेहा कुमारी अपने दो सहयोगियों के साथ पहुंचकर जमकर उत्पात मचाया। जिम ट्रेनर आकाश दीप के साथ गाली-गलौज कर उसे जिम के कार्यालय कक्ष में बंद कर पाइप स्टीक और लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट कर जख्मी कर दिया। मारपीट कर तीनों वहां से निकल कर भाग निकले।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ने 25 की उम्र में लिया संन्यास

चोट के कारण 1 साल से ज्यादा समय से मैदान से था दूर

नई दिल्ली। हैम्पशायर के तेज गेंदबाज जॉन टर्नर ने 25 साल की उम्र में प्रोफेशनल क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा कर दी है। चोट के कारण वह एक साल से ज्यादा समय तक मैदान से दूर थे। उन्होंने 2024 में इंग्लैंड के लिए चार मैच खेले थे। जोहान्सबर्ग में जन्मे इस तेज गेंदबाज का हैम्पशायर के साथ कॉन्ट्रैक्ट

अभी भी दो साल बाकी था और पिछले साल के आखिर तक उनके पास इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) का डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट था। उन्होंने 2024 के आखिर में इंग्लैंड के वेस्टइंडीज दौरे पर दो वनडे और दो टी20 मैच खेले। इसमें उन्होंने तीन विकेट लिए। टर्नर का घरेलू सर्किट में शानदार रिकॉर्ड है। टर्नर ने अपने बयान में कहा, 'प्रोफेशनल और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना हमेशा से मेरा सपना था और हैम्पशायर और इंग्लैंड के लिए ऐसा करना मेरे बचपन के सपनों को जीने जैसा है। मैंने खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह मेरे लिए सबसे मुश्किल फैसलों में से एक रहा है। स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से मैं एक साल से ज्यादा समय से बाहर रहा।

चोट के कारण संन्यास

टर्नर ने कहा, 'लगातार चोट ने मुझे एक क्रिकेटर के तौर पर और खेल से दूर अपने भविष्य के बारे में सोचने पर मजबूर किया। इसके बाद मैंने तय किया कि अब अपनी अगली चुनौती का सामना करने का सही समय है। हैम्पशायर के लिए खुद को एक प्रोफेशनल क्रिकेटर कहने वाले पांच साल मेरे लिए सबसे अच्छे पांच साल रहे हैं।'

साउथ अफ्रीका से इंग्लैंड कैसे पहुंचे टर्नर- टर्नर ने साउथ अफ्रीका के सबसे जाने-माने स्कूलों में से एक हिल्टन कॉलेज में पढ़ाई की। मां के अंग्रेज होने के कारण उन्हें ब्रिटिश पासपोर्ट मिला। वह यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन चले गए। एक ट्रायल में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद वह 2021 में हैम्पशायर में शामिल हुए।

सागर धनखड़ हत्याकांड

सुशील कुमार को हाई कोर्ट से नहीं मिली नियमित जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को मई 2021 के सागर धनखड़ मर्डर केस में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार की नियमित जमानत अर्जी खारिज कर दी। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने जमानत अर्जी खारिज की। विस्तृत आदेश का इंतजार है। सुशील कुमार ने अधिवक्ता साहिल मलिक के जरिये दिल्ली हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। सुशील कुमार ने बदली हुई

परिस्थितियों का हवाला देते हुए नियमित जमानत मांगी थी। दावा किया गया था कि रोहिणी कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के सभी अहम गवाहों से पूछताछ की है।

इससे पहले छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के सामने मृतक के पिता की वकील जोशिनि तुली ने जमानत अर्जी का विरोध किया था। सुशील कुमार को दिल्ली हाई कोर्ट ने मार्च 2025 में नियमित जमानत दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 13 अगस्त 2025 को यह कहते हुए जमानत रद्द कर दी कि अभी अहम गवाहों से पूछताछ बाकी है।

यशस्वी के निशाने पर होगा मो. रिजवान का रिकॉर्ड

35 रन बनाते ही WTC में पाकिस्तानी बल्लेबाज छोड़ देंगे पीछे

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल जब श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मैदान पर उतरेंगे तब उनके निशाने पर पाकिस्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान का बड़ा रिकॉर्ड होगा। यशस्वी जायसवाल का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक भारत के लिए शानदार प्रदर्शन रहा है और वो भारत की तरफ से इस टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे स्थान पर हैं।

यशस्वी के निशाने पर रिजवान का रिकॉर्ड

यशस्वी जायसवाल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक भारत के लिए कुल 28 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2511 रन बनाए हैं। वहीं पाकिस्तानी बैटर मोहम्मद रिजवान की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 42 टेस्ट मैचों में 2542 रन बनाए हैं। अब श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में यशस्वी जैसे ही 32 रन

बनाएंगे वो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में रन बनाने के मामले में रिजवान से आगे निकल जाएंगे। यशस्वी इस रिकॉर्ड को आसानी से तोड़ सकते हैं और रिजवान से आगे निकल सकते हैं। यशस्वी की बात करें तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में उन्होंने भारत के लिए अब तक खेले 28 मैचों में 49.23 की औसत से 2511 रन बनाए है। यशस्वी ने इन मैचों में 7 शतक और 13 अर्धशतकीय पारी खेली थी। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में नाबाद 214 रन रहा है जबकि उनके बल्ले से इन मैचों में 312 चौके और 45 छक्के निकले हैं। यशस्वी ने अब तक इन मैचों में कुल 3803 गेंदों का सामना किया है साथ ही 2 बार नाबाद रहे हैं और 6 बार डक पर आउट हुए हैं।

टॉप-10 बल्लेबाज

शुभमन गिल	2843 रन
ऋषभ पंत	2780 रन
रोहित शर्मा	2716 रन
विराट कोहली	2617 रन
रविंद्र जडेजा	2610 रन
यशस्वी जायसवाल	2511 रन
केएल राहुल	2148 रन
चेतेश्वर पुजारा	1769 रन
मयंक अग्रवाल	1293 रन
आर अश्विन	1142 रन

कुलदीप यादव ने तोड़ी पार्टनरशिप, बंडारा को आउट कर श्रीलंका को दिया छठा झटका

नई दिल्ली। टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका दौरे पर गई टीम इंडिया आज अभ्यास मैच में उतरी है। भारतीय टीम तीन दिवसीय मैच में श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ अपनी तैयारियों को परखेगी, लेकिन परेशान करने वाली बाते है कि इसमें कप्तान शुभमन गिल नहीं हैं। गिल चोट के कारण ये मैच नहीं खेल रहे हैं।

श्रीलंका का स्कोर 300 के पार

श्रीलंकाई टीम ने पहले ही दिन कमाल की बल्लेबाजी की है और अपना स्कोर 300 के पार पहुंचा दिया है। भारतीय टीम ने विकेट लेकर वापसी करने की कोशिश की है, लेकिन श्रीलंका अभी भी एक कदम आगे है।

भारत को मिली छठी सफलता

कुलदीप यादव ने 72वें ओवर की पहली ही गेंद पर अंजाला बंडारा को आउट कर भारत को छठी सफलता दिला दी है। कुलदीप की गेंद पर वह पढ़ नहीं पाए और गेंद सीधे पैड पर लगी। टीम इंडिया ने अपील की और अंपयार ने उन्हें आउट दे दिया।

दूसरा सेशन भारत के नाम

पहले सेशन में विकेटों को तरसने वाली टीम इंडिया ने दूसरे सेशन में काफी हद तक वापसी की है और तीन विकेट अपने नाम किए हैं। दूसरे सेशन के बाद श्रीलंका का स्कोर चार विकेट खोकर 246 रन है।

महिला एशिया कप 2026 का शेड्यूल हुआ जारी

भारत-पाक मुकाबला 5 सितंबर को

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल गुरुवार, 6 अगस्त को घोषित कर दिया गया। इस टूर्नामेंट में एशियाई टीमें हिस्सा लेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर रहने वाली है। महिला एशिया कप का छठा संस्करण टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा जिसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी और उन्हें चार-चार टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है।

महिला एशिया कप 2024 के फाइनल में भारत को हराकर श्रीलंका मौजूदा चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में उतरेगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने कन्फर्म किया है कि विमेंस एशिया कप 2026 दुबई में 28 अगस्त से शुरू होगा और इसका फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल

- 28 अगस्त- थाईलैंड बनाम हांगकांग, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 29 अगस्त- श्रीलंका बनाम यूएई, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 30 अगस्त- भारत बनाम थाईलैंड, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 31 अगस्त- बांग्लादेश बनाम इंडोनेशिया, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 1 सितंबर- पाकिस्तान बनाम थाईलैंड, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 2 सितंबर- श्रीलंका बनाम इंडोनेशिया, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 3 सितंबर- भारत बनाम हांगकांग, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 4 सितंबर- यूएई बनाम इंडोनेशिया, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 5 सितंबर- भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 6 सितंबर- श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 7 सितंबर- पाकिस्तान बनाम हांगकांग, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 8 सितंबर- बांग्लादेश बनाम यूएई, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 10 सितंबर- सेमी-फाइनल 1, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 11 सितंबर- सेमी-फाइनल 2, दुबई- शाम 6 :30 बजे
- 13 सितंबर- फाइनल, दुबई- शाम 6 :30 बजे

लियोनेल मेसी का चला जादू

- टीम के लिए किए 2 गोल, इंटर मियामी ने एटलेटिको सैन लुइस को 4-2 से हराया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल 19 जुलाई को खेला गया था और इस मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इस दिल तोड़ने वाली हार के बाद अब मेसी फिर से एक्शन में नजर आए और उन्होंने लीग्स कप में अपनी टीम इंटर मियामी का प्रतिनिधित्व किया। इंटर मियानी ने लीग्स कप में एटलेटिको सैन लुइस को 4-2 से हराने में सफलता हासिल की और इसमें मेसी ने अपनी टीम के लिए 2 गोल दागे और शानदार लय में नजर आए।

मेसी ने टीम के लिए किए दो गोल- 39 साल के मेसी ने इसी टूर्नामेंट में शनिवार को कोलंबस क्रू के साथ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में सब्स्टीट्यूट के तौर पर 37 मिनट खेले थे। मेसी ने

एटलेटिको सैन लुइस के खिलाफ 11वें और 44वें मिनट में गोल किए और अब लीग कप के 12 मैचों में उनके 14 गोल हो गए हैं जो इस टूर्नामेंट के चार साल के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में लॉस एंजिल्स एफसी के डेनिस बुआंगा से एक ज्यादा है। इस मुकाबले में इंटर मियानी के लिए मेसी के अलावा टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकेल ने भी गोल किए और नोआ एलन ने तीन असिस्ट किए जिससे इंटर मियामी का बिना हारे लगातार आठ मैच खेलने का सिलसिला जारी रहा।

एशियाई खेलों से पहले भारतीय निशानेबाजी में विवाद

राष्ट्रीय शॉटगन कोच पर हितों के टकराव के आरोप

नई दिल्ली। आगामी एशियाई खेलों की तैयारियों से जुड़े भारत के एक शीर्ष राष्ट्रीय शॉटगन कोच पर चेन्नई में निशानेबाजी परिसर के निर्माण का ठेका हासिल करने के प्रयास को लेकर हितों के टकराव के आरोप लगे हैं। मामले की शिकायत मिलने के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने इसकी जांच के निर्देश दिए हैं।

मीडिया सूत्रों के अनुसार संबंधित कोच भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अंतर्गत भारत के शीर्ष शॉटगन निशानेबाजों को ओलंपिक, आईएसएसएफ विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षण देते हैं। साई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया, खेल प्राधिकरण के मुख्यालय को इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है। स्टेडियम विभाग और दिल्ली क्षेत्रीय निदेशक को इसकी जांच करने के लिए कहा गया है। मुझे अब तक इस मामले से जुड़ी जांच रिपोर्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''शिकायतकर्ता का नाम मुझे याद नहीं है, लेकिन शिकायत नाम सहित दर्ज कराई गई है। यह गुमनाम शिकायत नहीं है, इसलिए सरकारी प्रक्रिया के अनुसार इसकी विधिवत जांच की जाएगी।'' एक पूर्व निशानेबाज ने पीटीआई से बातचीत में दावा किया कि यह शिकायत चेन्नई में निशानेबाजी परिसर निर्माण के ठेके से जुड़ी है।

निशानेबाज के अनुसार निविदा प्रक्रिया में असफल रहने वाले एक बोलीदाता ने पूरे मामले को सतर्कता विभाग (विजिलेंस) के समक्ष उठाया है। सूत्र ने बताया, ''चेन्नई में लगभग 15-16 करोड़ रुपये की लागत से पांच 'शॉटगन रेंज' बनाई जानी थीं। संबंधित शॉटगन कोच ने भी इस ठेके के लिए आवेदन किया था। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी बोलीदाता ने विजिलेंस विभाग में शिकायत दर्ज कराई।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि लंबित जांच के कारण संबंधित कोच को 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय कोचिंग दल से बाहर रखा जा सकता है। सूत्र के मुताबिक, ''राष्ट्रीय राइफल संघ भी जांच पूरी होने तक उन्हें एशियाई खेलों के लिए कोचों की सूची से बाहर कर सकता है।''

इस संबंध में पूछे जाने पर एनआरएआई के महासचिव पवन कुमार सिंह ने मोबाइल पर भेजे संदेश के जरिये बताया कि वह विमान में होने के कारण टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं। महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने फोन कॉल, संदेश और व्हाट्सऐप पर भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। एनआरएआई की ओर से जनसंपर्क एजेंसी द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''महासंघ को किसी भी कोच की निजी व्यावसायिक या कारोबारी गतिविधियों की जानकारी नहीं है।'

न्यू दिल्ली टाइगर्स-पुरानी दिल्ली 6 मैच के बाद अंक तालिका, टॉप-5 बल्लेबाज यश दुल शीर्ष पर

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 (DPL 2026) के 13वें मैच में पुरानी दिल्ली 6 ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 27 रनों से हरा दिया। आर्यन गौर की 91 रनों की पारी के बदौलत पुरानी दिल्ली ने 8 विकेट पर 177 रन बनाए। इसके जवाब में न्यू दिल्ली टाइगर्स 8 विकेट पर 150 रन ही बना पाई। पुरानी दिल्ली 6 ने दूसरी जीत दर्ज की और वह अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है। न्यू दिल्ली टाइगर्स तीसरा मैच हार गई। वह अंक तालिका में छठे नंबर पर है। सेंट्रल दिल्ली किंग्स 4 में से 4 मैच जीतकर शीर्ष पर है। आउट दिल्ली वॉरियर्स 3 में से 2 मैच जीतकर दूसरे नंबर पर है। वेस्ट दिल्ली लायंस 3 मैच में 2 जीत के साथ चौथ नंबर पर

है। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स पांचवें नंबर पर है। साउथ दिल्ली सुपर स्टार्स 7 वें नंबर पर है। ईस्ट दिल्ली राइडर्स का खाता नहीं खुला है।

टॉप-5 बल्लेबाज

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में टॉप-5 बल्लेबाजों की बात करें तो यश दुल शीर्ष पर हैं। उन्होंने 4 पारियों में 217 रन बनाए हैं। अनुज रावत ने 4 पारियों में 167 रन बनाए हैं। लक्ष्य थरेजा ने 4 पारियों में 163 रन बनाए हैं। सार्थक रंजन ने 2 पारियों में 159 रन बनाए हैं। यजस शर्मा ने 3 पारियों में 155 रन बनाए हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग में पहुंचे हरभजन सिंह

डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने सम्मानित किया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह गुरुवार को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में शामिल हुए, जहां दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने उन्हें सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान रोहन जेटली ने हरभजन सिंह का स्वागत करते हुए भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को सराहा। इस मौके पर स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों ने तालियां बजाकर पूर्व क्रिकेटर का स्वागत किया। 'टर्बनेटर' नाम से मशहूर हरभजन सिंह ने साल 1998 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। उन्होंने भारत के लिए 103 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 32.46 की औसत के साथ 417 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 236 वनडे मुकाबलों में 269 विकेट अपने नाम किए। वहीं, 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इस दाएं हाथ के स्पिनर ने 25 विकेट चटकाए। भारत के सबसे मशहूर ऑफ-स्पिनर्स में से एक, हरभजन सिंह की मौजूदगी ने दिल्ली प्रीमियर लीग के उत्साह को और बढ़ा दिया है।

भाजपा नगर मंडल की बैठक में संगठन मजबूती पर मंथन

एसआइआर और बूथ सशक्तिकरण पर बनी रणनीति

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी गिरिडीह नगर कमेटी की मासिक संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को बस स्टैंड रोड स्थित मां काली होटल में नगर अध्यक्ष जयशंकर सिन्हा सिंकु की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर बूथ समिति एवं शक्ति केंद्रों के गठन और आगामी हर घर तिरंगा अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनय सिंह ने कहा कि एसआईआर अभियान में पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है उन्होंने कहा कि फॉर्म-6 के माध्यम से 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा वहीं फॉर्म-7 के जरिए अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने तथा फॉर्म-8 के माध्यम से नाम पता समेत अन्य विवरणों में संशोधन अथवा स्थानांतरण का कार्य किया जाएगा नगर अध्यक्ष जयशंकर सिन्हा सिंकु ने कहा कि नगर मंडल की सभी बूथ समितियों के गठन का प्रारूप तैयार कर लिया गया है जल्द ही सभी बूथों पर समितियों का गठन पूरा कर लिया जाएगा उन्होंने कहा कि बूथ संगठन की सबसे मजबूत इकाई है और प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाना पार्टी की प्राथमिकता है जिला मीडिया सह प्रभारी राजेश जायसवाल ने कहा कि नगर मंडल के सभी वार्डों में शक्ति केंद्र संयोजक एवं सह संयोजकों का गठन जल्द पूरा किया जाएगा उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए पूरी तत्परता से जुटने का आह्वान किया बैठक में हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

उपस्थित कार्यकर्ताओं ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया बैठक में प्रभारी संजीव कुमार महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विनीता कुमारी संजू देवी संजीत सिंह पप्पू सुमन सिन्हा समरदीप लक्ष्मी गुप्ता अंजय कुमार शर्मा पवन शर्मा नीलू सिन्हा तुतुल दा अमर शर्मा टिंकू सिन्हा दीपक कुमार उजाला अमरदीप शर्मा मक्खन चंद्रवंशी गुड़िया देवी राकेश आर्या रवि सागर संदीप गुप्ता पवन साव बृजेश पांडेय कार्तिक डंगेच सुरेश गुप्ता समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

फर्जी एपीके फाइल भेज ठगी करने के दो आरोपित गिरफ्तार

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एसपी डॉ. बिमल कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि मुफ्फसिल थाना अंतर्गत तेलोडीह के समीप मनियामारी गांव जाने वाली सड़क किनारे बैठकर कुछ साइबर अपराधी फोन के माध्यम से ठगी कर रहे हैं। इस सूचना पर साइबर थाना प्रभारी पुनि रामेश्वर भगत के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो साइबर आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसकी जानकारी साइबर डीएसपी आरके राणा ने प्रेसवार्ता में दी। डीसपी ने बताया कि दोनों ने पूछताछ में स्वीकार किया वे फर्जी सिम और फर्जी व्हाट्सएप नंबरों से गैस बिल अपडेट नाम का फर्जी एपीके फाइल लोगों को भेजकर बिल अपडेट के नाम पर ठगी करते थे। इस संबंध में साइबर थाना में कांड (सं0-24/2026) दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी चिकसोरिया (थाना अहिल्यापुर) का संतोष मंडल और बेहरवाटाड़ (थाना बिरनी) का निवासी छोटू कुमार मंडल है। दोनों के पास से पांच मोबाइल फोन और पांच सिम कार्ड बरामद किये गये।

पदमा फायरिंग बट में क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता संपन्न

हजारीबाग बना ओवरऑल चैंपियन

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हजारीबाग जिले के पदमा फायरिंग बट में आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार, 7 अगस्त 2026 को हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ 6 अगस्त 2026 को हुआ था, जिसमें उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, गिरिडीह एवं कोडरमा जिले की पुलिस टीमों ने भाग लिया।

समापन समारोह में पुलिस उप महानिरीक्षक (उत्तरी छोटानागपुर) श्री अंजनी झा, पुलिस अधीक्षक हजारीबाग श्री अमन कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) हजारीबाग सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए हजारीबाग की टीम ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं, पिस्टल स्पर्धा में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (बरही) श्री राधा प्रेम किशोर ने उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं पुलिस बल के जवानों और अधिकारियों की निशानेबाजी क्षमता, अनुशासन एवं दक्षता को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विजेता टीमों और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी गईं।

आपदा से निपटने को लेकर स्टेशन पर आरपीएफ का माक ड्रिल

आपदा के समय यात्रियों की सुरक्षा का दिया प्रशिक्षण

जमालपुर (मुंगेर), नरवबिहार टाइम्स संवाददाता। रेल दुर्घटना अथवा किसी भी आकस्मिक आपदा की स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित निकालने और राहत कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जमालपुर रेलवे स्टेशन परिसर में आरपीएफ ने माक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व आरपीएफ इंस्पेक्टर सुजीत कुमार यादव ने किया।

माकड्रिल के दौरान आरपीएफ अधिकारियों एवं जवानों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई, यात्रियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने तथा दुर्घटनास्थल पर बचाव कार्य को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने का प्रशिक्षण दिया गया।

इंस्पेक्टर सुजीत कुमार यादव ने कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में आरपीएफ की पहली जिम्मेदारी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही स्टेशन परिसर में भगदड़ और अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सूझबूझ और समन्वय के साथ कार्य करना आवश्यक है।

माकड्रिल के दौरान यात्रियों को भी आपातकालीन स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि दुर्घटना के समय घबराने के बजाय रेलवे कर्मियों और सुरक्षा बलों के निर्देशों का पालन करें, ताकि राहत एवं बचाव कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने भी आरपीएफ का सहयोग किया और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन किया।

इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर भावेश कुमार, विकास कुमार सिंह, सहायक सब इंस्पेक्टर मोतीलाल, समीर दास, कांस्टेबल राजा कुमार, रजनीश कुमार, चंदन कुमार, मुकेश कुमार, गीता जाट सहित आरपीएफ के कई अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। माक ड्रिल के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संदेश दिया गया।

जमालपुर-मुंगेर के हर घर तक पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

अमृत-2 योजना में 280 करोड़ रुपये से अधिक की मिली मंजूरी

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद जमालपुर और मुंगेर नगर निगम क्षेत्र के उन परिवारों का वर्षों का इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है, जो अब तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति योजना से वंचित हैं।

अमृत-2 योजना के तहत बिहार सरकार ने नए डीपीआर के आधार पर जमालपुर के लिए 102 करोड़ रुपये तथा मुंगेर नगर निगम के लिए करीब 178 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है। दोनों योजनाओं पर कुल 280 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे।बताया गया कि मुंगेर के सांसद सह केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने दिशा की बैठक में पेयजल व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए पीएचईडी एवं बुडको की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने बुडको के कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित कार्यपालक अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा जमालपुर एवं मुंगेर में पेयजल आपूर्ति से वंचित परिवारों का पुनः सर्वे कर नया डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया था।

इसके बाद तैयार नए डीपीआर को अमृत-2 योजना के तहत स्वीकृति मिली और अब बिहार सरकार ने दोनों परियोजनाओं के लिए राशि भी आवंटित कर दी है। योजना के धरातल पर उतरने के बाद दोनों शहरों के शेष घरों तक भी शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इससे हजारों परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा और वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने की उम्मीद है।

जमालपुर विधायक नचिकेता मंडल ने इस निर्णय पर सांसद सह केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह तथा बिहार सरकार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है। पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा हर घर तक पहुंचाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे जमालपुर और मुंगेर के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

पिपरा थाना प्रभारी ने उत्कृष्ट छात्रों को किया सम्मानित कहा - 'पढ़ोगे तभी बढ़ोगे'

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खाकी सिर्फ कानून ही नहीं, शिक्षा का भी रखवाला है। इसका उदाहरण शुक्रवार को पुनपुन प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय शेखपुरा में देखने को मिला। यहां पिपरा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार ने विद्यालय के उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर बच्चों और अभिभावकों का दिल जीत लिया।विशेष सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थाना प्रभारी ने होनहार बच्चों को प्रकाल बॉक्स, पेन और स्केच पेन देकर पुरस्कृत किया। पुलिस की इस अनूठी पहल से स्कूल परिसर तालियों की गूंज से गूंज उठा।

सीओ के जनसुनवाई कार्यक्रम में 10 मामलों का निष्पादन

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अंचल कार्यालय में शुक्रवार को अंचलाधिकारी प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में भूमि विवाद, जमाबंदी, परिमार्जन, नाम सुधार एवं जमीन मापी से संबंधित करीब 30 मामले पहुंचे।अंचलाधिकारी ने एक-एक फरियादी की शिकायत सुनते हुए संबंधित राजस्व कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान फरियादी सुखदेव यादव ने जमीन की नापी कराने की मांग रखी। वहीं कैलाश पासवान ने आपत्ति से जुड़े मामले में आवेदन दिया। सुरेश कुमार ने जमाबंदी में सुधार कराने, सुरेंद्र यादव ने परिमार्जन, महेंद्र प्रसाद यादव ने अभिलेख में नाम सुधार तथा परशुराम कुमार ने भूमि मापी से संबंधित शिकायत अंचलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की।अंचलाधिकारी ने सभी मामलों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित कर्मियों को समयबद्ध जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े मामलों का त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन प्रशासन की प्राथमिकता है और किसी भी पात्र व्यक्ति को अनावश्यक रूप से कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जनसुनवाई में प्राप्त लगभग 30 मामलों में से 10 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया के लिए संबंधित कर्मचारियों को सौंपा गया। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी मौजूद रहे और अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया।

वित्तरहित शिक्षकों के मुद्दे पर सरकार को राजद नेता ने घेरा

समान वेतनमान लागू करने की मांग - राजू यादव

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता राजेश रमण उर्फ राजू यादव ने वित्तरहित शिक्षकों के मुद्दे पर बिहार सरकार को निशाने पर लेते हुए समान कार्य के लिए समान वेतनमान की नीति जल्द लागू करने की मांग की।

शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि बिहार के वित्तरहित डिग्री कॉलेज, इंटर महाविद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत हजारों शिक्षक और कर्मचारी वर्षों से समान कार्य करने के बावजूद उचित वेतन से वंचित हैं और बदहाली का जीवन जीने को मजबूर हैं।राजेश रमण ने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर वित्तरहित शिक्षकों को आश्वासन देती है, जबकि दूसरी ओर न्यायालय के आदेशों का पालन करने के बजाय उनके खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर कर अपनी मंशा स्पष्ट कर रही है।

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने सरकार के रुख पर कड़ी टिप्पणी करते हुए पुनर्याचिका को खारिज कर दिया, जिससे सरकार की नीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।राजद नेता ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में कई वित्तरहित विद्यालयों का अधिग्रहण कर उनका सरकारीकरण किया गया था, लेकिन वर्तमान एनडीए सरकार ने अब तक एक भी वित्तरहित विद्यालय का अधिग्रहण नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि डबल इंजन की सरकार शुरू से ही शिक्षक विरोधी नीतियों पर काम कर रही है।राजेश रमण ने राज्य सरकार से मांग की कि उच्चतम न्यायालय की भावना का सम्मान करते हुए वित्तरहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए समान कार्य के बदले समान वेतनमान की नीति तत्काल लागू की जाए, ताकि वर्षों से न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हजारों शिक्षकों को उनका अधिकार मिल सके।

विद्या मंदिर में गणित-विज्ञान मेले का आयोजन

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सरस्वती विद्या मंदिर, दौलतपुर जमालपुर में शुक्रवार को विद्यालय स्तरीय गणित-विज्ञान मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी और संगणक आधारित आकर्षक मॉडल एवं वैज्ञानिक प्रयोग प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता,वैज्ञानिक सोच और नवाचार क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। छात्रों के मॉडलों ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधकारिणी के सचिव चंद्रशेखर खेतान, प्रधानाचार्य छठु साह, उपप्रधानाचार्य संतोष कुमार, प्रो. विजय कुमार,सह सचिव शैल कुमारी एवं सदस्य उदय दास ने संयुक्त रूप से किया।प्रधानाचार्य छठु साह ने कहा कि विज्ञान मेला विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन और नवाचार की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। इससे छात्रों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है। वहीं उपप्रधानाचार्य संतोष कुमार ने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने की सोच है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने और विज्ञान के माध्यम से समाज की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया।मेले में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा एवं जल संरक्षण, स्वच्छता, कृषि, रोबोटिक्स, सेंसर तकनीक, प्राथमिक उपचार, पदार्थ की अवस्थाएं और सरल मशीनों सहित विभिन्न विषयों पर मॉडल प्रदर्शित किए गए। सिद्धांत, हर्षित, ओजस, शौर्य, हर्ष, अर्णव, अभिषेक, बद्री, आर्यन, अनुष्का, साक्षी, सोनाक्षी, अंकिता, आराध्या, श्रुति, क्रिस्टल, पीहू, आरती, श्वेता, वैष्णवी, अर्पिता और आहाना समेत अनेक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम प्रमुख लक्ष्मी कुमारी ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं सहयोगियों को बधाई देते हुए बताया कि मेले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को विभाग स्तरीय विज्ञान मेले में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

धनरूआ के विजयपुरा वार्ड-13 में जलजमाव और कीचड़ से त्रस्त महादलित बस्ती

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। धनरूआ प्रखंड के विजयपुरा पंचायत के वार्ड-13 की महादलित बस्ती में जलजमाव और गंदगी के कारण लोगों का जीवन नर्क बन गया है। बस्ती में न पानी की निकासी है और न ही पक्का रास्ता। हमेशा कीचड़ और गंदे पानी में होकर लोगों को आना-जाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस जगह जलजमाव है, उसी के बगल में प्राथमिक विद्यालय स्थित है। बारिश के बाद जमा पानी और कीचड़ की वजह से छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी दिक्कत हो रही है। स्कूल के ठीक बगल में गंदगी होने से बीमारी फैलने का भी डर बना हुआ है।ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। उनका कहना है कि पंचायत के मुखिया और समिति के पास इसके लिए फंड ही नहीं है। कुछ जनप्रतिनिधि तो सीधे कह देते हैं किआपने हमें वोट ही नहीं किया है"_, इसलिए काम नहीं होगा।

विश्व स्तनपान दिवस पर पीएचसी में जागरूकता कार्यक्रम

जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध ही शिशु के लिए अमृत समान : डॉ अशोक

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमालपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्तनपान के महत्व, नवजात शिशुओं के समुचित पोषण तथा मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि जन्म के तुरंत बाद शिशु को मां का पहला दूध अवश्य पिलाना चाहिए, क्योंकि यही उसकी पहली प्राकृतिक सुरक्षा कवच होता है। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार पासवान ने कहा कि जन्म से छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मां का दूध संपूर्ण एवं प्राकृतिक आहार है, जिसमें शिशु के विकास के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है तथा वह कई संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रहता है। उन्होंने बताया कि छह माह तक बच्चे को पानी, शहद, घुट्टी अथवा अन्य किसी प्रकार का आहार देने की आवश्यकता नहीं होती। इधर, स्वास्थ्यकर्मियों ने माताओं को सही तरीके से स्तनपान कराने की विधि, प्रसव के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करने के लाभ तथा छह माह के बाद पूरक आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की सलाह दी। साथ ही माताओं को संतुलित भोजन, नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं नवजात शिशु की समुचित देखभाल के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर गीता देवी, ममता दीदी, एएनएम विजय कुमार, जुली कुमारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मियों ने उपस्थित माताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें कुपोषण से बचाव तथा स्वस्थ मातृत्व के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने भी स्वास्थ्य विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे और उपयोगी सुझाव प्राप्त किए। वहीं सभी माताओं से अपील की कि स्वस्थ एवं कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नवजात को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध अवश्य पिलाएं तथा नियमित टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करें।

भारतीय लोकमंच पार्टी पटना महानगर इकाई की साप्ताहिक बैठक

पटना, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय लोकमंच पार्टी पटना महानगर इकाई की साप्ताहिक बैठक पटना के गायघाट पटना सिटी स्थित एक निजी विद्यालय में पटना महानगर संयोजक शम्भू नाथ उर्फ शम्भू मेहता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में संगठन को वार्ड स्तर तक सशक्त बनाने के उद्देश्य से पटना महानगर इकाई के विस्तार पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में श्रीमती पिंकी कुमारी को पटना महानगर महासचिव सह पटना सिटी अंचल प्रभारी, श्रीमती पूनम देवी को वार्ड संख्या 57 की संयोजक, शिवम कुमार सिन्हा को वार्ड संख्या 63 का संयोजक तथा श्री संतोष कुमार को वार्ड संख्या 70 का संयोजक मनोनीत किया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष साधु शरण पाण्डेय, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद, राष्ट्रीय महासचिव धर्मेन्द्र कुमार पासवान, राष्ट्रीय सचिव संजय कुमार बॉबी, छात्र प्रदेश संगठन सचिव सह सारण प्रभारी अधिवक्ता अधिवक्ता प्रिंस कुमार सिंह, पटना महानगर महासचिव संतोष कुमार, छात्र नेत्री प्रकाम्या श्रीवास्तव, डॉ. जुगनू प्रकाश, राजू कुमार सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक एवं संगठनात्मक भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि नवमनोनीत पदाधिकारियों की सूची आवश्यक अभिलेख हेतु जिला प्रशासन, पटना सिटी के अनुमंडल पदाधिकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा संबंधित थाना को उपलब्ध करा दी गई है।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

भर्ती परीक्षाओं में सुधार को लिखा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला के चंदनकियारी प्रखंड कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और अधिवक्ता राकेश शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को एक पत्र भेजा है। इस पत्र में देश की प्रमुख केंद्रीय भर्ती संस्थाओ एसएससी, आरआरबी और आईबीपीएस में तत्काल और प्रभावी सुधार की मांग की गई है। पत्र में यह रेखांकित किया गया है कि देश के करोड़ों युवा आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और समयबद्ध परिणामों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड और बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान जैसी देश की सबसे बड़ी भर्ती संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पत्र के अंत में बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष से यह आग्रह किया गया है कि इन मांगों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केंद्र सरकार ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए, ताकि देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल हो सके। अब देखना यह होगा कि इस पत्र और युवाओं की लगातार उठ रही मांगों पर केंद्र सरकार क्या कदम उठाती है।

पुलिस लाइन में लगा वाटर कूलर, पुलिसकर्मियों को मिलेगी शीतल पेयजल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा एवं धनबाद रॉकवुल की ओर से सामाजिक सरोकार के तहत धनबाद पुलिस लाइन परिसर में स्थायी शीतल पेयजल (वाटर कूलर) मशीन स्थापित की गई। इसका उद्घाटन शुक्रवार को वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात

कुमार, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब एवं अन्य पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के अवसर पर एसएसपी प्रभात कुमार ने मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा एवं धनबाद रॉकवुल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस लाइन में वाटर कूलर स्थापित होने से यहां कार्यरत पुलिस अधिकारियों, जवानों तथा आने वाले आगंतुकों को गर्मी के मौसम में शुद्ध एवं ठंडा पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में सार्जेंट मेजर अवधेश कुमार, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, राष्ट्रीय रक्तदान संयोजक विवेक लीलहा, मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा के अध्यक्ष शैलेश बंसल, धनबाद रॉकवुल के दिनेश हेलिवाल, अधिवक्ता आदित्य अग्रवाल, अमित बजाज समेत अन्य गणमान्य नागरिक, पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

गतका चैंपियनशिप 2026 -27 का बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गतका एसोसिएशन के द्वारा धनबाद जिला गतका चैंपियनशिप सत्र 2026 - 27 का आयोजन बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, धनबाद में किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए जिला सचिव रोहित प्रसाद ने बताया कि भारत की प्राचीन सिख मार्शल आर्ट शैली गतका खेल में धनबाद जिला के विभिन्न स्कूलों, क्लबों के सैकड़ों लड़के/ लड़कियां भाग लेंगे। चैंपियनशिप का उदघाटन गतका एसोसिएशन झारखंड के अध्यक्ष केशव हारोदिया, जिला अध्यक्ष बसंत हेलीवाल, धनबाद जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा , राज्य सचिव विद्या के द्वारा किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ स्कूल अथवा क्लब को ट्रॉफी सह बेस्ट फाइटर अवार्ड एक लड़के वा एक लड़की को प्रदान किया जाएगा। धनबाद जिला गतका चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राज्य प्रतियोगिता में जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी विजेताओं को पदक एवं प्रमाणपत्र दे कर सम्मानित किया जाएगा।

केन्दुआडीह में धनबाद-बोकारो क्षतिग्रस्त सड़क की खुदाई शुरू

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। केन्दुआडीह में भू-धंसान एवं गैस रिसाव से क्षतिग्रस्त हुई धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क की खुदाई आज से भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से शुरू कर दिया है। इस संबंध में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि पिछले 6-7 महीनों से बंद पड़ी धनबाद-बोकारो सड़क को जनहित में दोबारा शुरू करने पर विगत 7 जुलाई 2026 को जिला आपदा प्रबंधन

प्राधिकार, धनबाद, वरीय पुलिस अधीक्षक, जिले के जनप्रतिनिधि, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड तथा विभिन्न तकनीकी संस्थानों के साथ बैठक कर गहन विचार-विमर्श किया गया था। बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों ने एकमत होकर प्रभावित क्षेत्र में वैज्ञानिक तरीके से खुदाई कर वास्तविक स्थिति का पता लगाने का सुझाव दिया था। इसके बाद भारत कोकिंग कोल लिमिटेड ने खुदाई कार्य के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार कर आज से जेसीबी मशीन की सहायता से सड़क खुदाई कार्य शुरू किया है। वहीं खुदाई स्थल पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की तकनिकी टीम के साथ सुरक्षा बल, तकनिकी संस्थानों की टीम सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पूरे कार्यक्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लिया गया है। खुदाई के बाद, टेक्निकल रिपोर्ट आ जाने के बाद निर्णय लिया जाएगा कि बंद सड़क को चालू करना सुरक्षित है या जोखिम भरा है। उपायुक्त ने आमजनों से अपील की है कि वे खुदाई क्षेत्र से दूर रहें और सुरक्षित स्थान पर रहें।

आइजी, डीसी व एसपी ने 39 नए बोलेरो पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अपराध नियंत्रण, गश्ती एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को मिलेगी मजबूती

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन, बोकारो से जिले को आवंटित 39 नए बोलेरो पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जिले को इस चरण में 39 नए पुलिस वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इससे पूर्व मार्च माह में भी जिले को 39 वाहन प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि इन नए वाहनों के शामिल होने से जिले के सभी पुलिस थानों एवं पुलिस बल की गतिशीलता और कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे अपराध नियंत्रण, नियमित गश्ती, कानून-व्यवस्था संधारण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस का मूल मंत्र 'सेवा ही लक्ष्य' है। इसी भावना के अनुरूप आमजन को बेहतर, त्वरित एवं संवेदनशील पुलिस सेवा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए संसाधनों के जुड़ने से पुलिस जनता की अपेक्षाओं पर और बेहतर ढंग से खरा उतरेगी तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने नए वाहनों का निरीक्षण किया तथा पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को वाहनों का प्रभावी उपयोग करते हुए बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।

लोक संवाद में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निष्पादन का डीसी ने दिया निर्देश

वीडियो संवाद के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के प्रगति की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने हम आपको सुनते हैं...(लोक संवाद) कार्यक्रम के तहत प्राप्त शिकायतों एवं उनके निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी जुड़े। डीसी ने विभागवार लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए शिकायतों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होने देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लोक संवाद कार्यक्रम में प्राप्त प्रत्येक शिकायत की गंभीरतापूर्वक सुनवाई कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित एवं पारदर्शी प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, डीपीएलआरओ पूर्णिमा कुमारी, प्रभारी पदाधिकारी हेमलता बून, जिला कल्याण पदाधिकारी सुचिता किरण, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षा में 4 महिला सहित 149 अभ्यर्थी हुए सफल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला के नावाडीह प्रखंड में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में कुल 179 अभ्यर्थियों ने लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 149 अभ्यर्थी सफल घोषित हुए तथा 40 अभ्यर्थी असफल रहे। सफल अभ्यर्थियों में 4 महिला अभ्यर्थी भी शामिल रहीं। शिविर के दौरान मोटरयान निरीक्षक अभय चौधरी तथा जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक गोविंद सिंह उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों की निगरानी में परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराया गया। साथ ही अभ्यर्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी गई। इस विशेष शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके प्रखंड स्तर पर ही लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना, परिवहन सेवाओं को सुलभ बनाना तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है।

8 एवं 9 अगस्त को सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा विशेष शिविर

पात्र नागरिक फॉर्म-6 एवं फॉर्म-8 भरकर उठाएं लाभ : डीसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से झारखंड विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत 08 एवं 09 अगस्त 2026 को आयोजित विशेष शिविर में भाग लेने की अपील की है। दोनों दिनों जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक फॉर्म-6 एवं फॉर्म-8 भरने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित नहीं रहे। ऐसे भारतीय नागरिक, जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं अथवा 01 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले हैं तथा संबंधित मतदान क्षेत्र के सामान्य निवासी हैं, वे मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 एवं घोषणा-पत्र भर सकते हैं। डीईओ सह डीसी अजय नाथ झा ने बताया कि जिन परिवारों के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं अथवा जिनका वर्तमान मतदान केंद्र उनके निवास से दूर है, वे परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही निकटवर्ती मतदान केंद्र में स्थानांतरित कराने के लिए फॉर्म-8 भर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। किसी भी विदेशी नागरिक को इस प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि मतदाता ऑनलाइन आवेदन के लिए ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड कर सकते हैं अथवा voters.eci.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए वोटर हेल्पलाइन-1950 पर संपर्क किया जा सकता है। डीईओ सह डीसी ने बोकारो जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे 08 एवं 09 अगस्त को अपने निकटतम मतदान केंद्र पर आयोजित विशेष शिविर में पहुंचकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने, परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र में स्थानांतरित कराने अथवा आवश्यक संशोधन संबंधी कार्य समय पर पूरा कराएं। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक छूटे नहीं अभियान को सफल बनाने में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम में 43 मामलों की हुई सुनवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं... (लोक संवाद) कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त 43 आवेदनों पर क्रमवार सुनवाई करते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों का त्वरित, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, विद्युत, बीएसएल, आपूर्ति, कल्याण तथा विभिन्न अंचल कार्यालयों से संबंधित मामलों पर विचार किया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन रिस्पॉन्सिव एवं नागरिक-केंद्रित प्रशासन की अवधारणा के अनुरूप कार्य कर रहा है। नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी विभाग जनहित से जुड़े मामलों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निष्पादन सुनिश्चित करें। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, डीसीएलआर पूर्णिमा कुमारी, प्रभारी पदाधिकारी हेमलता बून,सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सीएसआर नोडल शक्ति कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नावाडीह जंगल में पेड़ से लटका मिला बुजुर्ग का शव

कसमार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार के नावाडीह जंगल में 65 वर्षीय बुजुर्ग का शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चला है। कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत टांगटोना पंचायत के नावाडीह जंगल में मंगलवार देर शाम एक बुजुर्ग का शव पेड़ से लटका मिला. मृतक की पहचान जामकुदर गांव निवासी मथुर पाल (65) के रूप में हुई. सूचना पर थाना प्रभारी कुंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी गयी. पंचायत समिति सदस्य प्रिया देवी, वार्ड सदस्य दिवाकर प्रमाणिक सहित कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी. फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है.

बुंडू पंचायत में मनाया गया विश्व स्तनपान दिवस, महिलाओं को दी गई आवश्यक जानकारी

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत बुंडू पंचायत के सभागार में शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र के तत्वावधान में विश्व स्तनपान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बुंडू पंचायत की मुखिया निहारिका सुकृति उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाएं एवं किशोरियां भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। उपस्थित महिलाओं को स्तनपान के महत्व तथा बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वच्छ जीवनशैली के प्रति भी जागरूक किया गया।आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका एवं सहायिका ने महिला सशक्तिकरण, आपसी सहयोग, सहभागिता तथा पंचायत के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है। नवजात एवं छोटे बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और विकास के लिए माताओं को नियमित रूप से स्तनपान कराना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए आईएफए (आयरन-फोलिक एसिड) टैबलेट के सेवन से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई। महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, गीत एवं रंगोली के माध्यम से स्तनपान के महत्व का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और स्तनपान के प्रति जागरूक करना रहा।इस कार्यक्रम में प्रीति बाला विभावरी देवी ,रेखा कश्यप,समरी देवी,ममता देवी,तबस्सुम, साहिना प्रवीण, खुशबू देवी,रेशम निगार सहित काफी संख्या में महिलाएं मौजूद थी।

ओवर लोडिंग व धूल प्रदूषण को लेकर चलाया गया विशेष जांच अभियान, 8 वाहन जब्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला परिवहन पदाधिकारी, बोकारो के नेतृत्व एवं मोटर वाहन निरीक्षक की उपस्थिति में चंद्रपुरा स्लैग प्वाइंट पर ओवरलोडिंग एवं धूल प्रदूषण की रोकथाम हेतु विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्लैग एवं फ्लाई ऐश का परिवहन करने वाले वाहनों की सघन जांच की गई। जांच में वाहनों के लोड, फिटनेस, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र, वैध कागजात तथा तिरपाल से ढंक कर परिवहन किए जाने की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 08 वाहनों को जब्त किया गया तथा विभिन्न धाराओं के अंतर्गत लगभग 3.25 लाख का जुर्माना लगाया गया। वाहन स्वामियों एवं चालकों को भविष्य में निर्धारित भार सीमा का पालन करने तथा स्लैग एवं फ्लाई ऐश का परिवहन तिरपाल से ढंक कर करने का निर्देश दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी, बोकारो ने कहा कि सड़क सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों एवं चालकों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सघन जांच अभियान चलाकर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो दिवसीय कुष्ठ रोग कार्यशाला का शुभारंभ: जागरूकता एवं समय पर उपचार को लेकर विशेष बल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन, बोकारो के सभागार में आज दो दिवसीय कुष्ठ रोग कार्यशाला का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ.सुधा सिंह, डीएफआईटी के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. वाई. सोमशेखर रेड्डी, डीएफआईटी के राज्य समन्वयक डॉ. गौतम कुमार तथा जिला कुष्ठ सलाहकार मोहम्मद सज्जाद आलम द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से एक-एक चिकित्सा पदाधिकारी, नोडल चिकित्सा पदाधिकारी एवं नोडल स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को कुष्ठ रोग की पहचान, उपचार, नवीन चिकित्सा पद्धति तथा सरकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रदान करना है। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि जिले में समय-समय पर कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान, स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़ा तथा राज्य सरकार द्वारा घर-घर कुष्ठ रोग खोज अभियान संचालित किया जाता है। इन अभियानों का मुख्य उद्देश्य समाज में छिपे हुए कुष्ठ रोगियों की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें विकलांगता जैसी गंभीर जटिलताओं से बचाया जा सके। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कुष्ठ रोग के प्रति फैली भ्रांतियों एवं सामाजिक कलंक को दूर करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं तथा लोगों को समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करें, जिससे बोकारो जिले को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। प्रशिक्षक डॉ. वाई. सोमशेखर रेड्डी ने प्रशिक्षण के दौरान कुष्ठ रोग के आधुनिक उपचार, वर्तमान चिकित्सा पद्धति में हुए बदलाव, एमडीटी की सही खुराक, रोगियों के अनुवर्ती उपचार तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान भी किया और क्षेत्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यशाला के सफल आयोजन में जिला कुष्ठ निवारण कार्यालय के संजय कुमार, अजय कुमार, राजाराम कूड़ा, दिवाकर महतो, कामदेव बेसरा (डीएफआईटी) सहित अन्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

आदिवासी महोत्सव के प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स निभाएं सक्रिय भूमिका : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के साथ बैठक कर आगामी 09 अगस्त बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाला यह महोत्सव आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, कला, लोकजीवन एवं जीवन मूल्यों को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है। उपायुक्त ने कहा कि आदिवासी समाज को पिछड़ेपन की दृष्टि से नहीं, बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, प्रकृति के साथ संतुलित जीवनशैली तथा सामाजिक मूल्यों के संवाहक के रूप में देखने और समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराओं एवं विरासत के प्रति सम्मान और गौरव का भाव विकसित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स से अपील की कि वे अपने-अपने डिजिटल मंचों के माध्यम से महोत्सव का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में शामिल होकर आदिवासी कला, संस्कृति, हस्तशिल्प, पारंपरिक खेल, व्यंजन एवं लोक परंपराओं से परिचित हो सकें। इस अवसर पर उपायुक्त श्री अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार समेत अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 का आमंत्रण कार्ड जारी किया। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने महोत्सव के आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में जनजातीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक नृत्य-संगीत, आदिवासी व्यंजन, हस्तशिल्प एवं चित्रकला प्रदर्शनी, पारंपरिक खेल, फैशन शो सहित विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com